दैनिक
देवव्रत
Dainik DEVVRAT
www.dainikdevvrat.in
आजमगढ़, उ.प्र.
वर्ष 36, अंक 261
पृष्ठ 08, मूल्य 3.00
19 जून 2026, शुक्रवार
लखनऊ, नई दिल्ली, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, सोनभद्र (राबर्ट्सगंज, अनपरा, शक्तिनगर), सिंगरौली, मिर्जापुर, अयोध्या, गोरखपुर, जौनपुर, गाजीपुर, बलिया, मऊ, अम्बेडकरनगर एवं आजमगढ़ से प्रसारित
E-mail : dainikdevvrat@gmail.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामला
CCTV फुटेज से छेड़छाड़ के मिले सबूत, SIT ने 60 लोगों से की पूछताछ

आज अयोध्या आयेंगे सीएम योगी

अयोध्या, 18 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। राम मंदिर दानराशि में गड़बड़ी

की जांच लगातार जारी है। एसआईटी ने लगातार चौथे दिन भी संदिग्ध लोगों से पूछताछ की। बृहस्पतिवार को राम मंदिर के मुख्य ट्रस्टी डॉक्टर अनिल मिश्र से पूछताछ की गई। एसआईटी ने पिछले तीन दिनों में 60 से अधिक लोगों से पूछताछ की है। दान गणना प्रक्रिया, मंदिर से बैंक तक धनराशि को ले जाने की प्रक्रिया समझी गई। सीसीटीवी कैमरों की जांच हुई।

जांच में सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ के भी सबूत मिले हैं। इसी बीच शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या पहुंच रहे हैं। वे राम मंदिर में दर्शन करने भी जाएंगे। जानकारी के अनुसार एसआईटी शुक्रवार को जांच की प्रारंभिक रिपोर्ट भी मुख्यमंत्री को सौंप सकती है। वहीं सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अब तक की जांच में जो दोषी पाए गए हैं उन पर एफआईआर भी दर्ज कराई जा सकती है।एसआईटी चंपत राय, गोपाल राव समेत राममंदिर ट्रस्ट के कई अन्य पदाधिकारियों व उनसे जुड़े लोगों से गहनता से पूछताछ कर रही है। सूत्रों के मुताबिक ये लोग कई सवालों के जवाब नहीं दे पा रहे हैं। कई सवालों के गोलमोल जवाब दे रहे हैं। वहीं, दान के दिए गए रिकॉर्ड से भी एसआईटी संतुष्ट नहीं है क्योंकि उसमें भी कई चीजें अस्पष्ट हैं। इसलिए एसआईटी को जांच में अधिक समय लग रहा है। विशेष जांच दल ने पूछताछ के लिए करीब दो सौ लोगों की सूची तैयार की है। इनमें से सवा सौ लोगों से पूछताछ कर चुकी है। इनमें से कुछ से कई बार पूछताछ की है।

पकड़े गए पांच संदिग्धों से भी एसआईटी ने पूछताछ की है। उनके पास से रकम भी बरामद हुई थी। सूत्रों के मुताबिक इन संदिग्धों ने कई नामों का खुलासा किया है, जिनको इस खेल में शामिल बताया है। एसआईटी ने उनके बयानों की तस्दीक कर रही है। अब सवाल है कि क्या एसआईटी की जांच के बीच एफआईआर दर्ज की जाएगी या जांच पूरी होने के बाद। या केस दर्ज ही नहीं होगा...ये सवाल अभी भी बना हुआ है।

श्रद्धालुओं की संख्या में आयी भारी गिरावट, चढ़ावे पर भी पड़ा असर

अयोध्या, 18 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की दानराशि में गड़बड़ी के मामले की जांच के बीच अब मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या और चढ़ावे में भी कमी दर्ज की जा रही है। मंदिर से जुड़े सूत्रों के अनुसार, जहां पिछले कई महीनों से प्रतिमाह औसतन सात करोड़ रुपये के आसपास दान राशि प्राप्त हो रही थी, वहीं पिछले एक पखवाड़े में यह आंकड़ा घटकर करीब डेढ़ करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

दान राशि गड़बड़ी प्रकरण सामने आने और उसके बाद एसआईटी जांच शुरू होने के बाद मंदिर की व्यवस्थाओं को लेकर देशभर में चर्चा तेज हुई है। हालांकि मंदिर ट्रस्ट लगातार यह दावा कर रहा है कि दान संग्रह और उसकी गणना की प्रक्रिया पूरी तरह सुरक्षित एवं पारदर्शी है, लेकिन माना जा रहा है कि विवाद के कारण श्रद्धालुओं के एक वर्ग में सवाल भी उठे हैं। इसका असर दान और दर्शनार्थियों की संख्या पर पड़ने की चर्चा मंदिर परिसर और स्थानीय स्तर पर हो रही है। सूत्र बताते हैं कि बीते दिनों दान राशि की गणना प्रक्रिया भी प्रभावित रही। ऐसे माहौल में सामान्य दिनों की तुलना में

श्रद्धालुओं की संख्या में कमी दर्ज की गई है, जिसका सीधा प्रभाव दानपात्रों में जमा होने वाली राशि पर पड़ा है। एक सप्ताह पूर्व जहां राम मंदिर में रोजाना करीब एक लाख दर्शनार्थी आ रहे थे, पिछले तीन दिनों में यह संख्या घटकर 75 हजार हो गई। सूत्रों के अनुसार, इस समय रोजाना करीब सात से आठ लाख का ही दान आ रहा है। राम मंदिर की व्यवस्थाओं से जुड़े एक कर्मी का कहना है कि केवल विवाद को ही दान में कमी का कारण नहीं माना जा सकता। भीषण गर्मी, स्कूल–कॉलेजों के खुलने, विवाह सीजन समाप्त होने और यात्रा के सामान्य चक्र का भी असर श्रद्धालुओं की संख्या पर पड़ा है।

वियतनाम-इंडोनेशिया से पिछड़ रहा भारत, शर्तें मानने को मजबूर

अमेरिकी खरीदार कम कीमतें कर रहे हैं ऑफर

नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। अमेरिका–ईरान के बीच शांति समझौते के साथ ही अमेरिकी खरीदारों ने भारतीय कपड़ों के एक्सपोर्टर्स से फिर से पूछताछ शुरू कर दी है। हालांकि, खरीदार कपड़ों की सभी कैटेगरी में 5%–10% की छूट मांग रहे हैं। इससे निर्यातकों के पहले से ही कम मार्जिन पर दबाव बढ़ रहा है। इकोनॉमिक टाइम्स को तिरुपुर एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन (TEA) के प्रेसिडेंट के.एम. सुब्रमण्यम ने कहा,

श्पूछताछ तो हो रही है। लेकिन, अमेरिकी खरीदार कम कीमतें ऑफर कर रहे हैं। मई में लगातार छठे महीने भारत के रेडीमेड गारमेंट (RMG) एक्सपोर्ट में गिरावट आई है। इस महीने साल–दर–साल ग्रोथ में 14.1% की कमी देखने को मिले। इसका मुख्य कारण अमेरिका (जो भारत के कपड़ों का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट मार्केट है) में कमजोर मांग थी। भारत के कुल कपड़ों के एक्सपोर्ट में अमेरिका की हिस्सेदारी लगभग एक–तिहाई है।

ओरिएंट क्राफ्ट के मालिक सुधीर ढींगरा ने ईटी से कहा कि स्प्रिंग 2027 सीजन के ऑर्डर के लिए खरीदार 10: तक की छूट की मांग कर रहे हैं। भारतीय एक्सपोर्टर्स के पास इन शर्तों को मानने के अलावा कोई चारा नहीं है। कारण है कि वियतनाम, इंडोनेशिया और कंबोडिया जैसे प्रतिस्पर्धी देश 'चाइना+1' मौके का फायदा उठाने में ज्यादा सफल रहे हैं। इंडस्ट्री के अधिकारी इन देशों के बेहतर प्रदर्शन का कारण बेहतर लागत प्रतिस्पर्धा, अलग–अलग तरह के प्रोडक्ट, कुशल सप्लाई चेन, कम लीड टाइम और खरीदारों का अधिक भरोसा मानते हैं। भारत के कुल कपड़ों के एक्सपोर्ट में अमेरिका की हिस्सेदारी लगभग एक–तिहाई है। इसलिए इस मार्केट में मांग के ट्रेंड और कीमतों का दबाव इस सेक्टर के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। सुब्रमण्यम ने कहा, श्भारत के एक्सपोर्ट में गिरावट के कई कारण हैं। इनमें अमेरिका में कमजोर मांग, रिटेल खरीदारी में सावधानी और दूसरे देशों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा शामिल हैं।

उन्होंने आगे कहा, वैसे तो मई 2026 में अमेरिकी डॉलर (USD) के हिसाब से RMG एक्सपोर्ट में 14.2% की गिरावट आई। लेकिन, भारतीय करेंसी में यह गिरावट अपेक्षाकृत कम (3.6%) रही। इससे पता चलता है कि एक्सचेंज रेट में बदलाव ने कुछ हद तक इस असर को कम किया। साल–दर–साल भारतीय रुपये की कीमत डॉलर के मुकाबले लगभग 9.8% गिरी है। यह 80 रुपये के आसपास से 90 रुपये के आसपास पहुंच गया है।

गारमेंट एक्सपोर्ट में कुल गिरावट के बावजूद ब्रिटेन, संयुक्ध्त अरब अमीरात (यूएई), जर्मनी, स्पेन और इटली जैसे कई प्रमुख मार्केट में एक्सपोर्ट बढ़ा है। कारण है कि भारत अपने एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन में विविधता लाने की कोशिश कर रहा है। ढिंगरा ने कहा कि ब्रिटेन और यूरोप के साथ हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) से कपड़ों के निर्यातकों को कुछ बढ़ावा मिला है।

आज से प्रदेश के 27 जिलों में भीषण लू का अलर्ट

लखनऊ, 18 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। उत्तर प्रदेश में फिलहाल एक हफ्ते तक गर्मी से राहत की उम्मीद नहीं है। मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए प्रदेश तराई और दक्षिणी इलाके के 27 जिलों में लू की चेतावनी जारी किया है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि फिलहाल यूपी में कोई प्रभावी मौसम तंत्र सक्रिय नहीं है। मानसून की दस्तक में देरी से फिलहाल अगले तीन चार दिनों तक तपिश का प्रकोप और लू की परिस्थितियां बने रहने की आशंका है। बृहस्पतिवार को प्रदेश के कई जिलों में भीषण गर्मी का प्रकोप बना रहा, जबकि कानपुर और हमीरपुर में हल्की बूंदाबांदी ने लोगों को राहत दी। 43.2 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ बांदा प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। झांसी में 42.2 डिग्री, प्रयागराज में 41.8 डिग्री और वाराणसी में अधिकतम तापमान 41.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

गाय का दूध पिएंगे और सड़क पर छोड़ देंगे, फसल के नुकसान पर मुझे देते हैं दोष–सीएम योगी

लखनऊ, 18 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कुछ लोग गाय का दूध पिएंगे, फिर उन्हें सड़कों पर बेसहारा छोड़ देंगे और जब ये गाय फसलों का नुकसान करेंगी तो दोष मुझे देंगे। हमारा संकल्प व संस्कार है कि गोमाता को कटने नहीं देंगे और देश की सुरक्षा के साथ कोई खिलवाड़ नहीं होने देंगे। उन्होंने सिख गुरुओं के इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि जब कोई आक्रांता या कसाई गोहत्या करता था, तो सिख वीर उसका वहीं काम तमाम कर देते थे। यह उस कालखंड की बात है, जब देश गुलाम था और लोग विदेशी आक्रांताओं के साये में जीवन व्यतीत कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से 2000 वर्ष पहले भारत की वैश्विक अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी 44 प्रतिशत थी। मुगलों की लूटपाट के बावजूद भारत की ग्लोबल इकॉनमी में हिस्सेदारी 24 प्रतिशत तक थी। जब तक भारत किसानों, व्यापारियों, नौजवानों और आधी आबादी के सामर्थ्य पर विश्वास करता रहा, तब तक देश समृद्धि की ऊंचाइयों को प्राप्त करता रहा। लेकिन, जब हमने विदेशियों की नकल करना शुरू कर दिया तो वही भारत विपन्न होते–होते आजादी के समय वैश्विक अर्थव्यवस्था में मात्र दो प्रतिशत हिस्सेदारी तक सिमट गया। लेकिन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों के दौरान देश ने नारी शक्ति, युवाओं, व्यापारियों और किसानों पर फिर से विश्वास किया। इसी का परिणाम है कि आज भारत पूरे विश्व में तेजी से आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत आज दुनिया की चौथी–पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। अब भारत बीमारू नहीं, विकसित भारत बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर देश है। यह विचार करने की आवश्यकता है कि वे कौन से कारण थे, जिन्होंने इतनी समृद्ध भूमि होने के बावजूद अन्नदाता किसानों को आत्महत्या करने के लिए मजबूर किया। 2014 से पहले किसान आत्महत्या कर रहा था, क्योंकि लागत अधिक व उत्पादन कम था और उपज का उचित मूल्य भी नहीं मिल पाता था।

रास चुनाव : झारखण्ड में कांग्रेस को जोर का झटका

NDA समर्थित परिमल नाथवानी ने प्रणव झा को हराया

रांची, 18 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)।

झारखंड राज्यसभा चुनाव में बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिला है। राज्यसभा की दो सीटों के लिए हुए चुनाव में एनडीए समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के उम्मीदवार बैद्यनाथ राम ने जीत दर्ज की है। वहीं कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा को हार का सामना करना पड़ा। हालांकि देर शाम तक निर्वाचन आयोग की ओर से आधिकारिक घोषणा नहीं की गई थी, लेकिन मतगणना से जुड़े सूत्रों ने दोनों उम्मीदवारों की जीत की पुष्टि कर दी। मतगणना से मिली जानकारी के अनुसार, एनडीए समर्थित प्रत्याशी परिमल नाथवानी को 30 वोट प्राप्त हुए, जिससे उनकी जीत सुनिश्चित हो गई। वहीं झामुमो उम्मीदवार बैद्यनाथ राम भी राज्यसभा पहुंचने में सफल रहे। इस तरह राज्यसभा की दो सीटों में एक सीट झामुमो और दूसरी सीट एनडीए के खाते में गई।

झारखंड राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार को हराकर जीत दर्ज करने वाले एनडीए समर्थित प्रत्याशी परिमल नाथवानी ने अपनी जीत पर झारखंड की जनता, विधायकों और भारतीय जनता पार्टी का आभार जताया। परिमल नाथवानी ने कहा, मैं झारखंड की जनता का हृदय से धन्यवाद करता हूं। विशेष रूप से उन सभी विधायकों का आभारी हूं जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। मैं भारतीय जनता पार्टी का भी आभारी हूं, जिसने मुझे राज्यसभा चुनाव लड़ने का अवसर दिया और पूरे चुनाव में मेरा सहयोग किया।ष

उन्होंने आगे कहा, ष्मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, झारखंड भाजपा के सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों का धन्यवाद करता हूं। जिन लोगों ने मुझे समर्थन दिया और वोट किया, उनका मैं विशेष रूप से आभारी हूं।

परिमल नाथवानी ने कहा कि वह आगे भी झारखंड के विकास और राज्य के हितों के लिए लगातार काम करते रहेंगे। मतों को लेकर उन्होंने बताया, मुझे कुल 30 वोट मिले थे, जिनमें से 28 वोट वैध घोषित किए गए। दो वोट तकनीकी कारणों से रद्द हो गए। इसके बावजूद मुझे पर्याप्त समर्थन मिला और मैं सभी समर्थकों का धन्यवाद करता हूं। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में झारखंड की आवाज को मजबूती से उठाना उनकी प्राथमिकता होगी और वे राज्य के विकास, उद्योग, रोजगार और जनहित से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

कर्नाटक में सीएम डीके की रणनीति ने विप की 5वीं सीट NDA सहयोगी दल जनता दल एस से छीनी

नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। एक तरफ जहां झारखंड में हुए राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस को जोर का झटका लगा है। वहीं, दूसरी तरफ कर्नाटक में हुए विधान परिषद के चुनाव में पार्टी को मिली जीत ने जरूर उसे राहत दी है। कर्नाटक विधान परिषद की सात सीटों के लिए हुए चुनाव में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच सीटों पर जीत दर्ज की है। गुरुवार को मतगणना पूरी होने के बाद घोषित परिणामों में कांग्रेस स्पष्ट रूप से सबसे बड़ी विजेता बनकर उभरी। वहीं भारतीय जनता पार्टी (ठश्रच) ने दो सीटों पर जीत हासिल की, जबकि जनता दल (सेक्युलर) अपनी सीट बचाने में नाकाम रही और उसके उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ा।

कांग्रेस के जिन उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की, उनमें बीके हरिप्रसाद, थिप्पन्नाप्पा कामाकानूर, पीवी मोहन, शिवन्ना बीएस (मालवल्ली) और विनय कार्तिक प्रकाश शामिल हैं। दूसरी ओर BJP के लिंगराज पाटिल और रघु आर विजयी रहे। JD(S) के उम्मीदवार गोविंदराजू सातवीं और सबसे अहम मानी जा रही सीट के मुकाबले में पिछड़ गए, जिससे पार्टी को बड़ा राजनीतिक झटका लगा। इन नतीजों के बाद 75 सदस्यीय कर्नाटक विधान परिषद में कांग्रेस की ताकत और बढ़ गई है। अब परिषद में कांग्रेस के सदस्यों की संख्या बढ़कर 39 हो गई है। BJP के पास 29 सदस्य हैं, जबकि JD(S) की संख्या सात से घटकर छह रह गई है। सदन में एक निर्दलीय सदस्य भी मौजूद है।चुनाव परिणामों को कांग्रेस के लिए राजनीतिक बढ़त के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि पार्टी ने न केवल अपनी मौजूदा सीटें बरकरार रखीं, बल्कि अतिरिक्त समर्थन जुटाकर पांचवीं सीट भी जीत ली। इससे राज्य की राजनीति में कांग्रेस की पकड़ और मजबूत हुई है।

AI से बनाया प्रश्नपत्र और उत्तर छापकर कर दिया वितरित, राजस्थान विश्वविद्यालय ने रद्द की परीक्षा

जयपुर, 18 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। राजस्थान विश्वविद्यालय ने को समाजशास्त्र विभाग के दूसरे सेमेस्टर की परीक्षा रद्द कर दी, जब छात्रों ने आरोप लगाया कि उन्हें ऐसा प्रश्नपत्र दिया गया था, जो कथित तौर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से तैयार किया गया था और उसमें प्रश्नों की जगह पहले से लिखे हुए उत्तर छपी हुई थी। पीजी स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज में 'इंडियन सोसाइटी' विषय की परीक्षा दोपहर तीन बजे से शाम छह बजे तक निर्धारित थी। छात्रों का कहना है कि प्रश्नपत्र हाथ में आते ही उन्हें पता चल गया कि उसमें न तो प्रश्न थे और न ही बहुविकल्पीय विकल्प।

परीक्षा में शामिल छात्र विकास कुमार बैरवा ने आरोप लगाया कि आपत्ति जताए जाने के बाद परीक्षा कक्ष में मौजूद अधिकारियों ने तत्काल प्रश्नपत्र वापस ले लिए. उन्होंने कहा, 'प्रशासन ने सभी प्रश्नपत्र वापस जमा करवा लिए और छात्रों से कहा कि इस मामले की चर्चा बाहर न करें। बाद में सिर्फ इतना बताया गया कि अब परीक्षा 27 जून को आयोजित की जाएगी।'घटना के बाद छात्रों का एक समूह विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन के बाहर एकत्र हुआ और पूरे मामले पर स्पष्टीकरण की मांग की

एनएसयूआई के पदाधिकारी मनीष मेघवंशी ने कहा, 'समाजशास्त्र विभाग के दूसरे सेमेस्टर की 'इंडियन सोसाइटी' परीक्षा मंगलवार को होनी थी। लेकिन परीक्षा शुरू होने से पहले ही छात्रों ने प्रश्नपत्र में गंभीर गड़बड़ियां देख लीं। जैसे ही प्रशासन को इसकी जानकारी मिली, प्रश्नपत्र वापस ले लिए गए और परीक्षा रद्द कर दी गई. छात्रों के लिए यह बेहद चौंकाने वाली बात है कि विश्वविद्यालय के प्रश्नपत्र कथित तौर पर एआई की मदद से तैयार किए जा रहे हैं।'

भारत के लिए AI का मतलब ऑल इंक्लूसिव तकनीक से बदल रहा देश–पीएम मोदी

नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। फ्रांस के पेरिस में आयोजित हो रहे यूरोप के सबसे बड़े स्टार्टअप और टेक्नोलॉजी उत्सव श्विवाटेक 2026श के 10वें संस्करण को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया। इस साल इस प्रतिष्ठित वैश्विक सम्मेलन में भारत श।ष् कंट्री पार्टनरश के रूप में शामिल हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि इस बड़े बदलाव के दौर में तकनीक

ऐसी होनी चाहिए जो हर किसी के काम आए। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को नए सिरे से परिभाषित करते हुए कहा कि भारत के लिए श।प्श का सीधा मतलब श्ऑल इंक्लूसिवश यानी सबका समावेश और सबका कल्याण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते को दोनों क्षेत्रों के भविष्य के लिए एक बड़ा मील का पत्थर बताया। पीएम मोदी ने कहा कि साल की शुरुआत में संपन्न हुआ यह ऐतिहासिक समझौता न केवल द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा, बल्कि दोनों अर्थव्यवस्थाओं में निवेश के नए रास्ते भी खोलेगा। यह टैलेंट (प्रतिभा), टेक्नोलॉजी (तकनीक) और टूरिज्म (पर्यटन) के आदान–प्रदान के लिए कई नए रास्ते तैयार करेगा। इस साल श्भारत–फ्रांस इनोवेशन वर्षश की शुरुआत के साथ फ्रांस एक बेहद महत्त्वपूर्ण पुल की भूमिका निभा रहा है, जो भारत और पूरे यूरोप के टेक इकोसिस्टम को एक–दूसरे के बेहद करीब ला रहा है।

'देवव्रत' हिन्दी दैनिक आजमगढ़

' लोक के सभी पदों पर '

दागी सौ–सौ वाद के,
पा राजा का प्यार ।
बोल रहे ललकार कर,
है मेरा अधिकार ।
लोक के सभी पदों पर ।
19 जून 2026

धीरू भाई का दो टूक

IPL 2027 का सीजन समय से पहले हो सकता है शुरू-BCCI

नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) आईपीएल 2027 का सीजन समय से पहले शुरू कराने पर विचार कर रहा है। बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि देश के अधिकांश हिस्सों में मई में पड़ने वाली भीषण गर्मी से बचने के लिए आईपीएल को अगले साल से 10 मार्च से 15 मई तक आयोजित करने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने हालांकि स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए मैचों की संख्या 74 ही रहेगी और इसे बढ़ाकर 94 नहीं किया जाएगा।

आमतौर पर आईपीएल का सीजन मार्च के आखिरी सप्ताह में शुरू होकर मई के आखिर तक चलता है। सैकिया का कहना है कि आईपीएल का सीजन समय से पहले होने से खिलाड़ियों और दर्शक दोनों के लिए लाभकारी होगा। सैकिया ने कहा, इस साल आईपीएल 28 मार्च को शुरू हुआ और 31 मई तक चला। हम इस पर चर्चा कर रहे हैं कि कि 15 मई के बाद टूर्नामेंट के अंतिम चरण में बारिश या मानसून से पहले के मौसम से व्यवधान पड़ने की आशंका बनी रहती है। इसके अलावा तब तक मौसम काफी गर्म हो जाता है जो न तो खिलाड़ियों के लिए और ना ही दर्शकों के लिए बहुत अनुकूल है। बीसीसीआई सचिव ने कहा कि मई के अंतिम पखवाड़े में बढ़ते तापमान से निपटने के लिए टूर्नामेंट को दो सप्ताह पहले शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा, बीसीसीआई के साथ–साथ हमारी आईपीएल संचालन परिषद में भी इस बात पर चर्चा चल रही है कि क्या हम टूर्नामेंट को मार्च के आखिर के बजाय थोड़ा पहले शुरू कर सकते हैं। अगले साल से हम इसे जल्दी शुरू करने का प्रयास करेंगे। मैंने अपने महाप्रबंधक (खेल विकास) (पूर्व तेज गेंदबाज एबी कुरुविला) को निर्देश दे दिया है कि वह ऐसा कार्यक्रम तैयार करें जिससे हम 10 मार्च तक टूर्नामेंट शुरू करके 15 मई तक समाप्त कर सकें। सैकिया ने कहा कि उन्हें आईपीएल मैचों के दौरान भारत के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में गर्मी को लेकर खिलाड़ियों के साथ–साथ प्रशंसकों से भी शिकायतें मिली हैं। उन्होंने कहा, मुझे प्रशंसकों के साथ–साथ खिलाड़ियों से भी बहुत सारी शिकायतें सुनने को मिल रही हैं, क्योंकि सभी खिलाड़ी इतनी गर्म परिस्थितियों में खेलने के आदी नहीं हैं। इसलिए हम इसे 15 मई तक समाप्त करना चाहते हैं। यह अब हमारा पहला लक्ष्य है। सैकिया ने इसके साथ कहा कि मैचों की संख्या बढ़ाना संभव नहीं है। उन्होंने कहा, फिलहाल यह संभव नहीं है क्योंकि हमें विभिन्न देशों से आने वाले खिलाड़ियों से संबंधित कई अन्य मामलों पर विचार करना होगा। बड़ी मुश्किलों के बाद हमें यह दो महीने की अवधि मिली है। दो महीने से आगे बढ़ाना बहुत मुश्किल होगा क्योंकि अन्य देशों को भी द्विपक्षीय मैच खेलने होते हैं। इसलिए इस समय मैचों की संख्या 74 से बढ़ाकर 94 करने के बारे में किसी तरह की चर्चा नहीं हो रही है आने वाले वर्षों में स्थिति क्या होगी यह मैं नहीं जानता, लेकिन फिलहाल मुझे मैचों की संख्या 74 से बढ़ाकर 94 करने की कोई संभावना नजर नहीं आती, क्योंकि इसके लिए न केवल भारत, बल्कि आईसीसी के अन्य क्रिकेट खेलने वाले देशों विशेष रूप से ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों के हितों को भी ध्यान में रखना होगा।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा यूपी बोर्ड हाईस्कूल परीक्षा अनुक्रमांक नं0–3747253 वर्ष 2010 का सर्टिफिकेट कहीं गुम हो गया है, काफी तलाश किया परन्तु कहीं नहीं मिला। वित्रेड राय पुत्र रमेश चन्द्र राय ग्राम गडौरा मझौरा, पोस्ट चकलालचन्द, तहसील सगडी, जनपद आजमगढ (उ.प्र.)

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम मोहम्मद आजिब खान (MOHAMMAD AZIB KHAN) था जिसे बदलकर मैंने मो. आजिब खान (MOHD AZIB KHAN) कर लिया है। भविष्य में मुझे **मो. आजिब खान (MOHD AZIB KHAN)** नाम से जाना, पहचाना जाए। मो. आजिब खान (MOHD AZIB KHAN) पुत्र मोहम्मद राशिद खान निवासी ग्राम व पोस्ट कटौली बुजुर्ग थाना देवगांव जनपद आजमगढ़।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं रीता यादव आर्मी नम्बर 15105077N नायक स्वर्गीय गोपाल यादव की शारीरिक रूप से दिव्यांग बेटी हूं। मेरे पिता जी के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम रीता के रूप में दर्ज है, जो गलत है। मेरा सही नाम रीता यादव है। रीता यादव, ग्राम रामपुर टिटिही, पोस्ट बसरिकापुर, तहसील व जिला बलिया, (यूपी)।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम रहमान अहमद था जिसे बदलकर मैंने अब्दुल रहमान कर लिया है। भविष्य में मुझे **अब्दुल रहमान** नाम से जाना, पहचाना जाए। अब्दुल रहमान पुत्र शमशुद्दीन निवासी ग्राम व पोस्ट बड़हरिया थाना निजामाबाद जनपद आजमगढ़।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शाखा निजामाबाद के ज्वाइंट खाता संख्या 11177483358, के पास बुक में हमारी पत्नी धर्मा देवी पत्नी राजाराम यादव का नाम दर्ज है। जबकि आधार कार्ड में उनका नाम धर्मी है। मैं बहलफ बयान करता हूं कि उक्त दोनों नाम एक ही व्यक्ति का है। जिन्हें धर्मा देवी उर्फ धर्मी नाम से जाना पहचाना माना जाय। राजाराम यादव ग्राम मैनपारपुर पोस्ट बड़ागॉव जिला आजमगढ़।

दयानन्द एंग्लो-वैदिक स्नातकोत्तर महाविद्यालय
(डी. ए. वी. पी.जी. कॉलेज)
आजमगढ़ उ0प्र0-276001
(सम्बद्ध-महाराजा सुहेल देव विश्वविद्यालय, आजमगढ़)

पत्रांक– 51/2026–27 दिनांक 18.06.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि डी०ए०वी०पी०जी०कालेज, आजमगढ़ में ई पुस्तकालय बनना है जिसमें **WPC / MDF / PLYWOOD/ HDHMR BOARD, MICA HARDWARE, FOAM CHAIR IN STEEL, ARMSTRONG BOARD,PVC PANEL LOUVERS, ALUMUNIUM CHANNEL+GLASS +TUFFEN GLASS, FLOOR MAT,** एवं टाईल्स **WIRE, SWITCH BOARD, SWITCH SOCKET, PANEL LIGHT, AC, 1,1.5 & TWO TON.** एवं उनसे सम्बन्धित अन्य सामग्री क्रय करने की आवश्यकता है, जिस हेतु मुहरबन्द अल्पकालिक निविदा आमंत्रित की जाती है। सामानों की विस्तृत सूची व मात्रा महाविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा है एवं कार्यालय से भी प्राप्त की जा सकती है। महाविद्यालय कार्यालय में निविदा प्राप्त कराने की अन्तिम तिथि, दिनांक 30.06.2026 समय अपराहन 2.00 बजे तक निर्धारित है। नियत समय के उपरान्त कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। इच्छुक आपूर्तिकर्ता अपने फर्म के न्यूनतम मूल्य की निविदा सील्ड लिफाफे में पंजीकृत डाक द्वारा भेंजे या कार्यालय में प्राप्त करायें। निविदा अन्तिम तिथि को 3.00 बजे, गठित समिति के सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी। सामानों की संख्या घट–बढ़ सकती है। किसी भी निविदा को बिना कारण बताये अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा। किसी कारण अन्तिम तिथि को अवकाश होने की दशा में अगले कार्य दिवस पर टेण्डर की कार्यवाही की जायेगी। किसी एक सामान की अथवा सभी सामानों की निविदा भरी जा सकती है।

प्रो.(प्रेमचन्द्र यादव)
प्राचार्य
डी.ए.वी.पी.जी. कालेज, आजमगढ़

(आनन्द प्रकाश श्रीवास्तव)
मंत्री
प्रबन्ध समिति

सूचना

सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सूचना दी जाती है की वाहन संख्या UP50DT8932 श्री आरिफ कुरैशी पुत्र कौशर अली निवासी लाहीडीह, सरायमीर, आजमगढ़, के नाम पंजीकृत है वित्तपोषक INDUSIND BANK LIMITED CFD 211, Saran Chambers II 5 Park Road Lucknow द्वारा फार्म 36 दिनांक 21–04–2026 इस कार्यालय में प्रस्तुत करते हुए अनुरोध किया गया है की चूँकि कर्जदार श्री आरिफ कुरैशी लोन की किस्ते जमा करने में असफल रहे है अतः उनके वित्तपोषक नाम से वाहन की नयी पंजीयन पुस्तिका जारी कर दी जाये वित्तपोषक के आवेदन के क्रम में फॉर्म 37 में प्रथम नोटिस संख्या 749/पंजीयन /2026 दिनांक 21.04.2026 द्वितीय नोटिस संख्या 930/पंजीयन /2026 दिनांक 20.05.2026 को पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित की गयी, जिसपर वाहनस्वामी द्वारा कोई जबाब नहीं दिया गया।

अतः समाचार पत्रों के माध्यम से इस अंतिम नोटिस दिनांक 21.05.2026 को समाचार पत्रों के माध्यम से श्री आरिफ कुरैशी पुत्र कौशर अली निवासी लाहीडीह, सरायमीर, आजमगढ़ को सूचित किया जाता है की यथानुसार सूचित होना सुनिश्चित करे अन्यथा की स्थिति में वित्तपोषक INDUSIND BANK LIMITED CFD 211, Saran Chambers II 5 Park Road Lucknow के नाम से नयी पंजीयन पुस्तिका जारी करने में यदि कोई आपत्ति हो तो इस नोटिस के प्रकाशित होने के एक सप्ताह के भीतर अधोहस्ताक्षरी के समक्ष उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। अन्यथा की दशा में समस्त उत्तरदायित्व आपका होगा।

सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी
(प्रशासन) आजमगढ़।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम मोहम्मद निजामुद्दीन जुलकदर था जिसे बदलकर मैंने निजामुद्दीन (NIJAMUDDIN) कर लिया है। भविष्य में मुझे **निजामुद्दीन (NIJAMUDDIN)** नाम से जाना, पहचाना जाए। निजामुद्दीन (NIJAMUDDIN) पुत्र जुलकदर निवासी ग्राम गौसपुर पोस्ट मोहनाठ थाना निजामाबाद जनपद आजमगढ़।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम मोहम्मद आफताब था जिसे बदलकर मैंने आफताब आलम कर लिया है। भविष्य में मुझे **आफताब आलम** नाम से जाना, पहचाना जाए। आफताब आलम पुत्र मतीउद्दीन निवासी ग्राम व पोस्ट छांऊ थाना गंभीरपुर जनपद आजमगढ़।

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) मेंहनगर, आजमगढ़
धारा 24 उप्रासं 2006 मौजा बघरा अव्वल
पतई बनाम गांवसभा

बनाम– मुखराज पुत्र रघुवीर 2. तेजबहादुर पुत्र दलसिंगार 3. केदार पुत्र रामधन 4. मुकेश पुत्र भगवानदास 5. सुदामी पत्नी बृजलाल 6. श्रवण पुत्र रामनरेश 7. शिवमूरत पुत्र मुनेसर 8. रामाश्रय 9. दूधनाथ पुत्रगण रामधनी 10. देवसरन पुत्र सल्टू 11. लालजी पुत्र मोती यादव साकिनान बघरा अव्वल परगना बेलहाबांस तहसील मेंहनगर जनपद आजमगढ़ 12. गांवसभा बजरिये प्रधान/अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम पंचायत विसइयां परगना बेलहाबांस तहसील मेंहनगर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 23 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 18 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत अपर जिलाधिकारी
(वित्त व राजस्व), आजमगढ़
वाद सं. डी 202315060004367
धारा 30 (2) उप्रासं 2006 मौजा कटघर नसरूल्लाह
शैलेश कुमार राय बनाम कुंवरनाथ आदि

बनाम– हरविन्दर पुत्र स्व. कल्पनाथ 2. भीमा पुत्र स्व. रामसिंह साकिनान चकमोजनी 3. रोहित 4. मोहित पुत्रगण स्व. उग्रसेन 5. शकुन्तला पत्नी स्व. उग्रसेन साकिनान बघारवा परगना देवगांव तहसील लालगंज जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 23 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 17 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सदर, आजमगढ़
मु.नं. टी 202615060113003/2026
धारा 38 उप्रासं 2006 मौजा लक्षिरामपुर
बृजनाथ सिंह बनाम उ.प्र. सरकार

बनाम– केदार 2. विवेकानन्द 3. अमरजीत 4. दयानन्द पुत्रगण राजाराम 5. वगेसरा कुंवर पत्नी राजाराम 6. सूखा पत्नी उदय नरायन साकिनान समेदा तहसील सदर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 20 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 09 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी निजामाबाद, आजमगढ़
धारा 24 उप्रासं 2006 मौजा श्रीकान्तपुर

उषा देवी पत्नी बिहारी साकिन श्रीकान्तपुर तप्पा फरिहा परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। —वादिनी

बनाम

गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत श्रीकान्तपुर तप्पा फरिहा परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़ 2. उ.प्र. सरकार बजरिये जिलाधिकारी महोदय आजमगढ़ 3. रमेश 4. राजेश 5. दिनेश पुत्रगण विशुन दयाल 6. रामताजी पत्नी विशुन दयाल 7. गुलशन पुत्र रामअचल नाबालिग उम्र करीब 9 वर्ष संरक्षिका माता आशा देवी पत्नी रामअचल 8. चरित्तर पुत्र किरकिट 9. रामभवन पुत्र पत्तर साकिन श्रीकान्तपुर तप्पा फरिहा परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़ 10. निर्मला देवी पत्नी त्रिलोकी साकिन नवापुरा हाल मुकाम श्रीकान्तपुर 11. चन्द्रपति पुत्र रामफेर 12. दुधई पुत्र दुखन्ती 13. प्रदीप 14. प्रमोद पुत्रगण रामफेर 15. भृगुनाथ पुत्र मुंशी 16. रोहित 17. विनोद पुत्रगण रामफेर 18. सूबेदार पुत्र दुखन्ती साकिनान श्रीकान्तपुर तप्पा फरिहा परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 30 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 18 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी निजामाबाद, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा टेकमलपुर

महेन्द्र पुत्र मुनीरिक साकिन टेकमलपुर तप्पा कोठा, परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। —वादी

बनाम

अमरनाथ 2. ईश्वर 3. नीरज 4. संजय पुत्रगण राजेन्द्र 5. फूलमती पत्नी राजेन्द्र साकिनान टेकमलपुर तप्पा कोठा परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़ 6. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत टेकमलपुर तप्पा कोठा परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 30 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी बूढ़नपुर, आजमगढ़
धारा 21/24 उप्रासं 2006 मौजा भीलमपुर छपरा
रणजीत बनाम नगर पंचायत बूढ़नपुर

बनाम– प्रमोद कुमार पुत्र सत्यदेव, रणजीत, रणविजय, रणधीर, सतेन्द्र पुत्रगण जोगेन्दर, मु. विद्यावती पत्नी जोगेन्दर, अजय, सुधीर, प्रद्युमन, प्रशान्त पुत्रगण राजेन्द्र प्रसाद, चन्द्रमौली पुत्र राजीव रन्जन, श्रीमती स्नेहलता पत्नी राजीव रन्जन, शिवाली, तताक्षी पुत्रीगण शरदेन्दु, श्रीमती निहारिका पत्नी शरदेन्दु साकिनान भीलमपुर छपरा परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —वादीगण

बनाम

नगर पंचायत बूढ़नपुर बजरिये अधिशासी अधिकारी बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादी

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 24 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 08 माह 05 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) बूढ़नपुर, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा भीखपुर

वन्दना पत्नी वीरेन्द्र 2. संगीता देवी पत्नी महेन्द्र साकिनान गोविन्दपुर परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —वादिनीगण

बनाम

हीरा पुत्र मुरली साकिन गोविन्दपुर 2. कंचन पत्नी संतोष कुमार साकिन रामपुर खास 3. रामदवर पुत्र ढोढ़ई साकिन हैदरपुर खास 4. संतोष कुमार पुत्र हरिकुमार साकिन रामपुर खास परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 5. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत भीखपुर परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 02 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 18 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी निजामाबाद, आजमगढ़
धारा 134 उप्रासं 2006 मौजा शेरवा
बसन्तलाल बनाम राजेन्द्र

बनाम– राजेन्द्र पुत्र वंशराज 2. मदनलाल पुत्र बलराज साकिनान शेरवां तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 30 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी मार्टिनगंज, आजमगढ़
धारा 38 (2) उप्रासं 2006 मौजा सकरामऊ
उज्ज्वला कुमारी बनाम सियामोती

बनाम–सियामोती पत्नी रामप्रसाद साकिन चौरा केराकत तहसील केराकत जनपद जौनपुर 2. विनोद कुमार 3. अरविन्द कुमार पुत्रगण देवदत्त साकिनान गौरा परगना सरेमू तहसील सदर जनपद जौनपुर 4. हरिशंकर पुत्र कुबेर साकिन सकरामऊ परगना देवगांव तहसील मार्टिनगंज जनपद आजमगढ़ 5. शान्ती देवी पत्नी छोटेलाल साकिन हरिहरपुर तहसील केराकत जनपद जौनपुर। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 01 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 17 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) निजामाबाद, आजमगढ़
धारा 24 उप्रासं 2006 मौजा फिरोजपुर
जयसिंह बनाम सीता

बनाम–शेषनाथ 2. रामनेत पुत्रगण रामेश्वर साकिनान फिरोजपुर 3. लालचन्द पुत्र रमेसर साकिन सरदहा 4. सुरेश पुत्र मूलचन्द साकिन फिरोजपुर परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 23 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 16 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा वास्ते पेश करने वजह इस अम्र के कि तजबीजसानी क्यों ना मंजूर होनी चाहिए।
(आर्डर 47 कायदा 4 मजमुआ जाविता दीवानी)
बअदालत उपजिलाधिकारी निजामाबाद, आजमगढ़
धारा 24 उप्रासं. 2006 मौजा चककाजी
प्यारेलाल बनाम ग्राम पंचायत आदि

बनाम–राजेन्द्र 2. लालचन्द 3. सुवाषचन्द 4. ओमप्रकाश पुत्रगण मेवा साकिन भेड़िया तहसील फूलपुर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

मुत्तिला हो कि ने इस अदालत में वास्ते तजबीजसानी मुसद्दिरह तारीख 00 माह 00 सन् 0000 ई0 मुकदमा मरकूमहवाला के दरख्वास्त गुजरानी है। तारीख 29 माह 06 सन् 2026 ई0 इसलिए मुकर्रर हुई है कि आप वजह जाहिर कीजिए कि इस मुकदमें फैंसला की तजबीजसानी क्यों न मंजूर होनी चाहिए।

आज बतारीख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 मेरे दस्तखत और मोहर अदालत से जारी किया जाय। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी निजामाबाद, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा घूरी चक
लालमती बनाम तरसू

बनाम– तरसू 2. वंशराज पुत्रगण हरिकरन 3. ललसू पुत्र बुधिराम साकिनान मोइया मकदूमपुर तप्पा फरिहा परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 29 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 16 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी निजामाबाद, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा मोइया मकदूमपुर
लालमती बनाम वंशराज

बनाम– वंशराज पुत्र हरिकरन 2. शीला पत्नी वंशराज 3. ललसू पुत्र बुधिराम साकिनान मोइया मकदूमपुर परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 29 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 16 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत अपर जिलाधिकारी प्रशासन, आजमगढ़
धारा 30 (2) उप्रासं 2006 मौजा भुइधरपुर
संजय आदि बनाम पारस आदि

बनाम– पारस पुत्र इन्द्रजीत 2. श्रीमती लालती पत्नी इन्द्रजीत साकिनान भुइधरपुर परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़ 2. संजय 4. सुबास 5. श्यामराज 6. मुन्नीलाल पुत्रगण विदेशी 7. श्रीमती धनदेई पत्नी स्व. विदेशी साकिनान रैसिंहपुर परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़ 8. जर्नादन पुत्र रामलखन साकिन हरैया परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़ 9. रामहित पुत्र रामधारी साकिन रैसिंहपुर 10. विद्या पुत्र भवर साकिन ददरा परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़ 11. गांवसभा बजरिये प्रधान/अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम पंचायत रैसिंहपुर परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 19 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 29 माह 05 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

संस्थापक :
स्मृतिशेष श्री ठाकुर प्रसाद यादव

सम्पादक :
श्री विजय कुमार यादव

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री विजय कुमार यादव के लिए स्वाभिमान प्रकाशन, शहीद द्वार (सिविल लाईन) आजमगढ़ से मुद्रित कराकर 'देवव्रत' हिन्दी दैनिक कार्यालय, 31 शहीद द्वार आजमगढ़–276001 से प्रकाशित।
पो.रजि.नं. : आ./एन.पी.–92
टेली फैक्स : 05462–297576
मोबाइल : 9415370246
RNI NO. 56765/92

ईपीएफ पर ब्याज दर लगातार तीसरे साल बरकरार

नई दिल्ली, 18 जून (देवव्रत संवाद)। देश के 7 करोड़ से ज्यादा नौकरीपेशा लोगों के ईपीएफ अकाउंट में जमा पैसे पर इस बार भी 8.25% की दर से ब्याज मिलेगा। मुताबिक, केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए इस ब्याज दर को आज 18 जून को मंजूरी दी है खास बात यह है कि ब्याज का यह पैसा इसी महीने आपके खाते में आ सकता है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने लगातार तीसरे साल ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है, जिससे नौकरीपेशा वर्ग को अपनी बचत पर पहले जितना ही फायदा मिलता रहेगा।

टाटा मोटर्स की गाड़ियां 1-जुलाई से महंगी होंगी

नई दिल्ली, 18 जून (देवव्रत संवाद)। टाटा मोटर्स ने अपने कॉमर्शियल व्हीकल्स की कीमतों में 2.5% तक की बढ़ोतरी का ऐलान किया है। नई दरें 1 जुलाई से लागू हो जाएंगी। चालू वित्त वर्ष 2026-27 में कंपनी की तरफ से कीमतों में की गई यह दूसरी बढ़ोतरी है कंपनी ने बताया कि कमोडिटी की बढ़ती कीमतों और अन्य इनपुट कॉस्ट के असर को कम करने के लिए यह कदम उठाना पड़ रहा है। कीमतों में यह इजाफा अलग-अलग मॉडल और वेरिएंट के आधार पर अलग-अलग होगा टाटा मोटर्स ने 18 जून को जारी एक बयान में कहा कि नई कीमतें 1 जुलाई से उसके पूरे कॉमर्शियल व्हीकल्स पोर्टफोलियो पर प्रभावी होंगी। कंपनी ने फिलहाल मॉडल के हिसाब से कीमतों में बदलाव का खुलासा नहीं किया है।

यूक्रेन ने रूस पर सबसे बड़ा ड्रोन अटैक किया

मॉस्को/कीव, 18 जून (एजेंसी/देवव्रत संवाद) यूक्रेन ने गुरुवार को रूस पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया। रूस के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, रातभर में करीब 1,000 ड्रोन और चार क्रूज मिसाइलों को मार गिराया गया। इनमें करीब 200 ड्रोन राजधानी मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा, रहम यह युद्ध नहीं चाहते थे, लेकिन अगर यूक्रेन जलेगा तो मॉस्को भी जलेगा।रबीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक हमले में दक्षिणी रोस्तोव क्षेत्र का एक ऑयल डिपो धमाके से तबाह हो गया। यहां मौजूद एक व्यक्ति की मौत हो गई। मॉस्को की कपोतन्या ऑयल रिफाइनरी पर भी हमला हुआ। विस्फोट के बाद ऑयल डिपो टैंक का ढक्कन कई मीटर ऊपर उछल गया और आसमान में काले धुएं के गुबार छा गए।रिपोर्ट्स के मुताबिक, पास के एक शॉपिंग सेंटर में भी आग लग गई। ड्रोन का मलबा गिरने से कुछ रिहायशी और व्यावसायिक इमारतों को नुकसान पहुंचा। कई ऊंची इमारतों को खाली कराया गया। हमले के बाद मॉस्को के हवाई अड्डों पर कुछ समय के लिए उड़ानों पर रोक लगाई गई।

दिल्ली में घरेलू कामगार की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 18 जून (देवव्रत संवाद)। पुलिस ने बताया कि गुरुवार को ईस्ट कैलाश के एक घर में 45 साल की घरेलू सहायिका की हत्या कर दी गई। यह घटना अमर कॉलोनी पुलिस स्टेशन के इलाके में हुई। मृतक महिला की पहचान मीना (45) के तौर पर हुई है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, जब अधिकारी मौके पर पहुँचे तो आरोपी, जो 50 साल के आसपास का व्यक्ति है, शव के पास ही मौजूद मिला। शुरुआती जाँच से पता चला है कि महिला पर पहले क्रिकेट बैट से वार किया गया और फिर चाकू से हमला किया गया। पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल किए गए दोनों हथियार बरामद कर लिए हैं। शुरूआती पूछताछ में आरोपी ने हमले की बात कबूल कर ली है और अभी उससे घटना के मकसद के बारे में पूछताछ की जा रही है कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। मामले की आगे की जाँच चल रही है और और जानकारी का इंतजार है एक अलग घटना में दिल्ली पुलिस ने नवजात बच्चों की गैर-कानूनी खरीद-फरोख्त में शामिल मानव तस्करी के एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में 12 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें गिरोह की कथित सरगना एक महिला भी शामिल है, जो खुद को डॉक्टर बताती थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, महिला एक नर्सिंग होम की मालकिन है और खुद को डॉक्टर बताती थी। हालांकि, पुलिस अभी उसकी शैक्षणिक और पेशेवर योग्यताओं की जांच कर रही है और अभी तक यह पुष्टि नहीं हुई है कि वह एक क्वालिफाइड मेडिकल प्रैक्टिशनर है या नहीं।

उमर अब्दुल्ला ने खीर भवानी मंदिर में की पूजा, कश्मीरी पंडितों को बेहतर व्यवस्थाओं का भरोसा

श्रीनगर, 18 जून (देवव्रत संवाद) जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को गांदरबल में खीर भवानी मंदिर का दौरा किया। उन्होंने वहां पूजा-अर्चना की और आने वाले खीर भवानी मेले की तैयारियों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री, जो गांदरबल निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि भी हैं, ने 22 जून को होने वाले मेले से पहले श्रद्धालुओं के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि 22 जून को खीर भवानी मेले का शुभ अवसर है। दुनिया भर से लोग यहां देवी के दर्शन करने और उनका आशीर्वाद लेने के लिए आएंगे। यहां के विधायक होने के नाते, मैं यह देखने आया हूं कि व्यवस्थाएं कैसी हैं, क्या तैयारियां की जा रही हैं और क्या काम अभी बाकी है।

संजय राउत के अपशब्दों का जवाब देना सही नहीं- किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, 18 जून (देवव्रत संवाद)।केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पार्टी में चल रहे संकट के बीच शिवसेना गुट के राज्यसभा सांसद संजय राउत की अपमानजनक टिप्पणियों पर कोई भी प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसी टिप्पणियों पर कोई प्रतिक्रिया देना उचित नहीं होगा। पत्रकारों से बात करते हुए रिजिजू ने कहा कि आप देख सकते हैं कि संसद में क्या होता है, मुझे अलग से कुछ कहने की जरूरत नहीं है। अगर हम संजय राउत की बातों का जवाब देते हैं, तो यह अच्छा नहीं लगेगा क्योंकि हर सांसद अपने चुनाव क्षेत्र के लिए अपने तरीके से सोचता और काम करता है।

योगी को खून से लिखा पत्र, अब कृष्ण जन्मभूमि के चढ़ावे पर सवाल!

मथुरा, 18 जून (देवव्रत संवाद)।राम मंदिर के चढ़ावे में कथित घोटालों के बीच मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की जांच की मांग की गई है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान-शाही ईदगाह मामले के पक्षकार दिनेश शर्मा फलाहारी ने गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए खून से पत्र लिखकर सीएम योगी से सीबीआई जांच की मांग की है। उनका आरोप है कि जिस तरह अयोध्या का मामला सामने आया है उसी तरह मथुरा श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर पिछले कई वर्षों से चढ़ावे का बंदर बांट किया जा रहा है। बता दें शाही ईदगाह प्रकरण के बाद सुर्खियों में आए फलाहारी कई बार खून से पत्र लिखकर सीएम योगी को भेज चुके हैं। सीएम योगी से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे हिंदुओं के गौरव माननीय मुख्यमंत्री योगी जी को अपने खून से पत्र लिखा ।

अंबेडकर महासभा परिसर को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करें, पूर्व अफसरों और बुद्धिजीवियों ने किया मांग

लखनऊ, 18 जून (देवव्रत संवाद)। उत्तर प्रदेश विधानसभा के सामने स्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर महासभा परिसर को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग तेज हो गई है। पूर्व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों, न्यायविदों, समाजसेवियों और बुद्धिजीवियों ने परिसर के अस्तित्व पर कथित खतरे को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए केंद्र और राज्य सरकार से इसके संरक्षण के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की है।

लोकभवन के पीछे एक निजी होटल में आयोजित बैठक में पूर्व मुख्य सचिव एवं पूर्व कुलपति डॉ. अनीस अंसारी, पूर्व सचिव भारत सरकार हरिश्चंद्र, पूर्व आईजी एस.आर. दारापुरी, पूर्व कुलपति प्रो. रूपरेखा वर्मा समेत अनेक वरिष्ठ व्यक्तियों ने भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि अंबेडकर महासभा परिसर केवल एक संस्थान नहीं बल्कि राष्ट्रीय विरासत का प्रतीक है, क्योंकि यहां बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का पवित्र अस्थि कलश स्थापित है।

बैठक में कहा गया कि परिसर में स्थापित 12 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा, बोधि वृक्ष, धम्म चक्र, बौद्ध स्तूप, पुस्तकालय और बुद्धिस्ट टेंपल देश की सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा हैं। इन संरचनाओं के अस्तित्व को समाप्त करने अथवा परिसर को स्थानांतरित करने की किसी भी कोशिश को सामाजिक न्याय और संविधान की मूल भावना के खिलाफ बताया गया।

वक्ताओं ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद-49 का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों की रक्षा करना राज्य का संवैधानिक दायित्व है। इसलिए सरकार को तत्काल इस परिसर को राष्ट्रीय ऐतिहासिक धरोहर और राष्ट्रीय स्मारक घोषित करना चाहिए।

बैठक में यह भी कहा गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं कई बार अंबेडकर महासभा परिसर पहुंचकर बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित कर चुके हैं तथा महापुरुषों की प्रतिमाओं के संरक्षण के लिए निर्देश भी दे चुके हैं। ऐसे में कुछ तत्वों द्वारा महासभा को स्थानांतरित किए जाने संबंधी फैलाए जा रहे कथित भ्रामक प्रचार पर रोक लगाने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन भेजकर अंबेडकर महासभा परिसर को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग की जाएगी।

वक्ताओं ने कहा कि इस स्थल पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व उपराष्ट्रपति के.आर. नारायणन, पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव, कल्याण सिंह, रामप्रकाश गुप्त और राजनाथ सिंह सहित अनेक प्रमुख हस्तियां श्रद्धांजलि अर्पित कर चुकी हैं, जिससे इसका राष्ट्रीय महत्व और अधिक बढ़ जाता है।

नीट यूजी परीक्षा : पारदर्शिता से समझौता नहीं-धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली, 18 जून (देवव्रत संवाद)।केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार (18 जून, 2026) को शिक्षा मंत्रालय, राज्य सरकारों, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (ठळअ) और उच्च शिक्षा संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों और पदाधिकारियों के साथ एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक का उद्देश्य 21 जून को होने वाली ठएएळ वत्रकी दोबारा परीक्षा की तैयारियों का जायजा लेना था। स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार, उच्च शिक्षा विभाग के सचिव विनीत जोशी और ठळअ के महानिदेशक अभिषेक सिंह भी बैठक में शामिल हुए।

बैठक को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने परीक्षा प्रक्रिया में ईमानदारी, पारदर्शिता और दक्षता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया और सभी संबंधित अधिकारियों को सतर्क और पूरी तरह से तैयार रहने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि दोबारा परीक्षा निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से आयोजित करने के लिए जरूरी इंतजाम किए जाएं।सभी स्तरों पर तालमेल के महत्व पर जोर देते हुए, मंत्री ने बताया कि मंत्रालय द्वारा नियुक्त अधिकारी सभी राज्यों में जाकर दोबारा परीक्षा की प्रक्रिया से जुड़ी गतिविधियों में तालमेल बिठाएंगे और ठळअ के उत्रकी अध्यक्षता वाले कमांड सेंटर को रिपोर्ट करेंगे। मंत्री ने राज्य सरकारों के नियुक्त नोडल अधिकारियों से कहा कि वे यह पक्का करें कि छात्रों को सभी जरूरी सुविधाएँ मिलें, ताकि वे बिना किसी तनाव के माहौल में दोबारा परीक्षा दे सकें।

भारत अब नक्सल-मुक्त, आंतरिक सुरक्षा की ऐतिहासिक जीत- नित्यानंद राय

नई दिल्ली, 18 जून (देवव्रत संवाद)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने गुरुवार को राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने की दिशा में भारत की बदलाव लाने वाली यात्रा पर प्रकाश डाला।गया के सर्किट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, मंत्री ने घोषणा की कि भारत ने सफलतापूर्वक नक्सलवाद को खत्म कर दिया है, जो आंतरिक सुरक्षा के लिए एक ऐतिहासिक जीत है।आंतरिक शांति के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर बात करते हुए, मंत्री राय ने कहा कि अप्रैल 2026 तक भारत पूरी तरह से नक्सलवाद-मुक्त हो गया है। राय ने बताया कि यह उपलब्धि उग्रवाद के खिलाफ लगातार अपनाई गई 'जीरो-टॉलरेंस' रणनीति का नतीजा है। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार की मजबूत राष्ट्रीय सुरक्षा नीति को देश की सैन्य क्षमताओं में अभूतपूर्व निवेश का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा कि भारत का रक्षा बजट ?2.5 लाख करोड़ से बढ़कर ?8 लाख करोड़ हो गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस निवेश से सेना को आधुनिक बनाने और देश में ही हथियार बनाने (स्वदेशी मैन्युफैक्चरिंग) को बढ़ावा मिला है, साथ ही देश बदलती वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हुआ है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत के बढ़ते प्रभाव का ज़िक्र करते हुए राय ने कहा कि दुनिया अब भारत को एक अहम फैसला लेने वाले देश के तौर पर देखती है।

अमेरिका-ईरान जंग खत्म, तय तारीख से एक दिन पहले समझौता

दोनों प्रेसिडेंट ने दस्तखत किए, ट्रम्प चिल्लाकर बोले- डील साइन

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 18 जून (एजेंसी/देवव्रत संवाद)। अमेरिका और ईरान के बीच जंग खत्म करने के लिए अंतरिम समझौते पर दस्तखत हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार रात को फ्रांस के वर्साय पैलेस में इससे जुड़े पर साइन किए। इस दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों मौजूद थे।

डील पर दस्तखत करने के बाद ट्रम्प वर्साय पैलेस से बाहर आए।इस दौरान किसी रिपोर्टर ने उनसे पीस डील को लेकर पूछा, तो उन्होंने चिल्लाते हुए कहा, डील साइन हो गई है।ट्रम्प के बाद ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने भी ईरान से इलेक्ट्रॉनिक दस्तखत किए। समझौते का ऐलान भारतीय समय के मुताबिक गुरुवार सुबह 5:30 बजे किया गया। यह तत्काल प्रभाव से लागू हो गया।इस समझौते के तहत ईरान और लेबनान में मिलिट्री एक्शन खत्म किया जाएगा। होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोला जाएगा और अमेरिका की नौसैनिक नाकेबंदी खत्म की जाएगी।

इस समझौते पर 19 जून को स्विटजरलैंड में जेनेवा के पास लूसर्न शहर में साइन होने थे, लेकिन निर्धारित कार्यक्रम से एक दिन पहले ही इस पर दस्तखत कर दिए गए। अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौते पर साइन होने के बाद होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही तेज हो गई है। सऊदी अरब के झंडे वाले तीन बड़े तेल टैंकर होर्मुज स्ट्रेट से गुजर चुके हैं। अल जजीरा के मुताबिक, इन सुपरटैंकरों में करीब 60 लाख बैरल कच्चा तेल भरा हुआ था।

साथ ही मरीनट्रैफिक के मुताबिक, फ्रांस के झंडे वाला एक टैंकर भी होर्मुज स्ट्रेट पार कर खाड़ी क्षेत्र से बाहर निकल गया है। कतर से भी छठत्रलेकर निकला एक टैंकर अब होर्मुज स्ट्रेट की ओर बढ़ रहा है।

मराइख नाम का यह टैंकर इसी महीने कतर में लोडिंग के बाद फरवरी से फारस की खाड़ी में फंसा हुआ था। इस जहाज का अगला पड़ाव पाकिस्तान का पोर्ट कासिम बताया जा रहा है।अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (क्एअ) का मानना है कि अगर मध्य पूर्व में शांति बनी रहती है, तो दुनिया में तेल की सप्लाई जरूरत से ज्यादा हो सकती है। इससे देशों को अपने तेल भंडार फिर से भरने का मौका मिलेगा।एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही सामान्य हो जाती है, तो तेल की कीमतें और नीचे आ सकती हैं। जंग शुरू होने से पहले फरवरी के आखिर में तेल करीब 70 डॉलर प्रति बैरल बिक रहा था, जबकि साल की शुरूआत में इसकी कीमत करीब 60 डॉलर प्रति बैरल थी।इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में अपनी तैनाती का नया नक्शा जारी किया है और साफ किया है कि फिलहाल वहां से सैनिक नहीं हटाए जाएंगे।मुताबिक, उसकी सुरक्षा तैनाती सीमा से लेकर लेबनान के अंदर करीब 10 किलोमीटर तक फैली हुई है। सेना ने कहा कि उसके जवान तय किए गए इलाकों में मौजूद रहेंगे और इजराइल के उत्तरी हिस्से के लोगों की सुरक्षा के लिए संभावित खतरों को खत्म करने का काम जारी रखेंगे।

पीओके में पाक सेना के खिलाफ बगावत, रावलकोट में कर्फ्यू जैसे हालात

श्रीनगर, 18 जून (एजेंसी/देवव्रत संवाद)। जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी ने दावा किया है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर का रावलकोट शहर पिछले 11 दिनों से ₹कर्फ़्यू जैसे हालात₹ में है, जबकि पूरे 10 दिनों से शटडाउन और चक्का-जाम हड़ताल चल रही है। एक्स पर शेयर की गई एक पोस्ट में ने बताया कि रावलकोट के चारों ओर प्रदर्शनकारियों के शांतिपूर्ण धरने जारी हैं और रोजमर्रा की ज़िंदगी में बढ़ती पाबंदियों और रुकावटों के बावजूद स्थानीय लोग इस आंदोलन की मांगों का समर्थन कर रहे हैं। ग्रुप ने आरोप लगाया कि सुरक्षा बलों ने नीलम घाटी से काफिले में आ रहे शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई की। हालांकि, उन्होंने कहा कि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और इस कार्रवाई के बावजूद धरना-प्रदर्शन जारी रहा।समिति के अनुसार, अधिकारियों ने सोनू इलाके के पास भी पाबंदियां लगा दीं, जहां पंजाब पुलिस ने कथित तौर पर रात में नाकेबंदी की थी। प्रदर्शन के आयोजकों का दावा है कि यात्रियों को इस इलाके में दवाएं, खाने-पीने का सामान और अन्य जरूरी चीजें ले जाने से रोका गया। समूह द्वारा उद्धृत रिपोर्टों से पता चलता है कि कई वाहनों को रोका गया और उन्हें राहत सामग्री ले जाने की अनुमति नहीं दी गई। चल रही हड़ताल के कारण बाजार बंद हैं, सड़कें अवरुद्ध हैं।

राहुल गांधी ने 'छात्रों की गूंज' अभियान से जुड़ने की अपील

नई दिल्ली, 18 जून (देवव्रत संवाद)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को छात्रों और नौकरी चाहने वालों से हाल ही में शुरू किए गए 'छात्रों की गूंज' अभियान से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस पहल का मकसद शिक्षा, परीक्षाओं और रोजगार से जुड़े उनके मुद्दों को सीधे सरकार तक पहुंचाना है। पर एक पोस्ट में गांधी ने हिंदी में लिखा कि अगर आपने पेपर लीक, परीक्षा में धोखाधड़ी या बहुत ज्यादा फीस का दर्द सहा है। अगर इस सिस्टम ने आपके सपने तोड़ दिए हैं। अगर आपके परिवार ने आपकी पढ़ाई में अपनी ज़िंदगी भर की कमाई लगा दी है। उन्होंने इस मुहिम को सिर्फ.एक मुहिम से कहीं ज्यादा बताया और इसे सरकार के सामने सस्ती शिक्षा, निष्पक्ष परीक्षाओं और सम्मानजनक रोजगार से जुड़ी माँगें उठाने का एक मंच कहा। गांधी ने सुझाव देकर और इससे जुड़ी याचिका पर हस्ताक्षर करके इसमें शामिल होने की अपील की और जोर देते हुए कहा कि आपका एक हस्ताक्षर इस लड़ाई को मजबूत करेगा। जितने ज्यादा नाम होंगे, आवाज उतनी ही बुलंद होगी। गांधी द्वारा शेयर की गई कैंपेन की जानकारी के अनुसार, प्रतिभागी अपनी जानकारी देकर, सुझाव शेयर करके और पिटीशन पर साइन करके इसमें शामिल हो सकते हैं।यह अभियान कांग्रेस पार्टी की उस व्यापक कोशिश का हिस्सा है जिसके तहत छात्रों और नौकरी चाहने वालों से जुड़े मुद्दों—जैसे परीक्षा से जुड़े विवाद, भर्ती में अनियमितताएं और पढ़ाई का खर्च—को उजागर किया जा रहा है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने पूछा- पूरा टेलीग्राम क्यों बैन किया

नई दिल्ली, 18 जून (देवव्रत संवाद)।सरकार ने दावा किया है कि टेलीग्राम का इस्तेमाल साइबर क्राइम, एग्जाम पेपर लीक, चाइल्ड पोर्नोग्राफी, आतंकवाद से जुड़े प्रचार और वित्तीय धोखाधड़ी के लिए किया जा रहा है। दिल्ली हाइकोर्ट में दिए हलफनामे में केंद्र ने बताया कि टेलीग्राम की गोपनीयता और गुमनामी बनाए रखने वाली विशेषताओं ने इसे आपराधियों का पसंदीदा नेटवर्क बना दिया है। गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस तेजस कारिया की बेंच टेलीग्राम की तरफ से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। जिसमें उसके खिलाफ लगाए गए अस्थायी प्रतिबंध को चुनौती दी गई थी।बेंच ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। साथ ही कहा है कि अगर किसी पक्ष को कोई बात रखनी है तो वह शाम 7 बजे तक जमा कर सकता है।दरअसल, भारत सरकार ने 21 जून को होने वाले ठएएळ रीएग्जाम से पहले टेलीग्राम चैनल पर अस्थायी बैन लगाया है। यह रोक 22 जून 2026 तक लागू रहेगी।एक अलग निर्देश में टेलीग्राम को 30 जून तक पहले भेजे गए मैसेज को एडिट करने की सुविधा बंद करने का भी निर्देश दिया गया है।टेलीग्राम में एक अकाउंट से 40 बॉट बनाए जा सकते हैं। व्हाट्सएप में हर यूजर की एक बॉट की सीमा है।

भाजपा के संपर्क में नहीं, राजभर का बयान हास्यास्पद-सनातन पांडे

नई दिल्ली, 18 जून (देवव्रत संवाद)। समाजवादी पार्टी (रढ) के सांसद सनातन पांडे ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के उन दावों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि रढ के कई सांसद भारतीय जनता पार्टी (इखढ) के संपर्क में हैं। उन्होंने इखढ को क्रूर लोगों की पार्टी बताया। मीडिया से बात करते हुए, पांडे ने पार्टी के अंदर मतभेद या पार्टी छोड़ने की योजना वाली खबरों को खारिज कर दिया और कहा कि हाल की बैठकों में सिर्फ. आने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा हुई।

मौर्य के दावों को कमतर आंकते हुए उन्होंने कहा कि मैंने इस बारे में (अखिलेश यादव से) कोई बातचीत नहीं की है। हम सिर्फ.5 अगस्त के कार्यक्रम की रणनीति और कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए मिले थे। उन्होंने मौजूदा सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए इखढ पर आरोप लगाया कि वह किसानों, युवाओं और गरीबों की समस्याओं के प्रति उदासीन है और गलत तरीकों से सत्ता में बने रहने को प्राथमिकता देती है।

पांडे ने कहा कि इखढ सरकार क्रूर लोगों की पार्टी है। उन्हें किसानों, युवाओं, गरीबों, लोकतंत्र या संविधान से कोई लेना-देना नहीं है। वे बस पार्टियों को तोड़कर सत्ता में बने रहना चाहते हैं। बीजेपी के कथित अवसरवाद पर अपनी बात को समझाने के लिए, पांडे ने पश्चिम बंगाल में नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया से जुड़े राजनीतिक घटनाक्रम का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि किसने सोचा होगा कि ठउढकजैसी राजनीतिक पार्टी, जिसे विधानसभा चुनावों में सिर्फ 800 वोट मिले थे।

दुनिया के 7 खूबसूरत एयरपोर्ट्स की सूची में दो भारतीय

मुंबई, 18 जून (देवव्रत संवाद)। अंतरराष्ट्रीय डिजाइन पुरस्कार प्री वर्साय 2026 द्वारा जारी दुनिया के 7 सबसे खूबसूरत हवाई अड्डों की सूची में भारत के दो एयरपोर्ट्स ने भी जगह बनाई है। इस सूची में भारत का नवी मुंबई और गुवाहाटी एयरपोर्ट शामिल है।एक्सपर्ट्स के मुताबिक एयरपोर्ट्स का चयन केवल सुंदरता के आधार पर नहीं, बल्कि नवाचार, यात्री अनुभव, पर्यावरणीय दृष्टिकोण और स्थानीय सांस्कृतिक पहचान को ध्यान में रखकर किया गया है। इस सूची में शामिल दोनों भारतीय एयरपोर्ट्स ने पारंपरिक भारतीय तत्वों को आधुनिक वास्तुकला के साथ जोड़कर वैश्विक पहचान बनाई है।दुनिया के सबसे खूबसूरत एयरपोर्ट्स की इस सूची में चीन के ग्वांगझोउ बाययुन इंटरनेशनल एयरपोर्ट का टर्मिनल 3, जर्मनी के फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट का टर्मिनल 3, कंबोडिया का टेको इंटरनेशनल एयरपोर्ट, अमेरिका के सैन डिएगो इंटरनेशनल एयरपोर्ट का टर्मिनल 1, और अमेरिका का ही पिट्सबर्ग इंटरनेशनल एयरपोर्ट शामिल है। जानते हैं प्रमुख 3 एयरपोर्ट के बारे मेंङ्ग

ग्वांगझोउ एयरपोर्ट का टर्मिनल-3 अपनी फूलों जैसी छत और विशाल हरित क्षेत्रों के लिए चर्चित है। करीब 10,000 वर्ग मीटर में फैले इनडोर और आउटडोर गार्डन यात्रियों को प्रकृति के बीच होने का एहसास कराते हैं।नवी मुंबई एयरपोर्ट के डिजाइन में भारतीय संस्कृति के प्रतीक कमल की झलक दिखाई देती है। हरे-भरे खुले क्षेत्र, प्राकृतिक रोशनी और आधुनिक सुविधाओं के साथ यह एयरपोर्ट भारतीय वास्तुकला की नई पहचान बनकर उभरा है।

दुनियाभर में रिकॉर्ड 1.65 लाख करोड़पति देश छोड़ेंगे

यूएई-सिंगापुर पहली पसंद; अमेरिकी सबसे ज्यादा माइग्रेट हो रहे, वेल्थ हब में भारत का स्कोर 56.5

मुंबई, 18 जून (देवव्रत संवाद)। हेनली प्राइवेट वेल्थ माइग्रेशन रिपोर्ट 2026 के मुताबिक, इस साल रिकॉर्ड 1.65 लाख करोड़पति अपना देश छोड़कर दूसरे देशों का रुख करने (माइग्रेट) वाले हैं। पिछले साल करीब 1.42 लाख करोड़पतियों ने देश छोड़ा था।2024 में यह आंकड़ा 1.34 लाख, जबकि 2013 में 51 हजार था। अमीर परिवार अब सिर्फ टैक्स छूट नहीं, बल्कि स्थिरता, सुरक्षा और बेहतर निवेश के लिए भी दूसरे देश जा रहे हैं। यूएई 85.3 स्कोर के साथ सबसे पसंदीदा ह्यवेल्थ हबह्ण है। भारत का स्कोर 56.5 है।अमेरिका का वेल्थ मोबिलिटी स्कोर सिर्फ 62.3 है। यहां से सबसे ज्यादा लोग अन्य देशों की नागरिकता मांगते हैं। 2025 में ऐसे आवेदन दोगुने हुए और यह रफ्तार 2026 में भी बनी रही। सिर्फ 7%

आवेदन विदेश में बसे अमेरिकियों से आए, बाकी देश में रह रहे अमीरों से। इनमें से आधे यूरोप के लिए और एक चौथाई से ज्यादा लैटिन अमेरिका-कैरिबियन के लिए हैं।2024-25 में ब्रिटेन के पते से आवेदन 15% बढ़े। 2026 में वहां से 53% आवेदन विदेशी नागरिकों के, यानी ब्रिटिश नागरिकों की हिस्सेदारी लगभग आधी रही। 2018 में यह हिस्सेदारी सिर्फ 8% थी। 2018 में ब्रिटेन 20वां सबसे बड़ा सोर्स मार्केट था। अब टॉप 5 में है।भारतः दूसरी नागरिकता एस्टेट प्लानिंग का हिस्सा

भारत का वेल्थ मोबिलिटी स्कोर स्कोर 56.5 है।यह ढांचागत चुनौतियों वाली श्रेणी में आता है। इसकी सबसे बड़ी वजह पूंजी पर चुनिंदा लोगों का नियंत्रण और टैक्स को लेकर जटिल नियम हैं। अमीर भारतीय परिवारों के लिए दूसरा निवास या नागरिकता अब एस्टेट प्लानिंग और टैक्स स्ट्रक्चरिंग जैसे फैसलों का हिस्सा बन रही है। शिक्षा, बिजनेस विस्तार और सक्सेशन प्लानिंग इनमें शामिल हैं।यूएई का स्कोर सबसे ऊंचा 85.3 है। ज्यादातर मांग प्रवासी कारोबारियों की है, जो यूएई को आधार बनाकर दूसरे विकल्प तलाश रहे। ये अमीर यूएई को एक प्लेटफॉर्म की तरह इस्तेमाल करना चाहते हैं।

निवेश-नागरिकता आवेदनों में करीब आधे पुर्तगाल, इटली, नीदरलैंड्स, साइप्रस जैसे यूरोपीय देशों के लिए हैं। स्पेन का गोल्डन वीसा बंद होने, पुर्तगाल का रियल एस्टेट रूट हटने से ग्रीस को सीधा फायदा हो रहा है।

भारत-ब्रिटेन में ये अब तक का सबसे तेज समझौता-लिंडी कैमरन

नई दिल्ली, 18 जून (देवव्रत संवाद)।भारत में ब्रिटिश हाई कमिश्नर लिंडी कैमरन ने गुरुवार को भारत-यूके कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक एंड ट्रेड एग्रीमेंट (को ऐतिहासिक बताया। यह समझौता 15 जुलाई, 2026 से लागू होगा और इसे दोनों देशों के आर्थिक फायदे के लिए एक मौके के तौर पर देखा जा रहा है। ऋ7 समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूके के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के बीच हुई अहम बातचीत के बाद घोषित इस समझौते का लक्ष्य 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुना करके \$100-\$120 बिलियन तक पहुँचाना है। एएनआई से बात करते हुए, हाई कमिश्नर ने जोर देकर कहा कि समझौते पर हस्ताक्षर होने के एक साल से भी कम समय में यह लागू हो जाएगा, और इसे दोनों देशों द्वारा लागू किया गया ₹सबसे तेजी से होने वाला व्यापार समझौता₹ बताया।

नियम कानून बना देना ही काफी नहीं उसका सख्ती से पालन कराना होगा

भारत में छोटे-मोटे रोगों के उपचार के लिये मेडिकल स्टोर से दवा लेकर खाने की लोगों में आदत पायी जाती है। यह जाने बगैर कि घरेलू नीम-हकीमी जान को खतरे में भी डाल सकती है। भारत तथा कई अन्य देशों में देश में बने सिरप के सेवन से बच्चों की मृत्यु से दवा उद्योग पर आंच आई थी। यही वजह है कि खांसी व अन्य दवाओं के सिरप की बिना डॉक्टर की पर्ची के बिक्री पर रोक लगाने का फैसला सरकार को लेना पड़ा है। निश्चय ही केंद्र सरकार द्वारा यह फैसला सही समय पर लिया गया जरूरी कदम कहा जा सकता है। निस्संदेह, सरकार के इस कदम को सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ी सुरक्षा को मजबूत करने की बड़ी कोशिश का हिस्सा माना जाना चाहिए। हाल की कुछ दुखद घटनाओं के घातक परिणामों के मद्देनजर लोगों को हर खांसी-जुकाम आदि छोटे-मोटे रोगों के लिये खुद दवा लेने की आदत से परहेज करना चाहिए। दरअसल, भारत में लंबे समय से ऐसी धारणा रही है कि ये सिरप आदि दवाइयां मौसमी बीमारियों के लिये नुकसान-रहित होती हैं। लेकिन पिछले कुछ समय में हुई दुखद घटनाओं ने इनके अंधाधुंध प्रयोग और दवा निर्माण से जुड़े कमजोर नियमन को ही उजागर किया है। सरकार को ये कदम अनेक दुखद घटनाओं के सामने आने के बाद उठाना पड़ा है, जब इन दवाओं के उत्पादन में गंभीर खामियां सामने आईं। कुछ समय पहले अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आरोप लगाए गए थे कि गैम्बिया, उज्बेकिस्तान और कैमरून आदि देशों में दर्जनों बच्चों की मौत भारत में बने दूषित खांसी के सिरप के उपयोग से हुई थी। इतना ही नहीं, देश के भीतर भी दूषित दवाओं से जुड़ी मौतों की खबरों ने इन सिरपों की गुणवत्ता नियमन, परीक्षण और निगरानी पर गाहे-बगाहे सवाल उठाए हैं। निश्चित रूप से इन दुखद घटनाओं ने दुनिया भर में सस्ती दवाओं की आपूर्ति करने वाले भारत की प्रतिष्ठा को नुकसान ही पहुंचाया है। सरकार की हालिया पहल को इसी दिशा में उठाया गए कदम के रूप में देखना चाहिए।

लेकिन सवाल सिर्फ कफ सिरप का ही नहीं है। आम भारतीयों की आदत में शुमार है कि लोग अक्सर खांसी-बुखार की दवाइयां यह जाने बगैर सेवन करते हैं कि उनमें क्या-क्या मिला है। यह भी कि इनके उपयोग से हमारे शरीर में क्या-क्या साइड-इफेक्ट हो सकते हैं। यह भी जानने की कोशिश नहीं होती है कि इन सिरप आदि को अन्य दवाओं के साथ लेने से क्या-क्या नकारात्मक प्रतिक्रिया हमारे शरीर में हो सकती है। बहरहाल, अब जब सरकार ने तय कर दिया है कि अनुभवी डॉक्टर की सलाह से ही सिरप आदि खरीदे जा सकते हैं तो मरीजों के तिमारदार तय कर सकेंगे कि किस कंपनी की गुण ?वत्ता वाली दवा खरीदनी है। जिससे न केवल इलाज सही हो सकेगा बल्कि यह भी सुनिश्चित हो सकेगा कि मरीज के शरीर में कोई अन्य बीमारी छूट न जाए। लेकिन हकीकत यह भी है कि सिर्फ कठोर कानून बनाने मात्र से ही बेहतर परिणाम हासिल नहीं किए जा सकते हैं। भारत में पहले से ही दवाइयों की बिक्री के नियमन से जुड़े कानूनों की कमी नहीं है। इसके बावजूद डॉक्टर की पर्ची पर ही उपलब्ध होने वाली दवाइयां अक्सर बिना पर्याप्त जांच-पड़ताल के ही आसानी से मेडिकल स्टोरों में मिल जाया करती हैं। दरअसल, असली चुनौती कानून का अनुपालन सख्ती से करने की होती है। जब तक देश में तमाम फार्मेसियों की नियमित जांच नहीं होती, कानून का उल्लंघन करने पर कड़े दंड का प्रावधान नहीं होता, तब नये नियम-कानून महज अच्छे इरादे वाले निर्देश मात्र बनकर रह जाएंगे। ऐसे में इस प्रयास का जमीनी असर बेहद कम ही रह पायेगा। वास्तव में देश में दवा उत्पादक इकाइयों की नियमित निगरानी, राज्यों में सशक्त ड्रग-कंट्रोल अथॉरिटी, नियमित गुणवत्ता जांच के अलावा जन चेतना अभियान चलाने की सख्त जरूरत है। लोगों को बिना डॉक्टर के परामर्श के दवा लेने के खतरों से अवगत कराना होगा।

राहुल गांधी की कोटा रैली के निहितार्थ सबसे अलग

• राकेश अचल

राजस्थान के कोटा में आयोजित ₹छात्रों की गूंज₹ रैली मेंराहुल गांधी ने ने मुख्य रूप से शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा-पत्र लीक, भर्ती प्रक्रियाओं और युवाओं के भविष्य का मुद्दा उठाया.

उन्होंने कहा कि भारत की मौजूदा शिक्षा व्यवस्था बच्चों और युवाओं पर इतना दबाव डालती है कि वह उन्हें ₹कुचलर₹ देती है. उन्होंने शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की आवश्यकता बताई। नीट, जेईई, यूपी एससी सहित विभिन्न परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों, पेपर लीक और भर्ती में देरी को युवाओं के सपनों पर हमला बताया.

उन्होंने कहा कि युवाओं का भविष्य सुरक्षित करना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन वर्तमान सरकार इस जिम्मेदारी को निभाने में विफल रही है ।मंच पर छात्रों और अभिभावकों को भी बुलाया गया, जिन्होंने परीक्षा और रोजगार संबंधी समस्याओं के अपने अनुभव साझा किए.

राहुल गांधी ने युवाओं से संगठित होकर अपनी आवाज बुलंद करने का आह्वान किया और कहा कि यह अभियान कोटा से शुरू होकर देशभर में जाएगा.राहुल गांधी का पूरा भाषण शिक्षा, पेपर लीक, बेरोजगारी और छात्रों के मानसिक दबाव के इर्द-गिर्द केंद्रित रहा.उन्होंने इसे राजनीतिक मुद्दे से अधिक युवाओं के भविष्य का सवाल बताया.

राहुल गांधी की कोटा रैली को केवल एक छात्र सभा मानना भूल होगी। इसके राजनीतिक निहितार्थ कहीं बड़े हैं.कांग्रेस को क्या फायदा हो सकता है? क्योंकि युवा मतदाताओं से सीधा संवाद

कांग्रेस लंबे समय से बेरोजगारी और पेपर लीक को मुद्दा बना रही है.कोटा देश की कोचिंग राजधानी है। यहां से उठाई गई आवाज राष्ट्रीय बहस बन सकती है.नीट, जेईई भर्ती परीक्षाओं से जुड़े लाखों परिवारों तक संदेश पहुंचता है.

आपने ध्यान दिया हो तो आप जान कते है किराहुल गांधी ने पिछले कुछ वर्षों में किसान, दलित, आदिवासी और बेरोजगार युवाओं के मुद्दों पर लगातार बोलने की कोशिश की है.कोटा रैली उसी श्रृंखला का विस्तार है, जिससे वे स्वयं को युवाओं के प्रतिनिधि के रूप में स्थापित करना चाहते हैं.

पेपर लीक और भर्ती में देरी ऐसे मुद्दे हैं जिन पर सरकार के लिए जवाब देना आसान नहीं होता.कांग्रेस इन्हें ₹सिस्टम की विफलता₹ के रूप में पेश करेगी.कांग्रेस के सामने चुनौती

मुद्दे को वोट में बदलने की है.बेरोजगारी और पेपर लीक पर नाराजगी तो है, लेकिन हर नाराजगी वोट में नहीं बदलती.

कांग्रेस को आंदोलन को निरंतर बनाए रखना होगा।विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत करना होगा.केवल सरकार की आलोचना पर्याप्त नहीं है ।युवाओं को यह भी बताना होगा कि कांग्रेस सत्ता में आने पर क्या अलग करेगी.

समस्या ये है कि कई राज्यों में कांग्रेस का संगठन कमजोर है.

राष्ट्रीय मुद्दा उठाने के बाद उसे बूथ स्तर तक पहुंचाना चुनौती है. भाजपा इस रैली को राजनीतिक नौटंकी बताने की कोशिश कर सकती है.केंद्र और राज्यों की रोजगार योजनाओं, स्टार्टअप, कौशल विकास और सरकारी भर्तियों के आंकड़े सामने रख सकती है.कांग्रेस के शासनकाल के रिकॉर्ड पर भी सवाल उठा सकती है. कोटा रैली से तुरंत कोई राजनीतिक चमत्कार होने वाला नहीं है, लेकिन यह साफ है कि राहुल गांधी ने 2027-28 की राजनीति के लिए ₹युवा असंतोष₹ को एक केंद्रीय मुद्दा बनाने की शुरूआत कर दी है.यदि बेरोजगारी, पेपर लीक और भर्ती की समस्याएं बनी रहीं, तो यह कांग्रेस के लिए एक प्रभावी राजनीतिक हथियार बन सकता है. आपातकाल के बाद भारत में छात्र समग्र क्रांति का सूत्रधार बनकर दिखा चुके हैं.2014 में सत्ता परिवर्तन के पीछे भी छात्र, युवा ही सबसे ज्यादा सक्रिय थे.लेकिन यदि सरकार इन मुद्दों पर ठोस सुधार दिखाने में सफल रही, तो इस अभियान की धार कमजोर पड़ सकती है.

डांसिंग गर्ल : जिसे ढककर हम खुद को उजागर कर बैठे

• प्रो. आरके जैन अरिजीत

इतिहास बदलने के लिए बड़े फैसलों की जरूरत नहीं होती; कभी-कभी एक छोटी-सी शेडिंग ही काफी है। सिंधु घाटी सभ्यता की कांस्य प्रतिमा ₹डांसिंग गर्ल₹ आज इसी कारण विवाद में है। मोहनजोदड़ो से प्राप्त लगभग 4500 वर्ष पुरानी (2500-2300 ईसा पूर्व) यह प्रतिमा भारतीय पुरातत्व की महत्वपूर्ण धरोहरों में गिनी जाती है। एक हाथ कमर पर रखे आत्मविश्वास से खड़ी यह किशोरी केवल कलाकृति नहीं, बल्कि उस सभ्यता की सहजता, कलाबोध और आत्मविश्वास का प्रमाण है। हाल ही में एनसीईआरटी की कक्षा 9 की कला शिक्षा पुस्तक ह्यमधुरिमाह्न में उसके नग्न धड़ को शेडिंग से ढक दिया गया। मामूली दिखने वाला यह बदलाव राष्ट्रीय बहस का विषय बन गया। सवाल प्रतिमा का नहीं, उस दृष्टि का है जिससे हम अपने अतीत को देख रहे हैं। क्या हम इतिहास को उसके वास्तविक रूप में स्वीकार कर रहे हैं, या उसे अपने समय की नैतिक कसौटियों के अनुरूप बदल रहे हैं?

डांसिंग गर्ल केवल प्रतिमा नहीं, एक सभ्यता का आत्मविश्वास है। लॉस्ट-वैक्स तकनीक से बनी यह 10.5 सेंटीमीटर कांस्य मूर्ति दिखाती है कि सिंधु सभ्यता धातु-कला, सौंदर्य-बोध और रचनात्मकता में कितनी विकसित थी। उसकी मुद्रा उस समाज की सहजता का प्रमाण है, जहाँ शरीर संकोच का विषय नहीं था। दशकों तक यह प्रतिमा एनसीईआरटी की पुस्तकों में बिना बदलाव प्रकाशित होती रही और लाखों विद्यार्थियों ने इसे इतिहास के प्रमाण के रूप में देखा। ऐसे में अचानक इसे ₹उम्र के अनुकूल₹ बनाने की जरूरत क्यों महसूस हुई? क्या इतिहास को इतिहास की तरह दिखाना अब पर्याप्त नहीं है? यह बदलाव केवल चित्र का नहीं, बल्कि उस सोच का है जो अतीत को उसकी वास्तविकता से नहीं, बल्कि वर्तमान की असहजताओं से परिभाषित करती है।

यह बदलाव केवल संपादन नहीं, इतिहास की पुनर्रचना जैसा है। इतिहासकार मिशेल डैनिनो ने इसकी कड़ी आलोचना करते हुए इसे ₹सेंसरशिप₹ और ₹फर्जी कलाकृति₹ का निर्माण बताया। उनका तर्क था कि किसी ऐतिहासिक वस्तु का मूल रूप बदलने पर विद्यार्थी वास्तविक इतिहास नहीं, बल्कि उसका संपादित संस्करण देखते हैं—यह बौद्धिक अन्याय है। उन्होंने इसे प्राचीन भारत पर विक्टोरियन नैतिकता थोपने की कोशिश भी कहा। विडंबना यह है कि जिस सभ्यता ने कला को सहज स्वीकार किया, उसके प्रतीकों पर आज कृत्रिम शालीनता लादी जा रही है। जबकि इतिहास का काम सुविधा के अनुसार बदलना नहीं, बल्कि असुविधाजनक सच्चाइयों से रूबरू कराना है।

यह विवाद भारतीय सांस्कृतिक परंपरा की समझ पर सवाल खड़ा करता है। खजुराहो के मंदिर, कोणार्क का सूर्य मंदिर, अजंता-एलोरा की चित्रकला और गुप्तकालीन मूर्तिशिल्प बताते हैं कि भारतीय कला में मानव शरीर सदैव सौंदर्य और अभिव्यक्ति का माध्यम रहा है। यहाँ नग्नता को अश्लीलता नहीं, बल्कि स्वाभाविकता, शक्ति, सृजन और सौंदर्य का प्रतीक माना गया। कामसूत्र की परंपरा वाली इस सभ्यता में यदि आज अपनी ही कलात्मक विरासत पर असहजता होने लगे, तो प्रश्न उठता है—बदल इतिहास रहा है या हमारी दृष्टि? डांसिंग गर्ल की नग्नता अश्लीलता नहीं, उस युग की सांस्कृतिक सहजता का प्रमाण है। उसे ढकने का प्रयास उस समझ को ढकने जैसा है, जिसने उस कला को जन्म दिया था।

इस विवाद की एक और परत भीतर का विरोधाभास खोलती है। एनसीईआरटी की कक्षा 6 की सामाजिक विज्ञान पुस्तक में यही प्रतिमा अपने मूल रूप में है, जबकि कक्षा 9 की कला शिक्षा पुस्तक में उसका संशोधित रूप दिखाया गया है। एक ही संस्था की दो पुस्तकों में एक ही ऐतिहासिक वस्तु के दो अलग-अलग रूप शिक्षा की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठाते हैं। क्या हम छात्रों को इतिहास पढ़ा रहे हैं या उसे अपने वर्तमान मानकों के अनुसार ढाल रहे हैं? यह केवल एक चित्र का मामला नहीं, बल्कि उस प्रवृत्ति का संकेत है जहाँ पाठ्यक्रम संशोधन के नाम पर इतिहास और पुरातत्व पर वैचारिक दबाव दिखने लगता है। जब तथ्य बदलते हैं, तो शिक्षा का आधार कमजोर पड़ता है।

सांस्कृतिक संवेदनशीलता का तर्क नकारा नहीं जा सकता। कुछ अभिभावक और शिक्षक मानते हैं कि किशोर विद्यार्थियों के सामने नग्नता का प्रदर्शन सावधानी से होना चाहिए। लेकिन सवाल यह है—समाधान समझाना है या छिपाना? शिक्षा का दायित्व संदर्भ देना है, न कि तथ्य बदलना। यदि किसी कलाकृति में नग्नता है, तो छात्रों को बताया जा सकता है कि प्राचीन कला में उसका अर्थ आधुनिक दृष्टि से अलग था—वह शक्ति, सौंदर्य, स्वतंत्रता और स्वाभाविकता का प्रतीक भी हो सकती है। हर असहज तथ्य पर शेडिंग चढ़ाते रहेंगे तो अगली पीढ़ी इतिहास नहीं, उसका सुविधाजनक संस्करण पढ़ेगी। तब पाठ्यपुस्तकें दस्तावेज कम और कल्पना अधिक बन जाएँगी।

शिक्षा ंत्रालय के स्पष्टीकरण और सार्वजनिक आलोचना के बाद एनसीईआरटी ने मूल छवि बहाल करने का निर्णय लिया। डिजिटल संस्करण में तुरंत संशोधन हुआ और भविष्य की मुद्रित प्रतियों में भी मूल प्रतिमा प्रकाशित करने की घोषणा की गई। यह कदम स्वागत योग्य है, लेकिन सवाल छोड़ता है कि शुरूआत में यह परिवर्तन क्यों किया गया। यह निर्णय दिखाता है कि पाठ्यपुस्तकें अब केवल शैक्षणिक सामग्री नहीं, बल्कि वैचारिक संघर्ष का भी हिस्सा बन चुकी हैं। यह घटना याद दिलाती है कि संवेदनशीलता और सेंसरशिप की रेखा बहुत पतली है, और उसे पार करने पर संस्थाओं पर भरोसा कमजोर पड़ सकता है।

डांसिंग गर्ल विवाद किसी प्रतिमा का नहीं, हमारे आत्मविश्वास का है। राष्ट्रीय संग्रहालय में रखी यह डांसिंग गर्ल हर वर्ष असंख्य विद्यार्थी और पर्यटक देखते हैं, और कोई उसे अश्लीलता नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की उपलब्धि मानता है। यदि हम अपनी विरासत को उसके वास्तविक रूप में स्वीकार नहीं कर सकते, तो उसके गौरव पर गर्व भी अधूरा है। इतिहास को ढक देने से वह बदलता नहीं, केवल हमारी समझ सीमित होती है। पाठ्यपुस्तकें ज्ञान की खिड़कियाँ हैं, नैतिकता की दीवारें नहीं। डांसिंग गर्ल को उसकी पूर्ण वास्तविकता के साथ स्वीकार करना ही उस सभ्यता का सच्चा सम्मान है, जिसने हजारों वर्ष पहले आत्मविश्वास को कांस्य में ढाल दिया था।

शिक्षाविद्, बड़वानी (मप्र)
ईमेलः rtirkjain@gmail.com

सिने जगत

आलिया भट्ट ने बेटी राहा को बताया फिल्मी बोलीं- उसे डांस और गाने बहुत पसंद हैं

एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने हाल ही में अमृत रत्न समिट के दौरान अपने बचपन और बेटी राहा पर खुल कर बात की है। आलिया ने बताया कि बचपन से ही उन्हें एक्टिंग का शौक था और वह आईने के सामने घंटों परफॉर्मेंस दिया करती थीं। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि उनकी बेटी राहा भी जन्मजात परफॉर्मर है ।आलिया के मुताबिक, राहा काफी 'फिल्मी' है, उसे डांस करना और गाने सुनना बहुत पसंद है। राहा काफी तेजी से डांस स्टेप्स सीख लेती है और वह एक लीडर की तरह चीजों को समझती है।

आलिया ने बताया कि राहा अभी बहुत छोटी है, लेकिन वह अलग-अलग चीजों में अपनी रुचि दिखा रही है। वह न केवल डांस और म्यूजिक में दिलचस्पी रखती है, बल्कि स्पोर्ट्स गतिविधियों में भी काफी आगे है। आलिया ने कहा, 'राहा अभी अपनी चीजों को ऑब्जर्व कर रही है। वह आर्ट, डांस और स्पोर्ट्स जैसी कई गतिविधियों में हाथ आजमा रही है ।वह अपने तरीके से एक विचारक और लीडर है।' अभिनेत्री ने हंसी मजाक में यह भी कहा कि अगर मैं ऐसा कहूं तो गलत नहीं होगा कि राहा का भविष्य स्टेज के लिए ही बना है।

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की प्रेम कहानी फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' के सेट पर शुरू हुई थी। दोनों ने कई सालों तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद अप्रैल 2022 में शादी की। उसी साल नवंबर में राहा का जन्म हुआ। दिसंबर 2023 में क्रिसमस के मौके पर रणबीर और आलिया ने पहली बार राहा के साथ सार्वजनिक तौर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी ।आलिया भट्ट जल्द ही शिव रवैल द्वारा निर्देशित फिल्म 'अल्फा' में नजर आएंगी। गुरुवार को रिलीज हुए इस फिल्म के ट्रेलर में बॉबी देओल विलेन के रूप में दिखाई दिए हैं। ट्रेलर के अनुसार, बॉबी का किरदार बचपन में आलिया के पात्र को किडनैप कर उसे एक किलिंग मशीन की तरह तैयार करता है। इस फिल्म में शरवरी और अनिल कपूर भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है और 3 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ट्रेलर में ऋतिक रोशन के कैमियो की भी चर्चा जोरों पर है।

वर्क फ्रंट की बात करें तो आलिया भट्ट निर्देशक संजय लीला भंसाली की आगामी फिल्म 'लव एंड वॉर' में रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ काम करती नजर आएंगी। यह एक पीरियड रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। इसके अलावा, चर्चा है कि आलिया ने नाग अश्विन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल के सेट को जॉइन कर लिया है और उन्होंने कुछ सीन भी शूट किए हैं। हालांकि, मेकर्स की तरफ से अभी तक इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

एक रील बनाने के 76 लाख लेते हैं ओरी

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ओरी, जिनका असली नाम ओरहान अवत्रामानी है, लंबे समय से अपनी कमाई और प्रोफेशन को लेकर चर्चा में रहे हैं। अब उन्होंने खुद इस बात का खुलासा किया है कि वे पैसे कैसे कमाते हैं। एक पॉडकास्ट में ओरी ने बताया कि ब्रांड एंडोर्समेंट और स्पॉन्सर्ड कंटेंट उनकी कमाई का बड़ा जरिया है ।उन्होंने एक रील के लिए 76 लाख रुपए तक लेने की बात स्वीकार की है। इसके अलावा, ओरी प्राइवेट इवेंट्स में शामिल होने के लिए भी मोटी फीस वसूलते हैं। उन्होंने अपने बिजनेस मॉडल और पर्सनल फाइनेंस मैनेजमेंट से जुड़ी कई बातें साझा की हैं। ओरी को पहली बार अंबानी परिवार के कार्यक्रमों शामिल होकर चर्चा में आए थे ।ओरी ने के के क्रीऐशन के साथ अपने पॉडकास्ट में बताया कि कोई भी व्यक्ति उन्हें निजी कार्यक्रमों के लिए हायर कर सकता है। इसमें शादी, जन्मदिन, लंच या डिनर जैसे इवेंट्स शामिल हैं। ओरी के मुताबिक, इन इवेंट्स में शामिल होने के लिए वे 15 लाख से लेकर 25 लाख रुपए तक की फीस चार्ज करते हैं ।उन्होंने इसे 'खरीदे जा सकने वाले अनुभव' के रूप में परिभाषित किया। ओरी ने कहा कि इतने पैसे में वे उस व्यक्ति के साथ घुल-मिलकर रहेंगे, स्पीच देंगे और परिवार के साथ समय भी बिताएंगे ।पॉडकास्ट के दौरान ओरी ने अपने सिग्नेचर पोज का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि भारत में शाहरुख खान के अलावा केवल वही एक ऐसे व्यक्ति हैं, जो अपने सिग्नेचर पोज के लिए जाने जाते हैं।

ईरान-अमेरिका युद्धविराम : क्या यह पश्चिम एशिया में बदलते शक्ति संतुलन का संकेत है?

• जयप्रकाश नारायण

ईरान पर अमेरिकी-इजरायली संयुक्त हमले के लगभग चार महीने बाद युद्धविराम और संभावित समझौते की खबरों ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। वार्ता में शामिल पक्षों द्वारा संकेत दिया गया है कि कई प्रमुख मुद्दों पर सहमति बन चुकी है और समझौते को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है।

यदि यह समझौता सफल होता है, तो यह केवल एक युद्ध का अंत नहीं होगा, बल्कि पश्चिम एशिया की भू-राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक शक्ति संतुलन में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है।

अमेरिका और इजरायल ने इस अभियान के दौरान ईरान के परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय प्रभाव और राजनीतिक नेतृत्व को निशाना बनाया। युद्ध के शुरूआती चरण में ऐसा प्रतीत हुआ कि ईरान पर भारी दबाव बनाया जा चुका है और उसके रणनीतिक विकल्प सीमित हो गए हैं।

लेकिन समय के साथ स्थिति बदलती दिखाई दी। ईरान ने सैन्य, कूटनीतिक और आर्थिक स्तर पर प्रतिरोध जारी रखा और अंततः वार्ता की मेज तक पहुंचने में सफल रहा। यदि प्रस्तावित समझौते में ईरान की संप्रभुता, प्रतिबंधों में राहत और क्षेत्रीय भूमिका को स्वीकार किया जाता है, तो यह संकेत होगा कि युद्ध अपने मूल राजनीतिक उद्देश्यों को पूरी तरह हासिल नहीं कर सका। युद्ध के बाद पश्चिम एशिया का राजनीतिक वातावरण पहले जैसा नहीं रह गया है। खाड़ी क्षेत्र के कई देशों ने अपने सुरक्षा और विदेश नीति संबंधी दृष्टिकोण पर पुनर्विचार शुरू किया है।

लंबे समय तक अमेरिका को क्षेत्रीय सुरक्षा का प्रमुख संरक्षक माना जाता रहा, लेकिन हालिया घटनाओं ने यह प्रश्न खड़ा किया है कि क्या भविष्य में भी वही भूमिका कायम रह पाएगी। दूसरी ओर, ईरान ने खुद को क्षेत्रीय राजनीति के एक ऐसे केंद्र के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया है जिसे पूरी तरह अलग-थलग नहीं किया जा सकता। गाजा युद्ध और क्षेत्रीय संघर्षों के बाद खाड़ी देशों की राजनीति में भी परिवर्तन के संकेत दिखाई दे रहे हैं। पहले जहां कई देश इजरायल के साथ संबंध सामान्य करने की दिशा में बढ़ रहे थे, वहीं अब वे अधिक संतुलित नीति अपनाने की कोशिश कर रहे हैं।

क्षेत्रीय जनमत में भी बदलाव देखा जा रहा है। फिलिस्तीन के प्रश्न और क्षेत्रीय संघर्षों ने आम जनता की राजनीतिक चेतना को प्रभावित किया है। इससे भविष्य में पश्चिम एशिया की कूटनीतिक दिशा बदल सकती है।

इस संघर्ष का सबसे बड़ा प्रभाव वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ा। होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर जैसे समुद्री मार्गों की सुरक्षा अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बन गई। दुनिया के तेल और गैस व्यापार का बड़ा हिस्सा इन मार्गों से होकर गुजरता है ।इसलिए किसी भी सैन्य तनाव का सीधा असर ऊर्जा कीमतों, आपूर्ति श्रृंखला और आयातक देशों की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। भारत जैसे देशों के लिए भी यह स्थिति विशेष महत्व रखती है क्योंकि उनकी ऊर्जा निर्भरता का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से जुड़ा हुआ है।

युद्ध के दौरान डॉलर आधारित वैश्विक व्यापार व्यवस्था पर भी बहस तेज हुई। चीन, रूस और कुछ अन्य देशों द्वारा वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों तथा स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने के प्रयासों ने एक नई चर्चा को जन्म दिया है। हालांकि डॉलर अभी भी वैश्विक वित्तीय व्यवस्था की प्रमुख मुद्रा है, लेकिन बहुध्रुवीय आर्थिक व्यवस्था की ओर बढ़ते संकेतों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता ।इस पूरे घटनाक्रम में चीन और रूस की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। दोनों देशों ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने की कोशिश की। विशेष रूप से चीन ने आर्थिक और कूटनीतिक स्तर पर अपनी बढ़ती क्षमता का प्रदर्शन किया है। इससे यह धारणा मजबूत हुई है कि विश्व व्यवस्था धीरे-धीरे एकध्रुवीय ढांचे से बहुध्रुवीय संरचना की ओर बढ़ रही है।

यदि प्रस्तावित समझौता लागू होता है तो इसके प्रमुख परिणाम निम्न हो सकते हैं– - क्षेत्रीय तनाव में कमी। - आर्थिक प्रतिबंधों में राहत। - ऊर्जा आपूर्ति मार्गों का सामान्यीकरण। - पश्चिम एशिया में नए कूटनीतिक समीकरणों का निर्माण। - ईरान के साथ परमाणु कार्यक्रम पर आगे की वार्ता। हालांकि समझौते की वास्तविक सफलता उसके क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी ।ईरान-अमेरिका युद्धविराम केवल एक सैन्य संघर्ष का विराम नहीं है, बल्कि यह वैश्विक राजनीति के बदलते स्वरूप का संकेत भी हो सकता है। इस संघर्ष ने अमेरिका की शक्ति, इजरायल की क्षेत्रीय भूमिका, ईरान की रणनीतिक क्षमता तथा चीन और रूस की बढ़ती प्रभावशीलता पर नई बहस छेड़ दी है।

अभी अंतिम निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी, लेकिन इतना स्पष्ट है कि पश्चिम एशिया की राजनीति एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है और आने वाले वर्षों में इसका असर पूरी दुनिया की कूटनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था पर दिखाई देगा।

मंदिरों में अब फूल नहीं, कुछ अखबार भी चढ़ने चाहिए

मंदिरों में अब फूल नहीं,
कुछ अखबार भी चढ़ने चाहिए,
ताकि ईश्वर देख सकें
धरती का बदलता हुआ स्वरूप।

कहीं भूख अब भी प्रार्थना से बड़ी है,
कहीं युद्ध ने बच्चों के सपने निगल लिए हैं,
कहीं सच सुर्खियों में रो रहा है
और झूठ जयघोष बनकर घूम रहा है।

शायद ईश्वर सब जानते हों,
पर हम ही नहीं पढ़ पा रहे
उन खबरों को
जो इंसानियत के नाम लिखी गई हैं।

-राहुल आर्यन

आई टी आई रेवसा परिसर में विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 18 **जून (देवव्रत संवाद)**।भारत सरकार के सेवा सुशासन एवं जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दिनांक 05 जून से 21 जून 2026 तक संचालित समेकित जनकल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत जनपद चंदौली में जिला प्रशासन एवं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा आई टी आई परिसर रेवसा में दिनांक 17 से 20 जून 2026 तक विकास प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष काशी प्रांत महेश चंद्र श्रीवास्तव व विधायक चकिया कैलाश आचार्य,विधायक सैयदराजा सुशील सिंह बीजेपी जिलाध्यक्ष काशीनाथ सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं फीता काटकर किया गया।इस सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ,स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्रम भेंट कर स्वागत किया गया।जिलाधिकारी चन्द्र मोहन गर्ग के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन व सूचना एवं जनसंपर्क विभाग व जनपद के विभिन्न विभागों द्वारा विकास योजनाओं की लगाई गई प्रदर्शनी।प्रदर्शनी में युवा,महिला एवं गरीब कल्याण को समर्पित केंद्र एवं प्रदेश सरकार की प्रमुख उपलब्धियों का आकर्षक प्रदर्शन किया गया।साथ ही उत्तर प्रदेश की पहचान बन चुकी वृहद आधारभूत संरचना परियोजनाओं, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास तथा आंतरिक सुरक्षा के सुदृढ़ मॉडल को ह्यपहले और अबह्ण की थीम पर प्रदर्शित किया गया।कानून-व्यवस्था सुदृढ़ीकरण,महिला सुरक्षा,पुलिस आधुनिकीकरण, विकसित उत्तर प्रदेश-2047 विजन, हरित ऊर्जा, डिजिटल गवर्नेंस,औद्योगिक एवं तकनीकी विकास तथा आधुनिक कृषि

एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था से संबंधित विषयों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया।प्रदर्शनी स्थल पर प्रधानमंत्री के कटआउट के साथ एक सेल्फी प्वाइंट भी स्थापित किया गया, जहां आमजन छात्र-छात्राओं एवं जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन कर केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनसामान्य तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने हेतु सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के प्रयासों की सराहना की गई।कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक विभाग द्वारा नामित कलाकार ओम तिवारी द्वारा गीत के माध्यम से सरकार की जन कल्याणकारी नीतियों एवं योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

परिसर में जिला खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग, उद्योग विभाग,पर्यटन विभाग,बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, विभिन्न विभागों द्वारा अपनी-अपनी योजनाओं एवं उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी एवं स्टॉल भी लगाए गए।

इस अवसर पर विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित लाभार्थियों को डेमो चेक तथा टूल किट,पॉप कार्न के उपकरण देकर जन प्रतिनिधियों द्वारा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। साथ ही सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा एलईडी वैन के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों का प्रसारण भी दिखाया गया।प्रदर्शनी के शुभारंभ अवसर पर पीडी डीआरडीए बी बी सिंह,डी सी मनरेगा आर के चतुवेर्दी, खादी ग्राम उद्योग अधिकारी जी पी यादव अपर जिला सूचना अधिकारी के के यादव सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी,कर्मचारी, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

श्री सेवा सामाजिक संस्था ने वृद्ध आश्रम में भेंट किया उपहार

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 18 **जून (देवव्रत संवाद)**। पीडीडीयू नगर की जानी-मानी संस्था श्री सेवा सामाजिक संस्था ने गुरुवार को मधुपुर स्थित वृद्ध आश्रम में निवास कर रहे लगभग 80 वृद्ध महिला और पुरुषों को उपहार भेंट कर पुनीत कार्य किया।संस्था के संस्थापक अध्यक्ष सतीश जिंदल के नेतृत्व में यह कार्यक्रम प्रेरणादाई रहा संस्था के संरक्षक ओमप्रकाश जिंदल के जन्म दिन पर उन की तरफ से 80 वृद्ध लोगों को अंग वस्त्र फलाहार बिस्कुट और मिष्ठान का वितरण किया गया उन्होंने कहा कि मैं प्रत्येक जन्मदिन पर इन वृद्ध आश्रम के लोगों की सेवा करने से खुद को गौरवनित महसूस करता हूं यह कार्य आगे भी चलता रहेगा वहीं संस्था के संस्थापक सतीश जिंदल ने उनमें से 17 जरूरतमंदों को जूता और चप्पल स्वयं दान स्वरूप देने के लिए चिन्हित किया अवस्था अनुसार सभी जरूरतमंदों ने अपना अपना नाप देकर संस्था को दान देने के लिए सुनिश्चित किया इस अवसर पर संस्था के संजय राय,शिव शंकर कनोडिया, मुख्य प्रवक्ता,गुड्डू, आदि लोग शामिल रहे।सतीश जिंदल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से लोग प्रेरित होते हैं जिससे जरूरतमंदों का भला होता है ऐसे पुनीत कार्य मानव जीवन में करते रहना चाहिए।

भारतवर्षीय गोंड आदिवासी महासभा के पदाधिकारियों की हुई बैठक

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 18 **जून (देवव्रत संवाद)**।भारतवर्षीय गोंड आदिवासी महासभा के पदाधिकारियों की बैठक परशुरामपुर स्थित मुख्यालय पर महारानी दुर्गावती बलिदान दिवस की तैयारियों और व्यवस्था को लेकर डा. उमेश चन्द्र गोंड के अध्यक्षता में आयोजित हुई। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी दिनांक 24 जून को आर्य समाज मंदिर(कोतवाली के नजदीक)के प्रथमतल पर स्थित सभागार में आयोजित की जा रही है।कार्यक्रम का समय पुर्वान्ह 11 बजे से अपरान्ह लगभग 3 बजे तक निर्धारित किया गया है।जनपद में हैंड बिल और अपील के माध्यम से आदिवासी समाज को आमंत्रित किया जा रहा है।इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए आवश्यक कानूनी औपचारिकता पूरी की जा रही है।आयोजक मंडल ने सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न टीमों का गठन कर दिया है।बैठक में श्रीकृष्ण गोंड,घुरहु प्रसाद,सुरेश गोंड, रविशंकर प्रसाद, हरिश्चन्द्र गोंड, अवधेश प्रसाद,प्यारे लाल गोंड आदि लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने की बैंकिंग एवं सरकार प्रायोजित योजनाओं की समीक्षा

भदोही, 18 **जून (देवव्रत संवाद)**। वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही (अप्रैल से जून) के दौरान संचालित बैंकिंग गतिविधियों एवं सरकार प्रायोजित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों एवं बैंकों द्वारा संचालित योजनाओं की उपलब्धियों, लक्ष्यपूर्ति तथा लाभार्थियों को प्रदान की जा रही सेवाओं की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने बैंकवार एवं योजनावार प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों एवं बैंक प्रतिनिधियों को निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।इसके लिए सभी विभाग एवं बैंक आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करें।

समीक्षा के दौरान स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), पीएम सूर्य घर योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) सहित विभिन्न सरकार प्रायोजित योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि योजनाओं के लाभार्थियों का चयन पारदर्शी ढंग से करते हुए अधिक से अधिक पात्र लोगों को लाभान्वित किया जाए तथा स्वीकृत आवेदनों के शीघ्र निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाए।उन्होंने बैंक अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में बैंकिंग सेवाओं की गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। आमजन को समयबद्ध एवं सुगम बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना सभी बैंकों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बैंक शाखाओं में प्राप्त होने वाली शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाए, जिससे आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े और शिकायतों की संख्या में कमी लाई जा सके।

जिलाधिकारी ने विभिन्न योजनाओं के लक्ष्य प्राप्त करने के लिए विभागीय अधिकारियों एवं बैंक प्रबंधकों को समन्वित प्रयास करने पर जोर देते हुए कहा कि स्वरोजगार, उद्यमिता एवं वित्तीय समावेशन से जुड़ी योजनाएं जिले के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसलिए इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में अयोजित रक्तदाता सम्मान समारोह में संस्थाएँ और व्यक्तियों को किया गया सम्मानित

मीरजापुर, 18 जून (देवव्रत संवाद)। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर मेडिकल कॉलेज मीरजापुर के शैक्षणिक भवन में एक भव्य रक्तदाता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मेडिकल कॉलेज मीरजापुर के प्रधानाचार्य डॉ. संजीव कुमार सिंह तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कीर्ति कुमार मिश्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन जनसंपर्क अधिकारी राम कुमार गुप्ता ने किया।कार्यक्रम का शुभारंभ के लिए डॉक्टर दुर्गेश सिंह ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कीर्ति कुमार मिश्रा को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया, जबकि श्री शुभम गुप्ता ने प्रधानाचार्य डॉ. संजीव कुमार सिंह को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। समारोह में उपस्थित विभिन्न संस्थाओं के अध्यक्षों ने रक्तदान को बढ़ावा देने हेतु अपने-अपने सुझाव दिए और ब्लड डोनेशन कैंप नियमित रूप से आयोजित करने पर जोर दिया। सीएमओ ने भी बताया कि पीएचसी और सीएचसी के माध्यम से आगामी दिनों में विशेष रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे।हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सबसे अधिक रक्तदान कर साईं परिवार सेवा संगठन ने लगातार छठी बार प्रथम स्थान प्राप्त किया। पूरी साईं परिवार टीम को उपलब्धि के सम्मान में मोमेंटो और सर्टिफिकेट शुभम् गुप्ता ,को प्रदान किया गया , द्वितीय स्थान विंध्य फाउंडेशन ट्रस्ट,तृतीय स्थान पर ब्रजदेव एथेनॉल कंपनी प्राइवेट लिमिटेड रही।इसके अतिरिक्त निम्नलिखित संस्थाओं को रक्तदान शिविर आयोजित कराने व सहयोग के लिए सम्मानित किया गया, अमर उजाला,रॉबिन हुड आर्मी ,गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन, एचडीएफसी बैंक, गरुण सेना, सम्राट अशोक राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, एनसीसी101बटालियन भारतीय जनता युवा मोर्चा,भारतीय तैलिक साहु राठौर महासभा,ग्राम सभा देवरी,रोटरी क्लब गौरवर,रोटरी क्लब विंध्याचल,उत्तर प्रदेश वैश्य महासम्मेलन, विश्व हिंदू परिषद, आईडीए, समाजवादी पार्टी, समग्र मानवाधिकार, 39 वी पीएसी वाहिनी, अपना दल, व्यक्तिगत रक्तदाताओं में इस वर्ष पत्नी सहित राहुल जैन, राजेश्वर सिंह, ऐश्वर्य केसरवानी, निखिल साहु, हर्षिता सिंह, अमीषा बरनवाल, गुड्डू खां,लिनेस वंदना राय ,ज्योति गुप्ता आदि को माननीय अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।मीडिया प्रतिनिधियों में इस बार राजेश सिन्हा (दैनिक भास्कर) तथा इंदरप्रित सिंह (क्ठअ न्यूज) को मीडिया कवरेज और सहयोग हेतु सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशेष सहयोग के लिए श्री मनीष श्रीवास्तव (श्री कृष्णा फूड एंड हर्बल) को भी सम्मानित कर उनका आभार व्यक्त किया गया।इस अवसर पर आयोजकों ने रक्तदान के महत्व पर बल देते हुए लोगों से लगातार रक्तदान करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नियमित रक्तदान न केवल जीवन बचाता है, बल्कि एक स्वस्थ और जागरूक समाज बनाने में भी सहयोग देता है। प्रधानाचार्य महोदय ने सभी संस्थाओं और रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया तथा आगे रक्तदान शिविर आयोजित कराने हेतु निवेदन भी किया कार्यक्रम में उपस्थित सदस्य विकास मिश्रा,दुर्गेश बाबू चौरसिया, सिम्पल साध, शालिनी पाण्डेयआदि रहे।

भीषण गर्मी को देखते हुए भदोही के आंगनबाड़ी केन्द्रों में 24 जून तक अवकाश घोषित

भदोही, 18 जून (देवव्रत संवाद)। झजिलाधिकारी शैलेष कुमार के निर्देश के क्रम में ग्रीष्मकालीन सत्र में तेज धूप, प्रचण्ड गर्मी एवं लू के प्रकोप से आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों के बचाव हेतु जनपद के समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों का संचालन 20 मई 2026 से 15 जून 2026 तक बन्द किया गया था। अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश के क्रम में 16 जून 2026 के द्वारा उ० प्र० बेसिक शिक्षा परिषद के नियंत्रणाधीन संचालित विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश 20 जून तक बढ़ा दिया गया है। आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चे प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों से भी छोटे होते हैं, के क्रम में उक्त के दृष्टिगत आंगनबाड़ी केन्द्रों पर दिनांक 24 जून 2026 तक अवकाश घोषित किया जाता है। उक्त अवकाश अवधि में आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिका द्वारा लाभार्थियों को अनुपूरक पुष्टाहार का वितरण, वजन, गृह भ्रमण, पोषण ट्रैकर पर फीडिंग, निर्धारित कैलेण्डर के अनुसार सामुदायिक गतिविधियों का आयोजन, वी०एच०एस०एन०डी० सत्र एवं शासकीय / विभागीय कार्य नियमित रूप से सम्पादित किया जायेगा ।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की व्यापक तैयारियां पूर्ण

भदोही, 18 **जून (देवव्रत संवाद)**। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के सफल आयोजन को लेकर जनपद प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने सभी उप जिलाधिकारियों, खण्ड विकास अधिकारियों तथा नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि 21 जून को प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं चयनित सार्वजनिक स्थलों पर निर्धारित समयानुसार योग कार्यक्रमों का आयोजन कराया जाए तथा अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि योग केवल एक शारीरिक गतिविधि नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित एवं सकारात्मक जीवनशैली का आधार है। वर्तमान समय में बढ़ती स्वास्थ्य चुनौतियों के बीच योग जनसामान्य को शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक रूप से सशक्त बनाने का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। उन्होंने जनपदवासियों से आह्वान किया कि वे योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाएं तथा परिवार एवं समाज को भी इसके लिए प्रेरित करें। मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में जनपद की सभी ग्राम पंचायतों में अमृत सरोवर, ग्राम सचिवालय, पंचायत भवन, खेल मैदान अथवा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में ग्रामवासियों, जनप्रतिनिधियों, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं, युवाओं, विद्यार्थियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कार्यक्रम स्थलों का समय से चयन कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली जाएं। साथ ही व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को योग कार्यक्रमों में सहभागी बनने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि योग दिवस को जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान करने के लिए प्रशासन एवं समाज के संयुक्त प्रयास आवश्यक हैं। योग दिवस के आयोजन को स्वच्छ एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से 20 जून को विशेष स्वच्छता अभियान भी संचालित किया जाएगा।

जिलाधिकारी के निर्देश पर अवैध खनन एवं ओवरलोडिंग के विरुद्ध चला सघन अभियान

भदोही, 18 **जून (देवव्रत संवाद)**। जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निदेर्शों के क्रम में जनपद में अवैध खनन, अवैध परिवहन एवं ओवरलोडिंग के विरुद्ध विशेष प्रवर्तन अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में 01 जून 2026 से 15 जून 2026 तक अपर जिलाधिकारी वि0 रा0 शुभांगी शुक्ला के प्रवेक्षण में खनन विभाग एवं परिवहन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा व्यापक जांच एवं प्रवर्तन कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में सघन निरीक्षण एवं चेकिंग की गई, जिसमें अवैध खनन, बिना अनुमति खनिज परिवहन तथा ओवरलोडिंग के मामलों में कुल 45 वाहनों को पकड़ा गया। जांच के दौरान बिना वैध अनुमति के मिट्टी खनन एवं परिवहन में संलिप्त 04 जेसीबी मशीनें, 03 ट्रैक्टर मय छिलनी/स्क्रैपर तथा 25 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां पकड़ी गईं। इसके अतिरिक्त ओवरलोडिंग करते पाए गए 13 वाहनों के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की गई।

सभी संबंधित वाहनों को आवश्यक विधिक कार्यवाही हेतु जनपद के विभिन्न थाना एवं पुलिस चौकियों में निरुद्ध कराया गया है। विभागीय आकलन के अनुसार उक्त प्रकरणों में लगभग 20 लाख रुपये की जुमार्ना धनराशि वसूल किए जाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

अपर जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि जनपद में अवैध खनन, अवैध परिवहन एवं ओवरलोडिंग जैसी गतिविधियों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, राजस्व की सुरक्षा तथा सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ऐसे तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

जनपद प्रशासन ने खनन पट्टाधारकों, वाहन स्वामियों एवं संबंधित व्यक्तियों से अपील की है कि वे निर्धारित नियमों एवं शर्तों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करे

विकसित भारत प्रदर्शनी के दूसरे दिन प्राकृतिक खेती जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

भदोही, **18 जून (देवव्रत संवाद)**। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष तथा मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित ह्यविकसित भारत प्रदर्शनीह्ण के दूसरे दिन विभूति नारायण राजकीय इंटर कॉलेज, ज्ञानपुर परिसर में प्राकृतिक खेती जन-जागरूकता एवं किसान कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन एवं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक ज्ञानपुर विपुल दुबे एवं मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधायक विपुल दुबे ने कहा कि प्राकृतिक खेती न केवल भूमि की उर्वरता को बढ़ाती है, बल्कि स्वास्थ्यवर्धक एवं गुणवत्तापूर्ण अन्न उत्पादन का भी माध्यम है। उन्होंने किसानों से कृषि वैज्ञानिकों एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा सुझाई गई तकनीकों को अपनाकर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान किया।उप कृषि निदेशक डॉ. राम प्रवेश ने बताया कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग से मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है तथा विभिन्न स्वास्थ्य समस्याएं भी उत्पन्न हो रही हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक

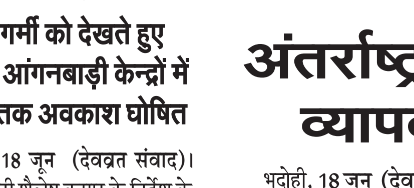

खेती कम लागत में अधिक टिकाऊ और सुरक्षित कृषि प्रणाली प्रदान करती है। कृषि विज्ञान केंद्र बेजवां के कृषि वैज्ञानिक डॉ. आर.पी. चौधरी ने कृषि सखियों को प्राकृतिक खेती की तकनीकों, बीजामृत, जीवामृत, आच्छादन, वाफसा तथा नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र, अग्नियास्त्र एवं दशपर्णी अर्क जैसे जैविक उपायों की विस्तृत जानकारी दी।प्रगतिशील कृषक ओंकारनाथ उपाध्याय ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि वे प्राकृतिक खेती में प्रयुक्त जैविक उत्पादों का निर्माण कर स्वयं उपयोग करने के साथ अन्य किसानों को भी उपलब्ध करा रहे हैं। वहीं श्री रामेश्वर सिंह ने मृदा परीक्षण एवं वर्मी कम्पोस्ट के महत्व पर प्रकाश डाला। भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष चन्द्रशेखर ने किसानों के हित में संचालित केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित प्रत्येक किसान हितैषी योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से भूमि का स्वास्थ्य बेहतर होता है तथा भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित कृषि व्यवस्था सुनिश्चित होती है।कार्यशाला के दौरान विधायक विपुल दुबे द्वारा किसानों को उड़द, अरहर एवं तिल के निःशुल्क मिनीकिट वितरित किए गए। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों एवं निजी संस्थाओं द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से किसानों को कृषि एवं ग्रामीण विकास से संबंधित नवीन जानकारियां उपलब्ध कराई गईं। कार्यक्रम का संचालन श्री शिवाकांत (एसएमएस) ने किया। प्रदर्शनी में केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विकास उपलब्धियों को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना सहायता योजना, पेंशन योजनाओं सहित विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी आमजन तक पहुंचाई गई। साथ ही प्रदेश में विकसित हो रहे आधारभूत ढांचे, यातायात नेटवर्क, कानून-व्यवस्था एवं जनपद भदोही में संपादित विकास कार्यों का भी प्रदर्शन किया गया।ए

मारपीट,गाली-गलौज व धमकी देने वाले 2 व्यक्तियों के विरुद्ध की गई निरोधात्मक कार्रवाई

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 18 जून (देवव्रत संवाद)। पुलिस उपमहानिरीक्षक वाराणसी परिक्षेत्र वाराणसी वैभव कृष्ण के निर्देशन में उच्चाधिकारीगण के पर्यवेक्षण में ह्यआपरेशन वज्रपात ह्यअभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक धानापुर,त्रिवेणीलाल सेन के कुशल नेतृत्व में थाना धानापुर पुलिस टीम द्वारा आपरेशन वज्रपात अभियान के तहत लोगो से मारपीट गाली-गलौज व धमकी देने वाले 02 अभियुक्त आशुतोष उर्फ इन्तजार पुत्र कैलाश व विजय कुमार पुत्र वंशराज निवासीगण ग्राम बभनियांव थाना धानापुर जनपद चन्दौली के विरुद्ध धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत निरोधात्मक कार्यवाही की गई।

पाक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 18 जून (देवव्रत संवाद)। उच्चाधिकारीगण के निर्देशन में थानाध्यक्ष सकलडीहा भूपेन्द्र कुमार निषाद के नेतृत्व में उ0नि0 राजेन्द्र प्रसाद मय टीम द्वारा थाना स्थानीय पर मु0अ0स0 93/2026 धारा 87, 69, 352, 351(3),61(2) बीएनएस से सम्बन्धित अभियोग में वांछित अभियुक्त राजन उर्फ परदेशी पुत्र सूर्यवंश राम निवासी ग्राम भलेहटा जनपद चन्दौली को ग्राम अलीपुर थाना भौंडसी जिला गुरूग्राम हरियाणा से गिरफ्तार कर नियमानुसार अभियुक्त को जनपद चन्दौली लाकर विधिक कार्यवाही प्रचलित है।गिरफ्तारी के आधार पर अभियुक्त के विरुद्ध धारा 137(2), 64(2)एम बीएनएस व 5 एल/6 पाक्सो एक्ट की वृद्धि की गई।

पीपा पुल बंद स्टीमर के सहारे शुरू हुई गंगा पार की यात्रा

गोपीगंज, 18 जून (देवव्रत संवाद)। रामपुर गंगा घाट पर पीपा पुल बंद होने के बाद मोटर चलित नाव के माध्यम से गंगा पार आवागमन शुरू हो गया है, विभाग की ओर से निःशुल्क मोटर चलित नाव की व्यवस्था सुनिश्चित कर दी गई है,लेकिन नाव पर चढ़ने उतरने की समुचित व्यवस्था न होने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के मौसम को देखते हुए घाट पर बना पीपा पुल बंद कर दिया गया है।16 जून से पुल बंद कर जिम्मेदार विभाग की ओर से इस बार समय से पूर्व की भांति मोटर चलित नाव की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। प्रतिदिन मीरजापुर जनपद से बड़ी संख्या में लोगो का गोपीगंज आना जाना होता है। शासन प्रशासन स्तर पर पीपा पुल व नाव से गंगा पार की यात्रा निःशुल्क कर देने के बाद पुल का निर्माण व मोटर चालित नाव की व्यवस्था लोक निर्माण विभाग करती है, पुल बंद होने पर निः शुल्क नाव संचालन शुरू हो गया है।नाव पर चढ़ने उतरने के लिए पानी के बीच से आना जाना पड़ रहा है इससे परेशानी हो रही है।

दूषित पेयजल आपूर्ति पर व्यापार मंडल का आक्रोश, एक सप्ताह में सुधार न होने पर घेराव की चेतावनी

गोपीगंज, 18 जून (देवव्रत संवाद)। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नगर अध्यक्ष श्रीकांत जायसवाल ने नगर पालिका परिषद गोपीगंज पर पश्चिम मोहाल वार्ड संख्या 9 एवं 10 में दूषित पेयजल आपूर्ति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इन वार्डों के निवासी गंदा पानी पीने को मजबूर हैं, जिससे गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।जायसवाल ने बताया कि दूषित पानी की समस्या को लेकर कई बार नगर पालिका प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर पालिका अध्यक्ष एवं संबंधित अधिकारियों से शिकायत करने के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। वार्डवासियों में बढ़ते आक्रोश को देखते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर पेयजल व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो नगर पालिका परिषद गोपीगंज का घेराव किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाली किसी भी परिस्थिति की पूरी जिम्मेदारी नगर पालिका परिषद की होगी।व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष ने जिला प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों से मामले का तत्काल संज्ञान लेकर समस्या के समाधान की मांग की है।

बरकछा में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता रैली व प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया

मीरजापुर, 18 जून (देवव्रत संवाद)। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत बरकछा स्थित नशा मुक्ति केंद्र में जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अभियान के तहत बच्चों और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं रैली निकाली गई।कार्यक्रम का संचालन केंद्र के प्रबंधक मनीष कुमार जायसवाल के निर्देशन में किया गया। इस दौरान दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें रवकर्शन प्रथम, धनंजय द्वितीय तथा सोनू गुप्ता तृतीय स्थान पर रहे। विजेताओं को ग्राम प्रधान एवं केंद्र के पदाधिकारियों द्वारा पुरस्कृत किया गया।इसके अलावा कला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें शिवनंदनी, रिया शर्मा, मानसी शास्त्री और सचिन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप सम्मानित किया गया । कार्यक्रम के अंतर्गत एक जन जागरूकता रैली भी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों ने भाग लिया। रैली के माध्यम से लोगों को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवन अपनाने का संदेश दिया गया।अंत में उपस्थित सभी बच्चों एवं प्रतिभागियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। आयोजकों ने कहा कि समाज को नशामुक्त बनाने के लिए ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आगे भी जारी रहेंगे ।

भदोही में विकास कार्यों की समीक्षा, लापरवाही पर सख्त रुख

भदोही, 18 जून (देवव्रत संवाद)जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में शासन की शीर्ष प्राथमिकताओं एवं मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के अंतर्गत संचालित विकास कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्माण कार्यों, पूर्वांचल विकास निधि, निमार्णाधीन सड़कों, सेतु निर्माण, क्रिटिकल गैप निधि, उद्यान, कृषि, मत्स्य, आश्रय तथा अन्य विभागों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।फैमिली आईडी निर्माण की समीक्षा के दौरान अपेक्षित प्रगति एवं सुधार न पाए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। कार्य में लापरवाही बरतने के कारण समस्त खंड विकास अधिकारियों के वेतन आहरण पर अग्रिम आदेश तक रोक लगाने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। इसी प्रकार मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत लाभार्थियों को ऋण वितरण एवं स्वीकृतियों की प्रगति अत्यंत खराब पाए जाने पर उद्योग विभाग के महाप्रबंधक के वेतन आहरण पर भी रोक लगाने के निर्देश दिए गए।मुख्यमंत्री सीएम डैशबोर्ड समीक्षा के दौरान बी श्रेणी सी श्रेणी एवं डी श्रेणी वाले संबंधित विभाग के अधिकारियों को ए श्रेणी में लाने का निर्देश दिया अन्यथा संबंधित विभाग के अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। सेतु निर्माण एवं नवीन सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान अपेक्षित प्रगति न मिलने पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग को कार्यों में तत्काल सुधार लाने की कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित समयावधि में प्रगति में सुधार नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि केवल पात्र लाभार्थियों को ही योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाए। यदि किसी स्तर पर किसी अपात्र व्यक्ति का चयन पाया जाता है तो उससे तत्काल धनराशि की वसूली सुनिश्चित की जाए।

डीपीआरसी में सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर हुआ भव्य कार्यक्रम का आयोजन

स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को किया गया जागरूक

सोनभद्र, 18 जून (देवव्रत संवाद)। केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गुरुवार को डीपीआरसी परिसर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डीसी मनरेगा रविंद्र वीर द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं एवं पुरुषों को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताया गया कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं किस प्रकार आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकती हैं तथा विभिन्न योजनाओं का लाभ लेकर अपने जीवन स्तर में सुधार ला सकती हैं। खंड विकास अधिकारियों द्वारा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विगत 12 वर्षों की उपलब्धियों एवं विकास कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।डीपीआरसी परिसर में एनआरएलएम के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार विभिन्न उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी भी लगाई गई। अधिकारियों एवं आगंतुकों ने स्टॉलों का अवलोकन करते हुए महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों की सराहना की। प्रदर्शनी में स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प सामग्री एवं स्वरोजगार से जुड़े उत्पादों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

उपायुक्त स्वतः रोजगार सरिता सिंह ने उपस्थित ब्लॉक मिशन प्रबंधकों, डाटा एंट्री ऑपरेटरों एवं सामुदायिक कैडर को संबोधित करते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए निर्धारित लक्ष्यों को टीम भावना के साथ पूर्ण करना होगा, ताकि जनपद की प्रगति राज्य स्तर पर और बेहतर हो सके। उन्होंने एनआरएलएम के माध्यम से उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं एवं आजीविका संवर्धन कार्यक्रमों की भी जानकारी दी।जिला मिशन प्रबंधक एम.जी. रवि ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से समूह की महिलाओं को आगामी वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर योजनाओं का लाभ पहुंचाना मिशन की प्राथमिकता है। कार्यक्रम के दौरान वीडियो फिल्म के माध्यम से समूहों द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों का प्रदर्शन किया गया। ह्यअपनी कहानी-अपनी जुबानीह्न सत्र में स्वयं सहायता समूह की सदस्य सुनीता देवी ने अपनी सफलता की कहानी साझा करते हुए बताया कि समूह से जुड़ने के बाद उनके जीवन में आर्थिक एवं सामाजिक बदलाव आया है। उनकी प्रेरणादायी कहानी ने उपस्थित महिलाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम में बताया गया कि जनपद में अभी बड़ी संख्या में महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से नहीं जुड़ी हैं। उन्हें समूहों से जुड़कर योजनाओं का लाभ लेने तथा आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया गया। आईसीडीएस विभाग की ओर से आंगनबाड़ी कार्यकताओं को टैबलेट वितरित किए गए, जिससे वे अपने कार्यों का निष्पादन और अधिक सुगमता एवं पारदर्शिता के साथ कर सकें। कार्यक्रम के दौरान संस्कृत विभाग के कलाकारों द्वारा करमा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई, जिसे उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा। वहीं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित विकास प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया गया। प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं, उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को प्रदर्शित किया गया, जिनकी जानकारी बड़ी संख्या में आए लाभार्थियों एवं आमजन ने प्राप्त की।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी चमचमाती सड़क : पांच साल की गारंटी वाली सड़क पांच दिन में उखड़ी

दुद्धी, सोनभद, 18 जून (देवव्रत संवाद)। सरकारी दावों और जमीनी हकीकत में कितना अंतर होता है, इसका जीता-जागता उदाहरण दुद्धी ब्लॉक क्षेत्र के दिघुल-टेढ़ा सम्पर्क मार्ग पर देखने को मिल रहा है। लोक निर्माण विभाग (ढहऊ) द्वारा अभी हाल ही में मरम्मत कराई गई प्रधानमंत्री सड़क निर्माण के महज पांच दिनों के भीतर ही उखड़ने लगी है। सड़क की पांच साल की गारंटी का दावा करने वाले विभाग की पोल पहली ही गाड़ी गुजरने के बाद खुल गई।दिघुल-टेढ़ा सम्पर्क मार्ग पर जैसे ही वाहनों का आवागमन शुरू हुआ, सड़क की गिट्टियां भरभरा कर अलग होने लगीं। गाड़ियों के चक्के (टायरों) की रगड़ से डामर छोड़कर बिखर रही यह गिट्टियां अब राहगीरों के लिए जानलेवा साबित हो सकती हैं। तेज रफ्तार वाहनों के पहियों से छिटककर यह गिट्टियां पीछे आ रहे बाइक सवारों या पैदल चलने वालों को गंभीर रूप से चोटिल कर सकती हैं।मामले को लेकर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सरजू प्रसाद, ग्राम प्रधान जगतनारायण, ग्राम प्रधान फहरुद्दीन ने तीखा विरोध दर्ज कराया है।

उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में मानकों की जमकर अनदेखी की गई है, जिसके कारण सड़क पांच दिन भी नहीं टिक सकी। वहीं स्थानीय निवासी बृज किशोर, सरोज, राजेश, लवकुश, गोरख सहित अन्य ने बताया कि जब इस सड़क की मरम्मत का कार्य शुरू हुआ था, तभी ग्रामीणों ने सामग्री की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए थे। ग्रामीणों ने ठेकेदार और विभागीय अधिकारियों पर घटिया डामर और गिट्टी का उपयोग करने का आरोप लगाते हुए काम की शिकायत की थी। लेकिन ग्रामीणों की आवाज को दरकिनार करते हुए आनन-फानन में लीपापोती कर सड़क तैयार कर दी गई।सड़क की इस दुर्दशा को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

बिजहरी में आयोजित 3 दिवसीय श्री राधारानी प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न

सादात/गाजीपुर, 18 जून (देवव्रत संवाद)। क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बिजहरी स्थित प्राचीन नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय श्री राधारानी प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव वैदिक मंत्रोच्चार, धार्मिक अनुष्ठानों एवं विशाल भंडारे के साथ संपन्न हुआ। इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।मंदिर का निर्माण वर्ष 1996 में स्व. पंडित अनिरुद्ध दुबे ने कराया था।उस समय मंदिर में राधा-कृष्ण, भगवान शंकर तथा हनुमान जी की मूर्तियों की स्थापना की गई थी। वाराणसी मंडल में उद्योग अधिकारी के पद पर कार्यरत ग्राम बिजहरी निवासी राम जी सिंह ने राधा रानी की मूर्ति भेंट की थी। वर्षों तक नियमित पूजा-अर्चना के दौरान एक दुर्घटना में मंदिर का घंटा टूटकर मूर्ति पर गिर गया, जिससे राधारानी की प्रतिमा का हाथ क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद स्वर्गीय अनिरुद्ध दुबे के पुत्र कृष्णानंद दुबे एवं पौत्र मानस दुबे ने नई प्रतिमा की स्थापना कराया। अयोध्या से आमंत्रित आचार्यों एवं विद्वान ब्राह्मणों के सान्निध्य में श्री राधारानी जी की नवीन प्रतिमा की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा कराई गई।

मुहर्रम के मद्देनजर शांति समिति की बैठक संपन्न, सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व मनाने की अपील

दुद्धी, सोनभद, 18 जून (देवव्रत संवाद)। आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को महिला थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी निखिल यादव एवं क्षेत्राधिकारी राजेश कुमार राय ने संयुक्त रूप से की।

बैठक में दोनों समुदायों के संभ्रांत नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, धर्मगुरुओं तथा ताजिया कमेटी के पदाधिकारियों ने भाग लिया। अधिकारियों ने उपस्थित लोगों से मुहर्रम के दौरान आपसी भाईचारा एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की। साथ ही पर्व से जुड़े जुलूस, ताजिया मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, बिजली एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

उपजिलाधिकारी निखिल यादव ने कहा कि शासन की गाइडलाइन के अनुरूप ही सभी कार्यक्रम आयोजित किए जाएं तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल प्रशासन को अवगत कराया जाए।क्षेत्राधिकारी राजेश कुमार राय ने कहा कि त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

बैठक में उपस्थित लोगों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया तथा मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने का संकल्प व्यक्त किया।

इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश मोहन,केंद्रीय अखाड़ा कमेटी के अध्यक्ष मुजीब खा, फतेहमुम्मद, श्री रामलीला कमेटी के अध्यक्ष कन्हैयालाल अग्रहरि, जेबीएस अध्यक्ष पंकज जायसवाल,सुरेन्द्र अग्रहरि, टेढ़ा ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सरजू प्रसाद, कोतवाली प्रभारी डीके सिंह, एसएसआई संजय सिंह, कस्बा प्रभारी अमित कुमार सिंह सहित दोनों समुदायों के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

स्थायी पात्रता सूची निर्माण को लेकर मूरता, बघाडू, दिघुल तथा निमियाडीह गाँव मे खुली बैठक आयोजित

दुद्धी, सोनभद, 18 जून (देवव्रत संवाद)। जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में आज गुरुवार को विकासखंड दुद्धी के ग्राम पंचायत मूरता, बघाडू, दिघुल निमियाडीह के पंचायत भवन में स्थायी पात्रता सूची तैयार किए जाने के संबंध में ग्रामीणों के साथ खुली बैठक आयोजित की गई।। मूरता की बैठक मे ग्राम विकास अधिकारी अनीश कुमार सिंह, बघाडू, दिघुल तथा निमियाडीह की बैठक मे ग्राम पंचायत अधिकारी सुरेंद कुमार के द्वारा ग्रामीणों को पात्रता सूची 2024 को पढ़कर सुनाया गया और एक-एक लाभार्थियों पर चर्चा की गई एवं समस्याओं को सुना गया उन्होंने बैठक के दौरान गांव के आसपास बने तालाब,नदियों के किनारे बने छठ घाट के गहरे पानी से बचने हेतु सूचना बोर्ड लगाने व दैविय आपदा से बचने हेतु जो गाइडलाइन सरकार द्वारा जारी किए गए हैं उनसे ग्राम वासियों को अवगत कराया गया एवं उनका पालन करने हेतु एवं उनसे बचाव हेतु जागरूक किया गया।

खुली बैठक के दौरान आवास के पात्रता सूची निर्माण से संबंधित आवश्यक जानकारी एवं सुझाव ग्रामीणों से प्राप्त किए गए। मूरता गाँव की बैठक में ग्राम प्रधान/प्रशासक शिवकुमार यादव पूर्व प्रधान राम सेवक यादव,पंचायत सहायक भुनेश्वर बीडीसी राम प्रसाद तथा दिघुल गाँव की बैठक मे प्रशासक/ग्राम प्रधान जगतनारायण तथा बघाडू की बैठक मे ग्राम प्रधान अब्दुलाह जबकि निमियाडीह गाँव के बैठक मे ग्राम प्रधान फखरुद्दीन अंसारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

अवैध रेत परिवहन पर सासन पुलिस की कार्रवाई, रेत से भरा मिनी ट्रक जब्त

सिंगरौली, 18 जून (देवव्रत संवाद)।जिले में अवैध रेत परिवहन के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है।इसी क्रम में सासन पुलिस चौकी ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए अवैध रेत से लदे एक मिनी ट्रक को जब्त कर खनिज विभाग के सुपुर्द किया है। पुलिस अधीक्षक षियाज के.एम., अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वप्रिय सिन्हा तथा नगर पुलिस अधीक्षक विंध्यनगर श्री उमेश कुमार प्रजापति के निर्देशन में थाना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अशोक सिंह परिहार के मार्गदर्शन एवं चौकी प्रभारी सासन उपनिरीक्षक संदीप नामदेव के नेतृत्व में गठित टीम ने यह कार्रवाई की।पुलिस को 17 जून 2026 को सूचना मिली थी कि ग्राम गढ़हरा से एक बिना नंबर का मिनी ट्रक अवैध रूप से रेत लोड कर ग्राम सिद्धीखुर्द शिवपहाड़ी की ओर बिक्री के लिए जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने गढ़हरा मार्ग पर घेराबंदी की।इस दौरान गढ़हरा की ओर से आ रहे बिना नंबर के मिनी ट्रक को रोककर जांच की गई।

सांसद की पहल से बकहुल-ओबरी सड़क निर्माण को मिली मंजूरी

सिंगरौली, 18 जून (देवव्रत संवाद)।देवसर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही मांग को बड़ी राहत मिली है। सीधी सांसद डॉ. राजेश मिश्रा की अनुशंसा पर बकहुल से ओबरी वाया कसैया सड़क निर्माण कार्य को एनसीएल के सीएसआर मद से स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। लगभग 8 किलोमीटर लंबी इस सड़क के निर्माण पर 11 करोड़ 73 लाख 83 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे।

यह मार्ग वर्षों से क्षेत्रवासियों की प्रमुख मांग रहा है। सड़क निर्माण की स्वीकृति मिलने के बाद बकहुल, कसैया, ओबरी सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों का मानना है कि सड़क बनने से आवागमन की समस्याओं से राहत मिलेगी और शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार तथा अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच आसान होगी।

सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि देवसर विधानसभा क्षेत्र की यह अत्यंत महत्वपूर्ण और वास्तविक आवश्यकता थी, जिसे जनता लगातार उठा रही थी। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के विकास और जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए उनकी ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में उनकी अनुशंसा पर इस सड़क परियोजना को स्वीकृति मिली है।

सांसद ने सभी क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि सड़क निर्माण से ग्रामीण अंचलों के विकास को नई गति मिलेगी तथा सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि यह परियोजना देवसर विधानसभा के विकास में मील का पत्थर साबित होगी।

सड़क निर्माण की स्वीकृति को क्षेत्र के लोग विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मान रहे हैं और इसके लिए सांसद डॉ. राजेश मिश्रा के प्रयासों की सराहना कर रहे हैं।

हर घर शुद्ध नल जल डाक्यूमेंट्री फिल्म प्रमोशन पर दिग्गज कलाकारों निर्देशकों ने सराहा

म्योरपुर/सोनभद, 18 जून (देवव्रत संवाद)। जिले के दक्षिणांचल में प्रदूषण,फ्लोराइड की समस्या से जूझते ग्रामीणों की दुर्दशा और केंद्र सरकार की हर घर नल जल योजना के माध्यम से लोगों को शुद्ध पानी देने के प्रयास पर बना डाक्यूमेंट्री फिल्म हर घर शुद्ध जल का मंगलवार की देर शाम मुंबई स्थित जाने माने फिल्म निमार्ता सुभाष घई के बल्फ थियेटर में प्रमोशन किया गया।जिसमे फिल्म दुनियां के जाने माने निमार्ता निर्देशकों कलाकारों ,लेखकों ने फिल्म की सराहना की और सोनभद्र की ज्वलंत समस्या के ऊपर फिल्म बनाने वाले निमार्ता सुरेंद्र सिंह,फिल्म निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले मानवाधिकार कार्यकर्ता बंटी श्रीवास्तव, निर्देशक देवेंद्र शिवाजी जाधव,की प्रशंसा की।महाभारत सीरियल के युधिष्ठिर गजेंद्र चौहान,तीन सौ से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके अली खान,छोटे सचिन, रमेश गोयल, कृष्ण वंशल, फिल्म बार्डर के सहायक निर्देशक योगेश भारद्वाज आदि ने कहा कि यह फिल्म सोनभद्र की जमीनी हकीकत से जुड़ी है।योगेश ने जाने माने पर्यावरण कार्यकर्ता जगत नारायण विश्वकर्मा से लंबी बातचीत की और सोनभद्र में इतिहास में दबी मंजरी लेरिक की अनकही प्रेम कहानी तथा फ्लोराइड पीड़ितों के टूटते हड्डियों और रिश्ते पर फिल्म बनाने की बात कही अन्य निमार्ता निर्देशकों ने भी सोनभद्र आकर कहानी लिखने और फिल्म बनाने की बात कही है।बंटी श्रीवास्तव ने बताया कि यह फिल्म अभी तक दुनियां के 27 देशों में जा चुकी है।और उम्मीद जगाई कि सरकार और भी ठोस कदम उठाएगी। फिल्म में नदियों में बहता राखड़, बलिया नाला में बहता कोयला युक्त पानी,रेणुका की दुर्दशा और दिव्यांग होते लोगों की परेशानियों को दशार्या गया है। फिल्म के अंत में अश्वनी सिंह,प्रभात कुमार कौशलेंद्र पाण्डेय, आदि को विशेष आभार प्रकट किया गया है।

अमृत 2.0 योजना के कार्यों का अधिकारियों ने किया निरीक्षण, गुणवत्ता व समय-सीमा पर विशेष जोर

सिंगरौली, 18 जून (देवव्रत संवाद)।नगर परिषद बरगवां क्षेत्र में अमृत 2.0 योजना के तहत संचालित विभिन्न विकास कार्यों का बुधवार को अधिकारियों की टीम ने निरीक्षण किया। इस दौरान निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति और तकनीकी मानकों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

निरीक्षण दल में संभागीय कार्यपालन यंत्री हरिशंकर मिश्रा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी अमित सिंह, उपयंत्री, एआरई, एफ.ई. तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि शामिल रहे।टीम ने सबसे पहले वार्ड क्रमांक-08 में निमार्णाधीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी) का निरीक्षण कर जल शोधन व्यवस्था एवं परियोजना की प्रगति की समीक्षा की।

इसके बाद अधिकारियों ने वार्ड क्रमांक-05 एवं 08 में निमार्णाधीन 400 किलोलीटर तथा 1200 किलोलीटर क्षमता के ओवरहेड टैंकों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने और तकनीकी मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद नगर क्षेत्र में स्वच्छ एवं नियमित पेयजल आपूर्ति को मजबूती मिलेगी।

निरीक्षण के दौरान वार्ड क्रमांक-05 में विकसित किए जा रहे ग्रीन स्पेस पार्क और वार्ड क्रमांक-15 स्थित शिव मंदिर तालाब के सौंदर्यीकरण कार्यों का भी अवलोकन किया गया। अधिकारियों ने पार्क को आकर्षक एवं जनोपयोगी बनाने तथा तालाब विकास कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने पर जोर दिया।

अधिकारियों ने कहा कि अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत संचालित सभी परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने निर्माण एजेंसियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं तथा गुणवत्ता, सुरक्षा और पारदर्शिता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से नगर परिषद बरगवां क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

जन चौपाल से गांव-गांव पहुंचे सांसद, कार्यकताओं के घर किया रात्रि प्रवास

सिंगरौली, 18 जून (देवव्रत संवाद)। केंद्र की मोदी सरकार के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चलाए जा रहे विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत सीधी सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में जन चौपाल आयोजित कर लोगों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निराकरण का भरोसा दिलाया।सांसद ने चितरंगी विधानसभा के ग्राम सेमुआर, सिंगरौली विधानसभा के करौंटी तथा देवसर विधानसभा के भैसाबूड़ा गांव में जन समस्या निवारण शिविर एवं जन चौपाल में भाग लिया। उन्होंने केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते हुए ग्रामीणों से योजनाओं के लाभ और जमीनी स्थिति की जानकारी प्राप्त की। साथ ही क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण कर उनकी गुणवत्ता का भी जायजा लिया।अभियान के तहत सांसद ने तीनों विधानसभा क्षेत्रों में कार्यकताओं के घर रात्रि प्रवास कर स्थानीय लोगों से संवाद किया तथा क्षेत्रीय समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्राप्त समस्याओं के निराकरण के लिए शासन स्तर पर आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी।कार्यक्रम में विधायक एवं राज्य मंत्री राधा सिंह, विधायक रामनिवास शाह, विधायक राजेंद्र मेश्राम, भाजपा जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शाह, सांसद प्रतिनिधि संतोष वर्मा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बड़े बदलाव का संकल्प लेकर चल रहा है भारत-अरुण सिंह

गाजीपुर, 18 जून (देवव्रत संवाद)। पिछले 12 वर्षो मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अद्वितीय कार्य हुए हैं जिन्हें स्वर्णाक्षरों में अंकित किया जाएगा,आने वाली पीढियां इनको पढेगी। भारत बहुत बड़े बदलाव का साक्षी है देश बहुत बड़े बदलाव का संकल्प लेकर चल रहे हैं यह बात आज नगर के अग्रवाल पैलेस में विकसित भारत संकल्प सम्मेलन मे प्रबुद्ध जनों को सम्बोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने कही अरूण सिंह ने आज केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए एक दिवसीय दौरे मे गाजीपुर पहुचे थे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना साकार होकर रहेगा यह भारतीय जनता पार्टी और सरकार का लक्ष्य है भारत का नाम सभी क्षेत्रों में रौशन हुआ है। उन्होंने कहा कि देश के नेता पर विश्वास है मोदी जी 24 घंटे काम करने वाले नेता हैं और नेता की जब नीति और विश्वास की बात करें तो इन 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जहां कभी भाजपा की सरकारे नहीं रही वहा भारी जन समर्थन मिला है।यह नेता पर विश्वास की भावना का परिणाम है विश्वास की बात करें तो कोरोना काल में देश की 140 करोड़ जनता ने अद्भुत विश्वास के साथ देश के नेतृत्व को समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि विश्व के 1-2 नहीं 32 देशों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार दिया है जो सिर्फ चेहरे देखकर बल्कि उनके काम और काम करने के तरीके एवं निष्ठा को देखकर दिया है। उन्होंने कहा कि आज भारत तेज गति से चलने वाली अर्थव्यवस्था का देश है, और यही मजबूत आधार है कि हम आत्मनिर्भर होकर,विकसित भारत की ओर बढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नेता पर भरोसा और विश्वास हो तो सब कुछ संभव है कोरोना काल में 120 करोड लोगों को समय से मुफ्त में वैक्सीन लगाई गई अगर भारत यह वैक्सीन नहीं तैयार करता तो स्थिति कितनी भयावह होती यह सोच नहीं सकते थे।इस अवसर पर पूर्व मंत्री विजय मिश्रा, अभिनव सिन्हा, पारसनाथ राय, डा. विजय यादव, सुनीता सिंह, राजकुमार सिंह, सुभाष पासी, प्रवीण सिंह, दयाशंकर पांडेय,राम नरेश कुशवाहा,राम राज बनवासी, कालीचरण राजभर,जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा, नगर मंत्री अजय कुशवाहा, जय प्रकाश गुप्ता, गर्वजीत सिंह, शिवम पांडेय, शनि चौरसिया, पियूष राय, अभिनव सिंह छोटू, वृजनन्दन सिंह, राजेश भारद्वाज, संकठा मिश्र, विश्व प्रकाश अकेला साधना राय, व्यास मुनि राय सहित आदि पदाधिकारी व प्रबुद्ध जन उपस्थित थे।

गाजीपुर में तीन दिवसीय विकास प्रदर्शनी का भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री ने फीता काटकर किया शुभारंभ

गाजीपुर, 18 जून (देवव्रत संवाद)। केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं जन कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 5 जून से 21 जून तक संचालित समेकित जन कल्याण एवं जन जागरूकता अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन एवं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, गाजीपुर द्वारा रायफल क्लब परिसर में 18 से 20 जून 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय महामंत्री भाजपा अरूण सिंह ने फीता काटकर किया। इस दौरान राज्य सभा सांसद डॉ0 संगीता बलवन्त, विधान परिषद सदस्य विशाल सिंह चंचल, जिलाध्यक्ष भाजपा ओम प्रकाश राय, नगर पालिका अध्यक्ष सरिता अग्रवाल, पूर्व मंत्री विजय मिश्रा, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा भानू प्रताप सिंह, सुनिल सिंह, युवा नेता अभिनव सिन्हा, जिला प्रभारी राकेश त्रिवेदी, भाजपा मीडिया प्रभारी शशिकान्त, जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला, पुलिस अधीक्षक डॉ0 ईरज राजा, जिला सूचना अधिकारी राकेश कुमार, मुख्य विकास अधिकारी आलोक प्रसाद, मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला विकास अधिकारी राजन राय, जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय कुमार सोनी सहित समस्त सम्बन्धित अधिकारीगण मौजूद रहे। इस दौरान मा0 महामंत्री जी ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर जानकारी ली तथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना कोविड के अन्तर्गत 05 लाभार्थियों को लैपटॉप का वितरण तथा गर्भवती महिलओं की गोद भराई की गयी।

पूर्वांचल फुटबॉल क्लब की शानदार जीत, फाइनल में बनाई जगह

भांवरकोल/गाजीपुर, 18 जून (देवव्रत संवाद)। क्षेत्र के पखनपुरा गांव में आयोजित मरहूम वाजिद प्रधान स्मृति राज्य स्तरीय रात्रि फुटबॉल प्रतियोगिता के पहले सेमीफाइनल में पूर्वांचल फुटबॉल क्लब ने जबूरना फुटबॉल क्लब को 2-0 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश कर लिया। मैच के पहले हाफ में दोनों टीमों ने कई आक्रामक प्रयास किए, लेकिन कोई भी गोल नहीं हो सका। दूसरे हाफ में खेल और रोमांचक हो गया। 25वें मिनट में पूर्वांचल क्लब के फरहान अब्दुल मजीद के पास पर सनवर ने मोहम्मद कैस को गेंद दी, जिस पर कैस ने शानदार गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। मैच के अंतिम क्षणों में सनवर ने एक और गोल दागकर बढ़त 2-0 कर दी और अपनी टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। मैच में रेफरी अब्दुल राशिद तथा लाइनमैन सीपू और समीर खान रहे। मुख्य अतिथि बृजेश नारायण सिंह उर्फ त्रिपुरारी सिंह ने विजेता टीम को बधाई देते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।इस अवसर पर हफीजुल्लाह सिद्दीकी, माजिद मास्टर, अनिरुद्ध, फहद, अयाज, नंदा राजभर, मास्टर अब्दुल मलिक, हाजी सेराज खान, अब्दुल सलाम, तौसीफ अहमद, इमरान अहमद, हाफिज जलालुद्दीन, कारी नूर मोहम्मद, सारिक खान सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति, जिला पर्यावरण समिति एवं आर्द्रभूमि समिति की बैठक संपन्न

मऊ, 18 जून (देवव्रत संवाद)। जिलाधिकारी आनन्द वर्द्धन की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला गंगा समिति, जिला पर्यावरण समिति एवं आर्द्रभूमि समिति की बैठक हुई। बैठक में जनपद में पर्यावरण संरक्षण, नदियों की स्वच्छता, आर्द्रभूमियों के संरक्षण, वृक्षारोपण तथा आगामी राष्ट्रीय योग दिवस एवं वन महोत्सव की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने जनपद में प्रवाहित सरयू एवं तमसा नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण के संबंध में संबंधित अधिकारियों से बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि नदियों में किसी भी प्रकार के ठोस एवं द्रव अपशिष्ट पदार्थों का प्रवाह न होने पाए तथा इसके लिए प्रभावी निगरानी की जाए। उन्होंने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने नदियों के किनारे स्थित गंगा ग्रामों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को नदियों के संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाए तथा विशेष रूप से बच्चों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति चेतना विकसित करने के लिए गांवों में जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि नदियों के किनारे हो रहे वृक्षों के कटान पर प्रभावी रोक लगाई जाए तथा अवैध रूप से वृक्ष काटने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। बैठक में जनपद की प्रमुख आर्द्रभूमियों पकड़ी ताल, ताल रतोय एवं नरजा ताल के संरक्षण एवं विकास के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने इन आर्द्रभूमियों में मखाना, सिंघाड़ा एवं मत्स्य पालन जैसी

गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा उनके संरक्षण के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही नदियों के किनारे हो रहे अतिक्रमण, गंगा ग्रामों में ठोस एवं द्रव अपशिष्ट प्रबंधन तथा ई-वेस्ट से संबंधित सूचनाएं निर्धारित प्रारूप में उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।बैठक में आगामी 1 से 7 जुलाई 2026 तक आयोजित होने वाले वन महोत्सव कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की । जिलाधिकारी ने प्रभात फेरी, जनसामान्य एवं छात्र-छात्राओं की सहभागिता, नुक्कड़ नाटक, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा पर्यावरण एवं वृक्षों के महत्व पर आधारित जागरूकता कार्यक्रमों के सफल आयोजन के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में चित्रकला, निबंध लेखन एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं के आयोजन की तैयारियों की भी समीक्षा की।वर्ष 2026-27 के वृक्षारोपण कार्यक्रम की विभागवार समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप समयबद्ध तैयारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने वर्ष 2025-26 में रोपित पौधों की जीवितता प्रतिशत की रिपोर्ट उपलब्ध कराने तथा पौधों के सत्यापन कार्य में तेजी लाने को कहा। साथ ही वृक्षारोपण से पूर्व गड्ढों की खुदाई का कार्य पूर्ण करने एवं उसकी अद्यतन रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि समय से वृक्षारोपण का कार्य सम्पन्न कराया जा सके। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने 21 जून 2026 को आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योग दिवस के अवसर पर अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता की जाए तथा जनसामान्य को योग के महत्व एवं स्वास्थ्य लाभों के प्रति जागरूक किया जाए। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

लगातार दो शैक्षिक सत्रों में छात्र परीक्षा में सम्मिलित न होने पर 15 विद्यालयों की मान्यता स्वतः समाप्त

मऊ, 18 जून (देवव्रत संवाद)। जिला विद्यालय निरीक्षक गौतम प्रसाद ने बताया कि इंटरमीडिएट शिक्षा अधिनियम-1921 के अधीन निर्मित परिषद विनियमों के अध्याय-7 (परिषद द्वारा संस्थाओं को मान्यता) के विनियम-11(ढ) में निहित प्रावधानों के अनुसार यदि हाईस्कूल नवीन (वनटाइम) अथवा इंटरमीडिएट नवीन वर्ग की मान्यता प्राप्त किसी संस्था से लगातार दो वर्षों तक कोई छात्र परीक्षा में सम्मिलित नहीं होता अथवा कक्षाएं संचालित नहीं की जाती हैं, तो उक्त विद्यालय की मान्यता स्वतः समाप्त समझी जाएगी। उक्त प्रावधान के क्रम में शैक्षिक सत्र 2024-25 एवं शैक्षिक सत्र 2025-26 में लगातार कोई छात्र परीक्षा में सम्मिलित न होने अथवा कक्षाओं का संचालन न किए जाने के कारण जनपद के 15 स्ववित्तपोषित विद्यालयों की परिषद प्रदत्त मान्यता स्वतः समाप्त हो गई है। इसमें श्री राम चन्द्र इंटर कॉलेज, अमारी, यदुनन्दन हाई स्कूल, पकड़ी कोल मुस्तफाबाद, एस.एन.डी.एस.एस.एस. दौलसेपुर, , जय हनुमान जी आदर्श हाई स्कूल, मिरगढ़ अहिलाद, , एन.एम.ए. इंटर कॉलेज, फतहपुर तलरातोय, श्री जगतनारायण हाई स्कूल, हथिनी, डी.बी.एस.एस. उच्च माध्यमिक विद्यालय, इन्दारा, बाबू सिपाही सिंह स्मारक इंटर कॉलेज, मेऊड़ी, एस.एन.बी. उच्च माध्यमिक विद्यालय, भगवानपुर, एन.पी.सी.एच.एस.वी., परदहां आर.के. उच्च माध्यमिक विद्यालय, सेचुई बेलभद्र, टी.के.एस.एस. हाई स्कूल, परसुपुर, आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय, रामपुर, नगर क्षेत्र, रणधीर सिंह स्मारक उच्च माध्यमिक विद्यालय, ताजोपुर, मेजर रामनवल सिंह उच्च माध्यमिक विद्यालय, भरथिया कादीपुर शामिल हैं। जनपद के अभिभावकों, छात्रों एवं आमजन को सूचित किया है कि उपर्युक्त विद्यालयों की मान्यता परिषद के प्रावधानों के अनुसार स्वतः समाप्त हो चुकी है। अतः प्रवेश एवं शैक्षिक गतिविधियों के संबंध में आवश्यक सावधानी बरतें।

यातायात के नियमों का पालन न करने पर 301 वाहनों का चालान, 1 वाहन सीज

मऊ, 18 जून (देवव्रत संवाद)। पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर के निर्देशन में बृहस्पतिवार को जनपद के समस्त थाना क्षेत्रान्तर्गत संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनो व यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध व्यापक चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत 30 टीम गठित कर जनपद के 36 स्थानों पर बदल बदलकर लगभग संदिग्ध वाहनो/व्यक्तियो को चेक किया। जिसमें यातायात के नियमों का पालन न करने पर 301 वाहनों को विभिन्न धाराओ में चालान एवं 01 वाहन को सीज किया। साथ ही साथ अन्य लोगों को हिदायत दी गयी तथा यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु वाहन चालकों को नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया।पुलिस अधीक्षक ने आमजन से अपील किया कि वे यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें एवं गलत स्थानो पर पार्किंग नही करे तथा सुरक्षित यातायात में सहयोग प्रदान करें।

लिक टोला इमामबाड़े में मोहर्रम की पहली मजलिस संपन्न, मौलाना नसीमुल हसन ने पेश

मऊ, 18 जून (देवव्रत संवाद)। जनपद के शहर के मलिक टोला स्थित इमामबाड़े में गम-ए-हुसैन (अ.स.) की याद में मोहर्रम के मुकद्दस महीने की पहली मजलिस का अकीदत व एहतराम के साथ आयोजन किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में अजादार और मोमीन हाज़िर हुए, जिन्होंने कर्बला के शहीदों को अपनी खिराजे-अकीदत (श्रद्धांजलि) पेश की। मजलिस की शुरूआत मर्सिया से हुई। इसके बाद मौलाना नसीमुल हसन साहब ने मजलिस को खिताब किया। अपने बयान में मौलाना ने कर्बला के वाकयात और इमाम हुसैन (अ.स.) के सब्र व इस्तकामत पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि कर्बला का मैदान हक और बातिल के बीच का वह मोर्चा था, जहां इमाम हुसैन ने अपनी और अपने जानिसारों की कुबार्नी देकर इंसानियत और इस्लाम के बुनियादी वसूलों को हमेशा के लिए जिंदा कर दिया। मौलाना की मजलिस सुनकर वहां मौजूद अजादारों की आंखें नम हो गईं।

तकरीर के बाद माहौल पूरी तरह से गमगीन हो गया। मजलिस के फौरन बाद अंजुमन बाबुल इल्म जाफरीया के नौहाख्वानों ने बेहद पुरदर्द अंदाज में नौहाख्वानी और सीनाजनी (मातम) पेश की। अंजुमन के नौहे सुनकर पूरा इमामबाड़ा 'या हुसैन-या हुसैन' की सदाओं से गूंज उठा। मजलिस के समापन पर मुल्क में अमन-ओ-अमान, भाईचारे और तरक्की के लिए विशेष दुआ मांगी गई। इसके बाद उपस्थित अजादारों के बीच तबर्रुक का वितरण किया गया। इस दौरान सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय वॉलिंटियर्स मुस्तैद रहे।इस मौके पर ताजियेदारों व मुतवल्ली सैय्यद अली अंसर, आसिफ रिजवी, मंसूर आजम, अयान, आमान, फैजी, मिजान, तामीर, जहीर, मासूम रजा, जावेद, आदि लोग मौजूद रहे।

खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा जागरूकता शिविर का होगा आयोजन

मऊ, 18 जून (देवव्रत संवाद)। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा जनपद में एक दिवसीय निःशुल्क जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का उद्देश्य युवाओं एवं इच्छुक उद्यमियों को स्वरोजगार एवं उद्योग स्थापना से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान करना है। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया कि शिविर में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न लाभार्थीपरक योजनाओं, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम , मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना तथा मुख्यमंत्री माटी कला रोजगार योजना के संबंध में विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत जानकारी दी जाएगी। साथ ही योजनाओं के अंतर्गत आवेदन प्रक्रिया, पात्रता, ऋण एवं अनुदान संबंधी प्रावधानों पर भी विस्तार से चर्चा की जाएगी।उन्होंने बताया कि जनपद की समस्त तहसीलों, विकास खंडों एवं ग्राम पंचायतों के ऐसे बेरोजगार युवक-युवतियां, उद्यम स्थापना में रुचि रखने वाले व्यक्ति तथा आईटीआई एवं पॉलिटेक्निक उत्तीर्ण अभ्यर्थी इस शिविर में प्रतिभाग कर सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थियों को अपना नाम, पता, आधार कार्ड, मोबाइल नंबर एवं शैक्षिक योग्यता से संबंधित अभिलेख साथ लाने होंगे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में चकबंदी कार्यों की हुई समीक्षा बैठक

मऊ, 18 जून (देवव्रत संवाद)। जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन की अध्यक्षता में चकबंदी कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। इस दौरान एसओसी ने बताया कि वर्तमान में जनपद के कुल 17 ग्राम चकबंदी प्रक्रिया के अंतर्गत लंबित हैं। इनमें से कुछ ग्राम पंचायतों में उच्च न्यायालय से स्थगन आदेश (स्टे) प्राप्त होने के कारण चकबंदी प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो पा रही है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत गोकुलपुरा, भंवरा, अमेठी, सिहुली पाटी संयुक्त चकबंदी के अंतर्गत हैं, जहां चकों के संबंध में आपत्तियां प्राप्त हुई हैं। तहसील मधुबन के ग्राम पंचायत धर्मपुर बिशनपुर में चकबंदी अधिकारी न्यायालय में बड़ी संख्या में चक आपत्तियां लंबित हैं। इस पर जिलाधिकारी ने सभी आपत्तियों का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। सदर तहसील के ग्राम पंचायत रेकवारेडीह में लंबित आपत्तियों के निस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने अगले सप्ताह बैठक आयोजित कर संबंधित पक्षों से वार्ता एवं सहमति बनाते हुए मामलों के समाधान के निर्देश दिए। एसओसी ने बताया कि सदर तहसील की ग्राम पंचायत बिलौआ, विभौली, बिलासपुर एवं सेहबरपुर में कब्जा परिवर्तन का कार्य प्रगति पर है।

जिलाधिकारी ने उच्च न्यायालय से स्थगन आदेश प्राप्त ग्राम पंचायतों के मामलों में संबंधित स्टैंडिंग काउंसिल से समन्वय स्थापित कर शासन एवं प्रशासन के पक्ष को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने तथा अधिकतम आपत्तियों के निराकरण हेतु विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। संयुक्त चकबंदी वाले ग्रामों में उन्होंने आपत्तिकर्ताओं से संवाद स्थापित कर आपसी सहमति बनाने तथा चकबंदी प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी पीठासीन अधिकारियों को चकबंदी प्रक्रिया के दौरान सरकारी भूमि का विधिवत चिन्हांकन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने चकबंदी अधिकारी एवं सहायक चकबंदी अधिकारी न्यायालयों में आदेश हेतु सुरक्षित रखी गई फाइलों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखने तथा सभी सुरक्षित वादों का तत्काल निस्तारण करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने समस्त चकबंदी अधिकारियों एवं सहायक चकबंदी अधिकारियों को नियमानुसार पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से चकबंदी कार्य संपादित करने के निर्देश देते हुए अपने-अपने न्यायालयों की फाइलों का नियमित निरीक्षण करने को कहा। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए कार्यों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।विभिन्न न्यायालयों में 3 से 5 वर्ष तथा 5 वर्ष से अधिक समय से लंबित वादों की समीक्षा के दौरान तहसील मधुबन, घोसी तथा मोहम्मदाबाद गोहना के न्यायालयों में अपेक्षाकृत अधिक संख्या में लंबित वाद पाए गए।

डिजिटल संचार के क्षेत्र में सूचना विभाग के आधिकारिक यूट्यूब चैनल सूचना प्रवाह का हुआ शुभारंभ

मऊ, 18 जून (देवव्रत संवाद)। उत्तर प्रदेश सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा डिजिटल संचार को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए विभाग के आधिकारिक यूट्यूब चौनल सूचना प्रवाह का शुभारंभ किया गया।चैनल का शुभारंभ सूचना निदेशक विशाल सिंह एवं अपर सूचना निदेशक अरविंद कुमार मिश्र ने किया।इस अवसर पर निमार्ता फिल्म अभय कुमार श्रीवास्तव, फिल्म निर्माण प्रबंधक संदीप पांडेय सहित सूचना विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।ह्लसूचना प्रवाहह्व उत्तर प्रदेश सूचना एवं जनसंपर्क विभाग का आधिकारिक डिजिटल मंच है, जिसके माध्यम से प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास परियोजनाओं, महत्वपूर्ण निर्णयों, उपलब्धियों, जनहितकारी कार्यक्रमों तथा शासन की विभिन्न पहलों से संबंधित प्रमाणिक, तथ्यपरक एवं त्वरित जानकारी आमजन तक पहुँचाई जाएगी। इसके साथ ही विभाग द्वारा निर्मित वृत्तचित्र, विशेष रिपोर्ट, प्रेरणादायी वीडियो, सरकारी अभियानों तथा महत्वपूर्ण आयोजनों का भी नियमित प्रसारण इस मंच पर किया जाएगा।इस अवसर पर सूचना निदेशक विशाल सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल मीडिया जनसंचार का सबसे प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। ऐसे में ह्लसूचना प्रवाहह्व यूट्यूब चैनल सरकार और जनता के बीच संवाद का एक सशक्त सेतु सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस मंच के माध्यम से नागरिकों को सरकार की योजनाओं, नीतियों एवं विकास कार्यों की विश्वसनीय और प्रमाणिक जानकारी सरल, सहज एवं आकर्षक स्वरूप में उपलब्ध कराई जाएगी।अपर निदेशक अरविंद कुमार मिश्र ने कहा कि विभाग समय के साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाते हुए जनसंचार के नए आयाम स्थापित कर रहा है। ह्लसूचना प्रवाहह्व के माध्यम से प्रदेश की विकास यात्रा, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों तथा शासन की उपलब्धियों को अधिक व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुँचाया जाएगा, जिससे नागरिकों को सरकारी योजनाओं की सही एवं समयबद्ध जानकारी प्राप्त हो सकेगी। यह यूट्यूब चैनल प्रदेश सरकार की उपलब्धियों और जनहित से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों के प्रसार का एक प्रभावी मंच बनेगा तथा आमजन और शासन के बीच संवाद को और अधिक मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सरकारी कार्य में अवरोध और धमकी के मामले में रमेश सिंह काका को एक वर्ष की सजा

मऊ, 18 जून (देवव्रत संवाद)। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉ. कृष्ण प्रताप सिंह ने सरकारी कार्य में अवरोध करने व धमकी देने के मामले में नामजद परदहां ब्लॉक के पूर्व प्रमुख रमेश सिंह काका को सुनवाई के बाद दोषी पाया। दोषी पाए जाने के बाद उसे एक वर्ष की सजा के साथ ही कुल 7 हजार रुपए अर्थदंड लगाया। मामला शहर कोतवाली क्षेत्र का है।

अभियोजन के अनुसार तत्कालीन पुलिस लाइन गोरखपुर में तैनात एस आई नेहरू प्रसाद की तहरीर पर एफआईआर दर्ज हुई। इसमें परदहां ब्लॉक के पूर्व ब्लाक प्रमुख रमेश सिंह काका पुत्र स्व. रामबृक्ष सिंह निवासी कैथवली थाना सरायलखंसी को नामजद किया। वादी का कथन था कि वह 4 अप्रैल 2007 को दीवानी न्यायालय में पेशी के लिए रमेश सिंह काका को लाया था। इस दौरान अपराह्न 1.30 बजे रमेश सिंह काका ने उसके ऊपर अपराधिक बल का प्रयोग किया तथा गाली दिया तथा साथी कर्मचारी विजय बहादुर यादव कालर पकड़ लिया और धमकी दिया और अदालत व जेल जाने से रोका। पुलिस ने मामले की विवेचना कर आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। न्यायालय में अभियोजन की ओर से पैरवी करते हुए अभियोजन अधिकारी हरेंद्र सिंह ने कुल पांच गवाहों को पेश कर अभियोजन का पक्ष रखा। बचाव पक्ष से कहा गया कि उसे झूठा फसाया गया है। सीजेएम ने दोनों पक्षों के तर्कों को सुनने तथा पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद आरोपी रमेश सिंह काका को सरकारी कार्य में अवरोध करने व धमकी देने के मामले में दोषी पाया। दोषी पाए जाने के बाद उसे सरकारी कार्य में अवरोध करने के मामले में एक वर्ष की सजा के साथ ही 5 हजार रुपए अर्थदंड लगाया। वहीं धमकी देने के मामले में छह माह की सजा के साथ ही 2 हजार रुपए अर्थदंड लगाया। मामले में गवाहों को न्यायालय में पेश करने मे पैरवीकार आरक्षी आशीष कुमार का विशेष योगदान रहां।

रमेश सिंह काका को लगातार सातवें मामले में हुई सजा- मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉ. कृष्ण प्रताप सिंह ने परदहां ब्लॉक के पूर्व ब्लाक प्रमुख रमेश सिंह काका को बृहस्पतिवार को शहर कोतवाली के मामले में सरकारी कार्य में अवरोध करने और धमकी देने के मामले में एक वर्ष की सजा के साथ ही 7 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाया। इस प्रकार बृहस्पतिवार को रमेश सिंह सातवें मामले में दोषी पाते हुए सजा सुनाई गई। रमेश सिंह काका को दीवानी कचहरी से यह लगातार 7 वी बार दोषी पाते हुए सजा सुनाई गई हैं।बता दे कि इसके पूर्व 8 अप्रैल को उपनिरीक्षक को धमकी देने के पांचवें मामले में 6 माह की सजा के साथ ही 10 हजार रुपए अर्थदंड लगाया गया था। जून 25 में शहर कोतवाली के जालसाजी के मामले में 4 वर्ष की सजा का निर्णय सुनाया गया था। वही सरायलखंसी थाना क्षेत्र के कुशमौर चौकी के पास उपनिरीक्षक भगत सिंह और अन्य पुलिसकर्मियों को धमकी देने के मामले में 4 माह की सजा के साथ ही 3000 हजार रुपए अर्थदंड लगा था। वही शहर कोतवाली के मामले में वाराणसी कारागार से दीवानी कचहरी मऊ में पेशी पर आए रमेश सिंह काका ने सुरक्षा में लगे उपनिरीक्षक राम बहादुर चौधरी का रिवाल्वर छीनकर भागने का प्रयास किया और सरकारी कार्य में अवरोध उत्पन्न किया, जिसमें उन्हें 6 माह की सजा के साथ ही 5000 हजार रुपए अर्थदंड लगा था। वहीं सरायलखंसी थाना क्षेत्र के कुशमौर मे स्थित गन्ना बीज अनुसंधान के वैज्ञानिकों को धमकी देने के मामले में 6 माह की सजा का निर्णय सुनाया गया था।

हिंदू मुस्लिम एकता की मिशाल है घोसी के ताजिया की जुलूस

घोसी (मऊ)।घोसी नगर के बड़ागांव शिया मुहल्ले की प्रसिद्ध मुहर्रम की ताजिया का जुलूस अपने आप में जहाँ विशेष महत्व रखता है ।वही हिंदू मुस्लिम एकता की मिशाल भी है क्योकि इस जुलूस में शिया समुदाय के ताजियेदारों के कदम से कदम मिलाकर हिंदू माली भी चलते हैं ।जिसकी आपसी भाई चारगी के लिए मिशाल दी जाती है। हिंदू माली का ताजिया सदैव तीसरे नंबर पर रहता है। गम से सराबोर इस्लामी महीना मुहर्रम ।हर गली और हर घर में हाय हुसैन की सदा।यह सदा केवल यहाँ के शिया समुदाय के मुँह से ही नहीं बल्कि हिंदू माली समुदाय के मुँह से भी निकलती है ।यहाँ के हिंदू माली ताजिया भी निकालते हैं ।यही नहीं हिंदू माली के हाथों से ही सेहरा और गेंदा हर ताजिया तक पहुंचते है।शिया समुदाय के बुजुर्ग बताते है कि घोसी के बड़ागांव को आबाद होते समय शिया जमींदारों ने बगेदन माली एवं जंगली माली के पूर्वज सहदेव माली को बसाया था।इस समय इनके परिवार की संख्या बढ़कर आधा दर्जन से अधिक हो गई है।

जिला स्तरीय उद्योग बंधु बैठक में निवेश प्रस्तावों एवं औद्योगिक विकास कार्यों की हुई समीक्षा

मऊ, 18 जून (देवव्रत संवाद)। जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। बैठक में जनपद में निवेश प्रस्तावों की प्रगति, विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन तथा औद्योगिक विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों की विस्तृत समीक्षा की गई।इस दौरान उपायुक्त उद्योग एवं उद्यमी मित्र ने बताया कि जनपद में निवेश हेतु कुल 158 इंटेंट के एमओयू हस्ताक्षरित किए गए हैं। जिनके अंतर्गत 7327.19 करोड़ रुपये के पूंजी निवेश तथा 25,178 लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है। जिनमें लगभग 1006.50 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है, धरातल पर आ चुकी हैं। इनमें से 51 इकाइयों में वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ हो चुका है। उन्होंने बताया कि वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ करने वाली इकाइयों की संख्या बढ़ने से जनपद की रैंकिंग में सुधार होगा तथा अगले माह एक और इकाई में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने की संभावना है। विभागीय योजनाओं की समीक्षा के दौरान उपायुक्त उद्योग ने बताया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत अभी तक कोई लक्ष्य प्राप्त नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत वित्तीय वर्ष में जनपद को 125 का भौतिक तथा 243.25 लाख रुपये का वित्तीय लक्ष्य प्राप्त हुआ है।

बलिया में भारतीय मजदूर संघ का प्रदर्शन

बलिया, 18 जून (देवव्रत संवाद)। बलिया में भारतीय मजदूर संघ के सदस्यों ने गुरुवार को बलिया कलक्ट्रेट में कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित 22 सूत्रीय मांग पत्र सिटी मजिस्ट्रेट आशाराम वर्मा को सौंपा। संघ के सदस्यों ने बताया कि मजदूर और कर्मचारी वर्तमान में महंगाई, बेरोजगारी और सरकारी उपेक्षा के कारण अत्यधिक परेशान हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आंगनबाड़ी कार्यकताओं के लिए सरकार द्वारा निर्धारित मानदेय लागू नहीं किया जा रहा है। इसी तरह, आशा और आशा संगिनी कार्यकताओं के साथ भी पूर्ण अन्याय हो रहा है। संविदा कर्मियों को आउटसोर्सिंग के नाम पर न तो समय पर वेतन मिलता है और न ही उनके लिए कोई नियमावली बनाई गई है। उन्हें नौकरी से निकाले जाने का भय हमेशा बना रहता है।

छपरा स्टेशन पर 17 ट्रेनों के प्लेटफॉर्म बदले

बलिया, 18 जून (देवव्रत संवाद)। रेलवे प्रशासन ने परिचालनिक कारणों से छपरा जंक्शन रेलवे स्टेशन से 19 जून, 2026 को चलने वाली 17 ट्रेनों के प्लेटफॉर्म में बदलाव किया है। यात्रियों को होने वाली असुविधा से बचने के लिए रेलवे ने यह जानकारी जारी की है।बदलाव के अनुसार, 15097 भागलपुर-जम्मूतवी अमरनाथ एक्सप्रेस, 13106 बलिया-सियालदह एक्सप्रेस, 63333 पाटलिपुत्र-बलिया मेमू गाड़ी, 04651 जयनगर-अमृतसर विशेष एक्सप्रेस, 15027 सम्भलपुर-गोरखपुर मौर्य एक्सप्रेस, 02563 बरौनी-नई दिल्ली विशेष एक्सप्रेस, 12565 दरभंगा-नई दिल्ली एक्सप्रेस, 13019 हावड़ा-काठगोदाम एक्सप्रेस, 15565 ललितग्राम-नई दिल्ली वैशाली एक्सप्रेस, 14649 जयनगर-अमृतसर एक्सप्रेस और 15231 बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस अब प्लेटफॉर्म नंबर 1 या 3 के बजाय प्लेटफॉर्म नंबर 4 से चलाई जाएंगी।इसी तरह, 02569 दरभंगा-नई दिल्ली विशेष एक्सप्रेस, 18182 थावे-टाटानगर एक्सप्रेस, 12562 नई दिल्ली-जयनगर स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस और 14008 आनंद विहार टर्मिनस-रक्सौल एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म नंबर 3 या 2 के स्थान पर प्लेटफॉर्म नंबर 5 से प्रस्थान करेंगी।इसके अतिरिक्त, 55140 वाराणसी सिटी-छपरा सवारी एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म नंबर 1 के बजाय प्लेटफॉर्म नंबर 7 से चलेगी, जबकि 19165 अहमदाबाद-दरभंगा एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म नंबर 3 के स्थान पर प्लेटफॉर्म नंबर 6 से रवाना होगी।

महेंद्र सिंह की हत्या मे शामिल तीन गिरफ्तार, एक किशोर हिरासत में

- 16 जून की सुबह घर से चार किमी दूर कनियारीपुर गांव की पोखरी में मिला था महेंद्र सिंह का शव

मऊ, 18 जून (देवव्रत संवाद)। कोपागंज थाना के कनियारीपुर गांव निवासी राजू मुसहर, रामअशीष यादव, कोमल मुसहर और एक किशोर ने पुरानी रंजिश के चलते महेंद्र सिंह (50) की हत्या कर शव को पोखरी में फेंक दिया था। मृतक महेंद्र की पत्नी की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही थी। मुखबिर की सूचना पर कोपागंज थाना क्षेत्र के हसनपुर गांव से बुधवार की रात 10 बजे तीनों को गिरफ्तार कर लिया और एक किशोर को हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद बृहस्पतिवार को तीनों को न्यायालय में पेश किया गया। सुनवाई के बाद वहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। थाना क्षेत्र के पिपरौता गांव निवासी महेंद्र सिंह 14 जून की शाम शाम आठ बजे घर से निकले थे। परिजनों द्वारा काफी तलाश के बाद भी उनका पता नहीं चल पाया था। 15 जून को पत्नी सीमा सिंह ने थाने पहुंचकर सूचना दी थी। उसी दिन से पुलिस पुलिस टीम इस मामले की छानबीन में जुट गई थी। आसपास के गांव के लोगों द्वारा बताने पर पुलिस टीम ने 15 जून की शाम कनियारीपुर पहुंचकर लोगों से पूछताछ की थी। वहां एक पोखरी के किनारे महेंद्र सिंह का जूता पड़ा था, जिसे परिजन लेकर चले गए थे। 16 जून की सुबह करीब छह बजे उसी पोखरी में उनका शव उतराया मिला था। पत्नी सीमा सिंह ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि कनियारीपुर गांव निवासी राजू मुसहर, रामअशीष यादव, कोमल मुसहर और एक किशोर ने उनकी हत्या कर शव पोखरी में फेंक दिया है। सीओ घोसी जितेंद्र सिंह ने बताया कि

हत्या के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। हत्या में शामिल एक बाल अपचारी को हिरासत में लेकर किशोर न्याय बोर्ड को सौंप दिया।

प्राकृतिक खेती कार्यशाला एवं जन जागरूकता अभियान के तहत खरीफ गोष्ठी व प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

मऊ, 18 जून (देवव्रत संवाद)। केंद्र सरकार के 12 वर्ष एवं प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्राकृतिक खेती कार्यशाला एवं जन जागरूकता अभियान तथा कृषि सूचना तंत्र सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत दो दिवसीय जनपद स्तरीय खरीफ गोष्ठी एवं प्रदर्शनी का आयोजन नगर पालिका कम्युनिटी हॉल में मुख्य विकास अधिकारी विवेक कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुआ। जिला पंचायत अध्यक्ष मनोज राय ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार के कार्यकाल की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जनपद में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, खरीफ फसलों की उत्पादकता बढ़ाने तथा प्राकृतिक एवं उन्नतशील खेती के प्रति जागरूक करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। ऐसे आयोजनों से किसानों को नवीन कृषि तकनीकों की जानकारी प्राप्त होगी तथा उनकी आय में वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित क्षेत्रीय महामंत्री गोरखपुर सुनील गुप्ता ने कहा कि पूर्व समय में किसान जैविक एवं प्राकृतिक खेती को अपनाते थे, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति एवं पर्यावरण संतुलन बना रहता था। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक

उपयोग से खेती एवं मानव स्वास्थ्य दोनों प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती को अपनाने का आह्वान करते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की।कृषि वैज्ञानिक डॉ. हर्षवर्धन सिंह ने किसानों को प्राकृतिक खेती के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि यूरिया एवं डीएपी जैसे रासायनिक उर्वरकों का संतुलित एवं आवश्यकतानुसार ही प्रयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने खेतों में अधिक मात्रा में गोबर की खाद एवं जैविक संसाधनों के उपयोग पर बल देते हुए बताया कि इससे मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होता है तथा फसलों की उत्पादकता भी बढ़ती है। कार्यक्रम के दौरान कृषि, उद्यान, पशुपालन एवं अन्य विभागों द्वारा लगाए गए विभिन्न प्रदर्शनी स्टॉलों का अवलोकन मुख्य विकास अधिकारी श्री विवेक कुमार श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष मनोज राय एवं अन्य उपस्थित अतिथियों ने किया। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को किसानों को योजनाओं एवं तकनीकी जानकारी का अधिकाधिक लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में उपनिदेशक कृषि, जिला कृषि अधिकारी सोम प्रकाश गुप्ता, वैज्ञानिकगण, जनप्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को प्राकृतिक खेती, आधुनिक कृषि तकनीकों तथा सरकार की विभिन्न किसान कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

पांच साल, तीन विज्ञापन और शून्य नियुक्ति : आखिर अतिथि प्रवक्ताओं के सहारे कब तक चलेगा महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय

आजमगढ़, 18 जून (देवव्रत संवाद)। पूर्वांचल में उच्च शिक्षा के बड़े केंद्र के रूप में स्थापित महाराजा सुहेल देव विश्वविद्यालय (एमएसडीयू) अपनी स्थापना के पाँच वर्ष पूरे कर चुका है, लेकिन विडंबना यह है कि आज तक विश्वविद्यालय परिसर में एक भी स्थायी शिक्षक की नियुक्ति नहीं हो सकी है। नए शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए एक बार फिर विभिन्न विषयों में अतिथि प्रवक्ताओं की नियुक्ति हेतु वॉक–इन–इंटरव्यू का विज्ञापन जारी किया गया है, जिससे विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि विश्वविद्यालय प्रशासन तीन बार स्थायी शिक्षकों के पदों के लिए विज्ञापन जारी कर चुका है, लेकिन नियुक्ति प्रक्रिया आज तक अंतिम परिणाम तक नहीं पहुंच सकी। लगातार विज्ञापन निकलने और वर्षों बीत जाने के बावजूद नियुक्तियां न होना प्रशासनिक इच्छाशक्ति और व्यवस्था दोनों पर प्रश्नचिह्न लगा रहा है।

शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी विश्वविद्यालय की पहचान उसकी इमारतों से नहीं, बल्कि उसके स्थायी शिक्षकों, शोध कार्यों और अकादमिक वातावरण से बनती है। लेकिन एमएसडीयू में पूरा शैक्षणिक ढांचा अतिथि प्रवक्ताओं के भरोसे संचालित हो रहा है। अतिथि शिक्षक नियमित कक्षाओं का संचालन तो कर सकते हैं, लेकिन विश्वविद्यालय में दीर्घकालिक शोध संस्कृति विकसित करने, राष्ट्रीय–

अंतरराष्ट्रीय शोध परियोजनाएं लाने और अकादमिक नेतृत्व प्रदान करने में उनकी भूमिका सीमित रहती है। इसी का परिणाम है कि विश्वविद्यालय की स्थापना के पाँच वर्ष बाद भी शोध गतिविधियां अपेक्षित स्तर पर शुरू नहीं हो सकी हैं। न मजबूत शोध समूह बन पाए हैं, न बड़े शोध अनुदान आकर्षित हो सके हैं और न ही नवाचार आधारित शैक्षणिक माहौल विकसित हो पाया है। इसका सीधा असर विद्यार्थियों की गुणवत्ता, शोध अवसरों और रोजगारोन्मुखी विकास पर पड़ रहा है। विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि आने वाले समय में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) के मूल्यांकन में भी विश्वविद्यालय को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। स्थायी शिक्षकों की संख्या, शोध प्रकाशन, शोध परियोजनाएं, छात्र–शिक्षक अनुपात, नवाचार और संस्थागत विकास जैसे मानक एनएएसी मूल्यांकन के प्रमुख आधार होते हैं। यदि विश्वविद्यालय लंबे समय तक अस्थायी शिक्षकों के सहारे चलता रहा तो उसकी ग्रेडिंग और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा दोनों प्रभावित हो सकती हैं।

पूर्वांचल के हजारों विद्यार्थियों की शैक्षणिक आकांक्षाओं से जुड़े इस विश्वविद्यालय के सामने अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर पाँच वर्षों में एक भी स्थायी नियुक्ति क्यों नहीं हो पाई? तीन–तीन बार विज्ञापन जारी होने के बावजूद चयन प्रक्रिया अधर में क्यों लटकी रही? और क्या विश्वविद्यालय को कभी स्थायी शैक्षणिक आधार मिल पाएगा?

नया सत्र शुरू होने जा रहा है और एक बार फिर अस्थायी व्यवस्था का सहारा लिया जा रहा है। ऐसे में यह मुद्दा केवल नियुक्तियों तक सीमित नहीं रह जाता, बल्कि पूर्वांचल में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता, शोध संस्कृति और विश्वविद्यालय के भविष्य से जुड़ा बड़ा प्रश्न बन जाता है। जब तक स्थायी नियुक्तियों की प्रक्रिया पूरी नहीं होती, तब तक यह सवाल बना रहेगा कि क्या महाराजा सुहेल देव विश्वविद्यालय वास्तव में एक पूर्ण विकसित विश्वविद्यालय बन पाएगा या फिर अतिथि प्रवक्ताओं के सहारे ही उसकी शैक्षणिक यात्रा आगे बढ़ती रहेगी।

जनपद के 16 विद्यालयों की मान्यता स्थायी रूप से समाप्त

आजमगढ़, 18 जून (देवव्रत संवाद)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और नियमों के कड़ाई से अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रदेश के 465 गैर–सरकारी विद्यालयों की मान्यता स्थायी रूप से समाप्त कर दी है। इनमें आजमगढ़ जनपद के 16 विद्यालय भी शामिल हैं। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई इंटरमीडिएट शिक्षा अधिनियम–1921 के प्रावधानों के तहत की गई है। अधिनियम के नियम 11(डी) के अनुसार यदि किसी मान्यता प्राप्त हाईस्कूल या इंटरमीडिएट विद्यालय में लगातार दो वर्षों तक कोई छात्र बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित नहीं होता है अथवा विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियां संचालित नहीं होती हैं, तो उसकी मान्यता स्वतः समाप्त मानी जाती है। बोर्ड की समीक्षा में पाया गया कि संबंधित 465 विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2024–25 और 2025–26 के दौरान छात्र नामांकन शून्य रहा। इसके अलावा इन विद्यालयों का कोई भी छात्र हाईस्कूल या इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित नहीं हुआ। इन तथ्यों के आधार पर विद्यालयों को निष्क्रिय मानते हुए उनकी मान्यता समाप्त करने का निर्णय लिया गया। मान्यता समाप्त किए गए आजमगढ़ के विद्यालयों में एसपीएचबीआईसी देवपुर हनुमान नगर, गुन्सन बी.आई. कॉलेज चकादेदवानी, राहुल एस.जे.आई.सी. लच्छीरामपुर, ए.एस.ए.एच.एस. एस.बी. खरागपुर, ए.एस.एच.एस.एस. शेखमौली करतारपुर, एस.एस. हाईस्कूल इसरापार रामगढ़, श्री दुर्गा जी चिल्ड्रेन सिटी इंटर कॉलेज रानी की सराय, कृष्णा हाईस्कूल बरदह, चम्पा देवी स्मृति इंटर कॉलेज धुधुरी, एम.ए. सेंट्रल पब्लिक हाईस्कूल जमुरी, उर्मिला उच्च माध्यमिक विद्यालय सिकाहुला कोयलसा, ठाकुर विक्रमा सिंह स्मारक इंटर कॉलेज अमनावे मार्टिनगंज, बाबा शिवनाथ सिंह इंटर कॉलेज अनेई तरछा, मां कमला इंटरमीडिएट कॉलेज बरोही फतेहपुर तथा नवनीत इंटरनेशनल स्कूल ऑफ साइंस बघावर सहित कुल 16 विद्यालय शामिल हैं।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इस कार्रवाई का उद्देश्य केवल कागजों पर संचालित विद्यालयों पर रोक लगाना और शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखना है। इससे छात्रों एवं अभिभावकों को भी वास्तविक रूप से संचालित और मान्यता प्राप्त विद्यालयों की जानकारी मिल सकेगी। यूपी बोर्ड की इस कार्रवाई को शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मोहम्मदपुर-फरिहा मार्ग से हटा बैरियर

स्थानीय लोगों, किसानों और व्यापारियों को आवागमन में हो रही थी परेशानी

आजमगढ़, 18 जून (देवव्रत संवाद)। मोहम्मदपुर–फरिहा मार्ग पर अमोड़ा टोल नाके के पास लगाए गए बैरियर को प्रशासन ने हटवा दिया है। बैरियर हटने के बाद क्षेत्रीय लोगों ने राहत की सांस ली है। लंबे समय से स्थानीय नागरिकों, किसानों, व्यापारियों, स्कूली वाहनों और मालवाहक वाहनों को इस मार्ग पर आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के लोगों ने अपनी समस्या उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान के समक्ष रखी थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए मंत्री ने जिलाधिकारी, मंडलायुक्त एवं संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर समस्या के समाधान की पहल की। बताया जा रहा है कि मंत्री के हस्तक्षेप के बाद प्रशासन ने मामले की समीक्षा करते हुए मार्ग पर लगाए गए बैरियर को हटाने की कार्रवाई की। इसके बाद क्षेत्र में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों, व्यापारियों और वाहन चालकों का कहना है कि बैरियर हटने से अब स्कूली बसों, एम्बुलेंसों तथा मालवाहक वाहनों का आवागमन पहले की अपेक्षा अधिक सुगम हो जाएगा। इससे क्षेत्र के लोगों को समय और

आर्थिक दोनों स्तरों पर राहत मिलेगी।

स्थानीय लोगों ने इस पहल के लिए दारा सिंह चौहान का आभार व्यक्त करते हुए इसे जनहित में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताया है। वहीं सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों का कहना है कि जनसमस्याओं के समाधान के प्रति सक्रिय पहल से आम जनता को राहत मिली है। हालांकि बैरियर लगाए जाने और हटाए जाने से संबंधित प्रशासनिक पक्ष पर आधिकारिक विस्तृत बयान सामने नहीं आया है, लेकिन मार्ग से अवरोध हटने के बाद क्षेत्रीय लोगों में संतोष का माहौल देखा जा रहा है।

भारतीय मजदूर संघ ने मुख्यमंत्री को भेजा 20 सूत्रीय ज्ञापन

आजमगढ़, 18 जून (देवव्रत संवाद)। भारतीय मजदूर संघ की जिला कार्यसमिति ने गुरुवार को जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित 20 सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर कर्मचारियों, श्रमिकों एवं असंगठित क्षेत्र के कामगारों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की। संगठन का कहना है कि बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और विभिन्न समस्याओं के कारण कर्मचारी एवं श्रमिक वर्ग गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। ज्ञापन में आशा, आशा संगिनी, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, संविदा एवं आउटसोर्सिंग कर्मियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया है। संगठन ने आरोप लगाया कि इन कर्मचारियों को निर्धारित मानदेय एवं अन्य सुविधाएं समय से नहीं मिल पा रही हैं। वहीं सफाई कर्मचारियों से पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए बिना कार्य कराए जाने का भी मुद्दा उठाया गया। भारतीय मजदूर संघ ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के कर्मचारियों की वेतन विसंगति, बीमा लाभ और स्थानांतरण संबंधी समस्याओं के समाधान की मांग की। साथ ही 108 एवं 102 एंबुलेंस सेवाओं से जुड़े ई–रिक्शा एवं ऑटो चालकों को सुविधाएं

बर्खास्त कर्मचारियों की पुनर्बहाली का मुद्दा भी ज्ञापन में शामिल किया गया। संगठन ने आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों को एक जनवरी 2026 से लागू करने तथा न्यूनतम वेतनमान 72 हजार रुपये निर्धारित करने की मांग की। इसके अलावा आशा एवं आंगनबाड़ी कर्मियों के मानदेय में वृद्धि, संविदा कर्मचारियों के लिए नियमावली बनाने और पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग भी की गई। ज्ञापन में सरकारी विभागों में रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की भी मांग उठाई गई है। संगठन ने पटरी–रेहड़ी दुकानदारों, उपलब्ध कराने तथा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा देने की मांग की। इसके साथ ही जिला सहकारी बैंकों के लंबित वेतनमान पुनरीक्षण, मिड–डे मील कर्मचारियों के मानदेय में वृद्धि तथा पत्रकारों को सुरक्षा बीमा और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई। भारतीय मजदूर संघ ने उम्मीद जताई कि सरकार कर्मचारियों, श्रमिकों और असंगठित क्षेत्र के कामगारों से जुड़ी इन समस्याओं पर गंभीरता से विचार करते हुए शीघ्र आवश्यक निर्णय लेगी।

दामाद ने ससुर पर लगाया 17 लाख रुपये हड़पने का आरोप

निजामाबाद, 18 जून (देवव्रत संवाद)। निजामाबाद तहसील क्षेत्र के हरैया गांव निवासी सुबाष यादव ने अपने ससुर पर विदेश से भेजी गई लाखों रुपये की धनराशि वापस न करने का आरोप लगाते हुए प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल सहित विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत कर मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है। सुबाष यादव का आरोप है कि वह लगभग 14 वर्षों तक सऊदी अरब में नौकरी करते रहे। उस दौरान गांव में उनका स्वयं का बैंक खाता नहीं था तथा उनके बच्चे भी छोटे थे। इसी बीच उनकी पत्नी गंभीर रूप से बीमार हो गई थीं। पत्नी के उपचार और परिवार के खर्चों के लिए उन्होंने अपने ससुर सत्तूर राम उर्फ रामसम्हार यादव निवासी टीकापुर, थाना तहबरपुर के बैंक खाते में समय– समय पर धनराशि भेजी थी। पीड़ित के अनुसार, विदेश में रहने के दौरान उन्होंने अपने ससुर के खाते में 17 लाख रुपये से अधिक की राशि भेजी। उनका कहना है कि पत्नी के इलाज के लिए उन्हें कई बार भारत आना पड़ा, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उनकी पत्नी का निधन हो गया। सुबाष यादव का आरोप है कि पत्नी के निधन के बाद जब वह स्थायी रूप से घर लौटे और अपने द्वारा भेजी गई धनराशि का हिसाब मांगते हुए रकम वापस करने की बात कही, तो उनके ससुर ने राशि लौटाने से इंकार कर दिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि न्याय की उम्मीद में उन्होंने स्थानीय पुलिस से संपर्क किया, लेकिन उनकी शिकायत पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित ने यह भी दावा किया कि उनसे कथित रूप से धन की मांग की गई, हालांकि इस आरोप की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। पीड़ित का कहना है कि उन्होंने मामले से संबंधित प्रार्थना पत्र विभिन्न अधिकारियों को सौंपे हैं तथा मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई है। इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। सुबाष यादव ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर अपनी मेहनत की कमाई वापस दिलाने तथा दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

प्रतुल्या रॉयल ग्लैम स्टूडियो जनपद को देगा नई पहचान–धनंजय सिंह

आजमगढ़, 18 जून (देवव्रत संवाद)। करतालपुर बाइपास स्थित प्रतुल्या रॉयल ग्लैम स्टूडियो का उद्घाटन पूर्व सांसद धनंजय सिंह एवं श्रीमती कनकलता सिंह ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति से समारोह गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। धनंजय सिंह ने कहा कि प्रतुल्या रॉयल ग्लैम स्टूडियो आजमगढ़ के विकास और आधुनिकता की नई पहचान बनेगा। उन्होंने कहा कि महानगरों जैसी अत्याधुनिक ब्यूटी एवं ग्रूमिंग सुविधाओं से सुसज्जित यह स्टूडियो क्षेत्र में एक नई मिसाल स्थापित करेगा। उन्होंने इस पहल के लिए तुषार सिंह के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे दूरदर्शी सोच का परिणाम बताया। श्रीमती कनकलता सिंह ने कहा कि आजमगढ़ तेजी से विकास और आधुनिक सुविधाओं की दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रतुल्या रॉयल ग्लैम स्टूडियो जैसे आधुनिक संस्थानों की स्थापना से लोगों को बेहतर सेवाएं मिलने के साथ–साथ युवाओं के लिए

रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध होंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह संस्थान अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के बल पर लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा। स्टूडियो के संचालक तुषार सिंह एवं प्रज्ञा राय ने उपस्थित अतिथियों और आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रतुल्या रॉयल ग्लैम स्टूडियो का उद्देश्य आजमगढ़ के लोगों को उनके अपने शहर में आधुनिक, सुरक्षित एवं उच्च गुणवत्ता वाली ब्यूटी और ग्रूमिंग सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि ग्राहकों की संतुष्टि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। अब महिलाओं और पुरुषों को अत्याधुनिक ब्यूटी एवं ग्रूमिंग सेवाओं के लिए अन्य शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा, क्योंकि स्टूडियो में प्रशिक्षित स्टाफ, आधुनिक तकनीक और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।इस अवसर पर प्रो. अवनीश सिंह, किशन सिंह, अभिषेक सिंह बॉबी, अशोक कुमार सिंह, रामचरण, हरिओम सिंह, प्रकाश यादव, अजय गोंड, मंजेश यादव, अंजू राय, किरन यादव सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हत्या के तीन दोषियों को आजीवन कारावास और प्रत्येक पर लगा चार लाख रुपये का अर्थदंड

आजमगढ़, 18 जून (देवव्रत संवाद)। हत्या के एक चर्चित मामले में सुनवाई पूरी करने के बाद अदालत ने तीन आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास तथा प्रत्येक पर चार–चार लाख रुपये का अर्थदंड लगाया है। अदालत ने अर्थदंड की 80 प्रतिशत राशि मृतक की पत्नी और बच्चों को दिए जाने का भी आदेश दिया है। यह फैसला अपर सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या–1) अमर सिंह ने गुरुवार को सुनाया। अभियोजन पक्ष के अनुसार वादी हरेंद्र चौहान निवासी परानपुर, थाना निजामाबाद के भाई धर्मेंद्र चौहान महाराष्ट्र के कोल्हापुर में पोकलेन मशीन चलाने का कार्य करते थे। कोरोना काल के दौरान वह अपने गांव लौट आए थे। मामले के अनुसार धर्मेंद्र ने गांव के ही राजेश यादव, रमेश यादव तथा कपिल कुमार निवासी मारूफपुर, थाना निजामाबाद को रुपये उधार दिए थे। यह रकम एक लाख रुपये से अधिक हो गई थी। धर्मेंद्र लगातार अपने पैसे वापस मांग रहे थे, जिससे दोनों पक्षों के बीच विवाद चल रहा था। अभियोजन के मुताबिक 4 अगस्त 2020 को कपिल कुमार, राजेश यादव और रमेश यादव धर्मेंद्र को शराब पिलाने के बहाने घर से अपने साथ ले गए। आरोप है कि तीनों ने दत्तात्रेय धाम के पास उनकी हत्या कर दी और शव को नदी में फेंक दिया। अगले दिन 5 अगस्त 2020 को धर्मेंद्र का शव नदी से बरामद हुआ। मामले की सूचना पर पुलिस ने जांच शुरू की और साक्ष्य संकलित करने के बाद तीनों आरोपियों के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। मुकदमे की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता विपिन कुमार गिरि ने कुल 11 गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण करने के बाद अदालत ने आरोपियों कपिल कुमार, राजेश यादव तथा रमेश यादव को दोषी करार दिया। अदालत ने तीनों दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए प्रत्येक पर चार लाख रुपये का अर्थदंड लगाया। साथ ही निर्देश दिया कि वसूले गए अर्थदंड की 80 प्रतिशत धनराशि मृतक की पत्नी और बच्चों को क्षतिपूर्ति के रूप में प्रदान की जाए।

भाजपा 21 जून को लाटघाट में निकालेगी पदयात्रा

सगड़ी, 18 जून (देवव्रत संवाद)। केंद्र सरकार के 'विश्वास, विकास और जनकल्याण' के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा अजमतगढ़ मंडल क्षेत्र के लाटघाट बाजार में पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम 21 जून को सायं 4 बजे आयोजित होगा। मंडल अध्यक्ष मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पदयात्रा लाटघाट स्थित शुभोत्सव मैरिज लॉन से प्रारंभ होकर लाटघाट बाजार में समाप्त होगी। पदयात्रा के समापन पर एक जनसभा का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें पार्टी कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल होंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने जनकल्याण, विकास और सुशासन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हुए 12 वर्ष पूरे किए हैं। इस अवधि को भाजपा कार्यकर्ता उपलब्धियों और जनसेवा का गौरवशाली काल मानते हैं। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर भाजपा नेता मनीष कुमार मिश्रा के आवास पर एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें पदयात्रा की रूपरेखा और व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। बैठक में कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में भाग लेने का आह्वान किया गया। बैठक में संतोष सिंह टीपू, मनीष कुमार मिश्रा, दिवाकर सिंह, नागेंद्र पटेल, मनोज कुमार श्रीवास्तव, सत्य प्रकाश सिंह, सुधीर राय, वीरेंद्र पटेल, प्रेमभूषण सिंह, अमित राय, बांके यादव, अंशु गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा नेताओं ने कहा कि पदयात्रा के माध्यम से केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी आम जनता तक पहुंचाई जाएगी।

ग्राम पंचायत के विकास कार्यों की जांच में लापरवाही का आरोप

निर्धारित तिथि पर जांच न होने से नाराजगी, शिकायतकर्ता ने किया निष्पक्ष जांच की मांग

तहबरपुर, 18 जून (देवव्रत संवाद)। स्थानीय क्षेत्र की ग्राम पंचायत नैपुरा में कराए गए विकास कार्यों तथा सुरक्षित भूमि पर कथित अवैध निर्माण और अतिक्रमण की शिकायत को लेकर चल रही जांच प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो गए हैं। शिकायतकर्ता राममिलन पुत्र झपसी ने जांच में लापरवाही और अनियमितता का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत नैपुरा के निवासी राममिलन ने ग्राम प्रधान ओमप्रकाश यादव के विरुद्ध विकास कार्यों एवं सुरक्षित भूमि पर किए गए कथित गैरकानूनी कार्यों की शिकायत जिलाधिकारी से की थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने जांच के लिए दो सदस्यीय समिति गठित की थी, जिसमें जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी तथा अधिशासी अभियंता, आवास विकास परिषद को शामिल किया गया था। शिकायतकर्ता के अनुसार दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद 10 जून को स्थलीय एवं भौतिक निरीक्षण निर्धारित किया गया था। इसके लिए ग्रामीणों एवं स्थानीय लोगों को भी सूचना दी गई थी, लेकिन निर्धारित तिथि पर जांच नहीं हो सकी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी वर्षा अग्रवाल ने मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम का हवाला देते हुए निरीक्षण स्थगित कर दिया। बाद में 17 जून को जांच के लिए टीम के गांव पहुंचने की सूचना दी गई। शिकायतकर्ता का कहना है कि जांच के दौरान कुछ स्थलों का निरीक्षण किया गया, जबकि उनकी शिकायत से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं की जांच नहीं की गई। उनका आरोप है कि पशुचर भूमि पर स्थित पोखरे और पानी की टंकी जैसे स्थलों का निरीक्षण नहीं किया गया। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि जांच पूरी होने से पूर्व उनसे हस्ताक्षर कराने का प्रयास किया गया, जबकि उन्होंने जांच प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद ही हस्ताक्षर करने की बात कही। इस दौरान कथित रूप से दोनों पक्षों के बीच कहासुनी भी हुई। वहीं ग्राम प्रधान पक्ष की ओर से इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी है। मामले में जांच समिति की रिपोर्ट आने के बाद ही पूरे प्रकरण की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। जांच के दौरान ग्राम पंचायत सचिव संजय कुमार, पंचायत मित्र शिवचंद तथा अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

कैफी आजमी रोड से बस स्टॉप तक पेड़ों की डालियों की छंटाई, नए 11 केवी फीडर का कार्य हुआ तेज

फूलपुर, 18 जून (देवव्रत संवाद)। नगर क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से बनाए जा रहे नए 11 केवी टाउन–2 फीडर के निर्माण कार्य में तेजी लाई जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को विद्युत विभाग ने कैफी आजमी रोड से बस स्टॉप तक विद्युत लाइन के मार्ग में बाधा बन रही पेड़ों की डालियों की छंटाई कराई। यह कार्य विभागीय अधिकारियों की निगरानी में कराया गया, ताकि निर्माणाधीन विद्युत लाइन के कार्य में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो और परियोजना को निर्धारित समयावधि में पूरा किया जा सके।

अवर अभियंता सुदनीपुर देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि वर्तमान में नगर क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति मुख्य रूप से सिंगल टाउन फीडर के माध्यम से संचालित हो रही है। उपभोक्ताओं को बेहतर, सुरक्षित एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नया 11 केवी टाउन–2 फीडर तैयार किया जा रहा है। इसके लिए नई विद्युत लाइन बिछाने का कार्य तेजी से चल रहा है। उन्होंने बताया कि विद्युत लाइन के नीचे आ रही पेड़ों की शाखाएं भविष्य में बिजली आपूर्ति में व्यवधान उत्पन्न कर सकती थीं। साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से भी उनका हटाया जाना आवश्यक था। इसी कारण कैफी आजमी रोड से बस स्टॉप तक पेड़ों की डालियों की छंटाई कराई गई। कार्य के दौरान स्थानीय लोगों के सहयोग से लाइन के नीचे खड़े वाहनों एवं अन्य सामान को भी हटवाया गया, जिससे कार्य को सुचारु रूप से पूरा किया जा सके। विद्युत विभाग के अनुसार नए 11 केवी टाउन–2 फीडर के चालू होने के बाद नगर क्षेत्र में विद्युत भार का बेहतर वितरण संभव हो सकेगा। इससे ओवरलोडिंग की समस्या कम होगी और उपभोक्ताओं को अधिक विश्वसनीय एवं सुचारु विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा।

स्थानीय लोगों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि नए फीडर के संचालन से बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार आएगा।